

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च, 2018

खण्ड-1, अंक-07

अधिकृत विवरण



विषय सूची

सोमवार 12 मार्च, 2018

पृष्ठ संख्या

हरियाणा के भूतपूर्व मंत्रियों तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों का अभिनन्दन	4
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	4
सनातन धर्म महाविद्यालय (लाहौर), अम्बाला कैंट के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का अभिनंदन	18
नंदीशाला फाऊंडेशन सैंटर्ज से सम्बंधित तारांकित प्रश्न संख्या 2507 का उत्तर न देने के सम्बन्ध में मामला उठाना	18
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारंभ)	21
आउट सोर्सिंग आधार पर भर्ती के मानदंड तथा आउट सोर्सिंग नौकरियों के अधीन आरक्षण के मामले से सम्बंधित तारांकित प्रश्न संख्या 2490 का उत्तर न देने के संबंध में मामला उठाना	29
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	37
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	42
राज्यसभा के निर्वाचन के लिए मनोनीत अभ्यर्थी का परिचय	50

श्री अशोक सिंगला, प्रधान, नगरपालिका, पिहोवा, जिला कुरुक्षेत्र द्वारा दी गई अभिकथित रिश्वत संबंधी स्थगन प्रस्ताव का मामला उठाना/बैठक का स्थगन	51
सदस्यगण को नेम करना	70
बल्लभगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में गुरुग्राम नहर पर पुल के गिरने से संबंधित मामला उठाना	83
वर्ष 2018–2019 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा	84
विधान कार्य	91
सामान्य बजट पर चर्चा का स्थगन	105

हरियाणा विधान सभा

सोमवार 12 मार्च, 2018

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैकटर-1,
चण्डीगढ़ में दोपहर बाद 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवर पाल) ने अध्यक्षता की।

.....

हरियाणा के भूवपूर्व मंत्रियों तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों का अभिनन्दन

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शमा): अध्यक्ष जी, पूर्व मंत्री श्री सुभाष कात्याल जी, पूर्व मंत्री श्री भागी राम जी, पूर्व विधायक श्री रामबीर सिंह जी, पूर्व विधायक श्री नफे सिंह राठी आज वी.आई.पीज. गैलरी में सदन की कार्यवाही देखने के लिए आये हैं। यह सदन इन सभी का अभिनन्दन करता है।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब प्रश्नकाल शुरू होता है।

Water Up to the Tails of Canals

***2631 Shri Bishamber Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state--

- (a) the number of canals in which water has been supplied up to tails after 20 years or more togetherwith the hectare of land irrigated alongwith the extent of population benefitted ;
- (b) the total amount spent on the above said work; and
- (c) the number of remaining canals where water is not reaching up to tails togetherwith the plans of the Government to supply water upto tails in the remaining canals ?

***कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) :**

(क) श्रीमान जी, 20 वर्ष या इससे अधिक समय के बाद 88 टेलों की आपूर्ति की गई है। एक अनुदारवादी विचार के आधार पर, लगभग सभी टेलों की आपूर्ति होने के परिणाम स्वरूप 6230 हैक्टेयर अतिरिक्त कृषि भूमि की सिंचाई की गई। आगे, पीने के पानी की आपूर्ति के लिए बनाये गये 1415 पानी के टैंकों तथा गांवों में पशुओं के पीने के पानी के लिए बनाये गये 3600 तालाबों की भी आपूर्ति इनकी क्षमता तक की गई। इस प्रयास से लगभग 2.10 लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

(ख) नहरों के नवीनीकरण व पुनर्वास के लिए कुल 191.00 करोड़ रु0 खर्च किए गए, इसके अलावा 44 करोड़ रु0 पम्पों के नवीनीकरण व पुनर्वास के लिए, 24 करोड़ रु0 विद्युत आपूर्ति घटकों के पुनर्वास के लिए तथा 120 करोड़ रु0 संचालन, रखरखाव एवं मुरम्मत कार्यों पर खर्च किए गए। इस प्रकार इस कार्य को पूरा करने के लिए 379.00 करोड़ रु0 खर्च किए जा चुके हैं।

(ग) पश्चिमी जमुना नहर तथा भाखड़ा मेन लाईन नहर के द्वारा 7 टेलों जिनकी आपूर्ति नहीं हो सकी थी, की आपूर्ति करने की योजना तैयार की गई है। इसके अलावा, यू.पी. से कम पानी प्राप्त होने के कारण आगरा नहर की 51 टेलों की आपूर्ति नहीं की जा सकी है। यह मामला यू.पी. सरकार के साथ विचाराधीन है क्योंकि इस नहर का नियंत्रण यू.पी. सरकार के पास है। अध्यक्ष महोदय, अब केवल 7 टेल्स ऐसी हैं जिन पर पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं हुई है। इसी तरह आगरा कैनाल की 23 टेल्स पर पानी नहीं पहुंचाया जा सका है। ऐसी कुल 30 टेल्स हैं जिन पर पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं की जा सकी है। इनके अलावा हम सभी टेल्स पर पानी पहुंचाने में कामयाब हो चुके हैं।

श्री बिशम्बर सिंह: अध्यक्ष जी, मैं एक सप्लीमेंट्री पूछना चाहता हूं। दिनांक 29.7.2011 की सी.एम. अनाउंसमेंट के अनुसार मेरे क्षेत्र की 'सिरसा-घोघड़ा माइनर' बनाई जानी थी। मैं पूछना चाहता हूं उस माइनर का निर्माण कार्य कब तक पूर्ण कर दिया जाएगा?

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल मूल सवाल से अलग है, इसलिए माननीय सदस्य को इसका उत्तर अलग से दे दिया जाएगा।

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक बनारसी डिस्ट्रीब्यूट्री है। मैंने यह सवाल पिछले से पिछले सत्र में भी उठाया था। इसके बावजूद इसकी टेल पर पानी नहीं पहुंचा है। माननीय मंत्री जी ने इस विषय में बताया था कि उनके विभाग के अधिकारी माइनर्स की टेल पर जाकर पानी चैक करते हैं और वहां पर सैल्फी लेते हैं। उस सैल्फी को वे माननीय मंत्री जी और हैड ऑफिस को भेजते हैं। हमारी इस माइनर में वर्ष 2004 के बाद एक बूंद पानी भी नहीं आया है। मेरा कहना है कि इस माइनर की टेल पर न सही इसके बीच में या इसके हैड पर ही पानी पहुंचा दिया जाए। मेरा माननीय मंत्री जी से सवाल है कि वे इसके टेल पर कब तक पानी पहुंचा देंगे? माननीय मंत्री जी कृपया बताने का कष्ट करें।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष जी, मैंने पहले ही स्वीकार किया है कि आगरा कैनाल से जुड़ी हुई 23 टेल्स पर अभी तक पानी की आपूर्ति नहीं की जा सकी है। यह बात हमारे डिपार्टमैंट के ध्यान में है और हम इस काम को प्रियोरिटी पर लेकर चल रहे हैं। हमारे विभाग की जानकारी में यह बात भी है कि इनमें पानी को लिफ्ट करके पहुंचाया जाएगा। इसके साथ एक तथ्य यह भी है कि इस कैनाल का सारा प्रबंधन उत्तर प्रदेश सरकार के पास है। इसके बावजूद भी हमारी पूरी कोशिश है कि हम इन सभी टेल्स पर पानी पहुंचाए। (विघ्न)

श्री कुलदीप बिश्नोई : अध्यक्ष जी, हमारे हरियाणा प्रदेश में नहरी पानी एक गम्भीर मुद्दा है। नहरी पानी हमारे किसानों की जीवन-रेखा है। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हमारे हिसार जिले के लोग हर साल नहरी पानी की वजह से कई-कई महीनों तक धरने-प्रदर्शन करते हैं। जब पिछले साल उन्होंने धरना दिया तो वहां पर मैं और अन्य लोग भी गये थे। उस समय माननीय मंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि हम प्रति माह 2 हफ्ते तक नहरों में पानी देंगे। अभी कुछ दिन पहले वहां पर किसानों ने लगभग एक महीने तक भूख हड़ताल की थी। इसके बाद माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने उनको आश्वासन दिया कि 6 महीने के अन्दर-अन्दर उनको प्रति माह 2 हफ्ते पानी देने की व्यवस्था की जाएगी। हालांकि जननायक चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय हिसार जिले की नहरों में प्रति माह 3-3, 4-4 हफ्ते तक पानी पहुंचाया जाता था। अगर उस समय वहां पर प्रति माह 3-4 हफ्ते तक पानी पहुंचाया जाता था तो अब इतने दिन तक पानी देने में इस सरकार को क्या दिक्कत है? अतः माननीय मुख्य मंत्री महोदय हमें ऑन द फ्लोर ऑफ द हाउस एश्योरेंस दें कि विद इन 6 मंथ्स हिसार जिले के किसानों के खेतों में पानी पहुंचाया जाएगा और उनको नहरी पानी की कमी की वजह से भूखा-प्यासा नहीं बैठने दिया जाएगा।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य को यह अच्छी तरह से पता है कि माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने हिसार जिले में पानी पहुंचाने के लिए वहां के डैलीगेशन से बात की है। माननीय सदस्य को इसकी भी अच्छी तरह से जानकारी है कि वह डैलीगेशन मुझसे भी मिला था। हमने उस पर रेजिंग का काम शुरू कर दिया था लेकिन राजस्थान ने उस पर अड़चन लगा दी। इस वजह से उस काम में दिक्कत आई है। इसके समाधान के लिए हमने राजस्थान की माननीय मुख्य मंत्री महोदया वसुंधरा राजे जी से भी बात की है। सभी जानते हैं

कि अंतर्राज्यीय मामलों में दिक्कत आ जाती है । जिस तरह से पंजाब में काम हो रहा था लेकिन वहां पर भी काम बंद करना पड़ा था । (विघ्न)

श्री कुलदीप बिश्नोई : अध्यक्ष महोदय, मैं यह नहीं कह रहा कि हमें और पानी दे दो । मैं तो यह कह रहा हूं कि एग्जिस्टिंग पानी पर हमारा जो हिस्सा है वह हमें दे दिया जाए । वर्ष 1996 के बाद हमारे जिले के साथ ज्यादती हो रही है ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य के क्षेत्र की समस्या का समाधान करना हमारी सरकार की प्रियोरिटी है । माननीय सदस्य को माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने भी आश्वस्त किया है और मैं भी इनको ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस कह रहा हूं कि हिसार जिले के लोगों की मांग को पूरा किया जाएगा और वहां पर पानी पहुंचाया जाएगा ।

श्रीमती किरण चौधरी : आदरणीय अध्यक्ष जी, (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : आदरणीय अध्यक्ष जी, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभी इस क्वैश्चन पर सप्लीमैट्री पूछने के लिए 8 माननीय सदस्यों ने हाथ उठाया हुआ है । इस क्वैश्चन पर दोनों पार्टियों इण्डियन नैशनल लोकदल और कांग्रेस के सदस्य सप्लीमैट्री पूछ चुके हैं । अब इस पर और सप्लीमैट्री पूछने का समय नहीं दिया जा सकता । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, हमने तो काम की बात पूछी है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, सभी सदस्यों ने काम की बात पूछी है । अगर मैं अब 8 आदमियों को अनुपूरक प्रश्न पूछने का समय दूंगा तो बाकी प्रश्न पूछने का समय बहुत कम रह जाएगा । अतः आप सब बैठ जाइये । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य पानी के बारे में अपनी बात कह रहे हैं। इसमें किसी भी माननीय सदस्य को प्रॉब्लम नहीं होनी चाहिए इसलिए माननीय सदस्य को बोलने दिया जाए (विघ्न)।

श्री उदय भान: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न भी पानी से संबंधित है इसलिए मुझे बोलने के लिए समय दिया जाए । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: उदय भान जी, माननीय सदस्य के प्रश्न का जवाब दे दिया गया है। प्रश्न में यही बात पूछी गयी थी कि 20 साल से टेल तक पानी नहीं पहुंचा है (विघ्न)। प्लीज, आप बैठ जाएं (विघ्न)।

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने सही सवाल मेवात जिले के बारे में पूछा है। जब से हमारी सरकार बनी है तब से मेवात जिले के विकास के लिए खास योजनाएं बनायी गई हैं। (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटक: अध्यक्ष महोदय, पहले हमारे हल्के की नहरों में एक सप्ताह पानी आता था, लेकिन अब वह नहरी पानी घटाकर 3 दिन के लिए कर दिया गया है जिसके कारण लोगों को परेशानी हो रही है। (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार को बने हुए 3 साल का समय हो गया है और 3 साल में क्या किया गया है? माननीय मंत्री श्री बेदी जी बैठे-बैठे टिप्पणी कर रहे हैं, यह बात ठीक नहीं है। (विघ्न)

श्री कृष्ण कुमार बेदी: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़ जी ने प्रश्न का सही जवाब दे दिया है। (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटक: अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जो कार्य किये हैं वर्तमान सरकार वे कार्य 20 साल में भी नहीं कर सकती है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: शकुंतला जी, प्लीज आप बैठ जाएं। (विघ्न)

डॉ पवन सैनी: अध्यक्ष जी, श्रीमती शकुंतला खटक जी यह बहुत बढ़िया बात कह रही हैं कि हमारी सरकार 20 साल तक रहेगी। (विघ्न)

श्री नायब सैनी: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी जवाब दे रहे हैं, इसलिए माननीय सदस्यों को बैठकर उनका जवाब सुनना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: शकुंतला जी, पहले आप क्वैशचन लगाएं उसके बाद ही आप अपनी बात रख सकती हैं। (विघ्न) प्लीज आप बैठ जाएं।

श्रीमती शकुंतला खटक: अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के माननीय सदस्य जब भी कोई बात पूछते हैं तो माननीय मंत्री श्री बेदी जी कुछ न कुछ बोलते रहते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: शकुंतला जी, माननीय मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटकः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री श्री बेदी जी को हमारे माननीय सदस्यों को अपनी बात रखते समय बीच में नहीं बोलना चाहिए। यह बात ठीक नहीं है (विघ्न)।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री श्री नायब सैनी जी को बोलने के लिए अलग से समय दे दें (विघ्न)।

Relaxation in Norms/Rules For up graduation of Schools

***2584 Shri Zakir Hussain :** Will the Education Minister be pleased to state whether it is fact that an order was issued by the Government in the year 2015 for the up gradation of schools in the backward district of Mewat by giving relaxation in the norms/rules; if so, the time by which the said order is likely to be complied?

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : हॉ, श्रीमान जी। मेवात जिले में ढील दिये गए मानदंडों/नियमों के अन्तर्गत पांच माध्यमिक विद्यालय तथा तीन उच्च विद्यालयों को वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक स्तरोन्नत किया गया है तथा तीन प्राथमिक विद्यालयों को माध्यमिक स्तर तक स्तरोन्नत किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि वर्ष 2015 में मेवात जिले और मोरनी के इलाकों के लिए विद्यालयों को अपग्रेड करने के जो पहले मानक थे उन मानकों में विभाग ने ढील दी है। विभाग ने मेवात जिले के 8 विद्यालयों को अपग्रेड किया है। इस सत्र के लिए विभाग के पास 26 विद्यालयों को अपग्रेड करने की सूची है। पहले विभाग की पॉलिसी के अनुसार 210 विद्यार्थियों वाले स्कूल को सीनियर सैकेंडरी विद्यालय का दर्जा दिया जाता था परन्तु अब इस संख्या को घटाकर 105 बच्चे कर दिया गया है। यह पॉलिसी केवल एक विद्यालय के लिए नहीं है बल्कि 3 किलोमीटर के रेडियस में चाहे वे मिडल स्कूल हों या दसवीं तक के स्कूल हों उन स्कूलों में अगर 60 लड़कियां भी पढ़ती हैं तो उन स्कूलों को सीनियर सैकेंडरी विद्यालय में अपग्रेड करेंगे। पिछले वर्ष विभाग द्वारा 8 स्कूलों को सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में अपग्रेड किया गया है। इस बार विभाग के पास 26 स्कूलों को सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में अपग्रेड करने की सूची है, जिसमें राजकीय माध्यमिक विद्यालय निवान, राजकीय माध्यमिक विद्यालय तुरोणी, राजकीय माध्यमिक विद्यालय रायपुर, राजकीय कन्या विद्यालय शाहचोखा, राजकीय माध्यमिक विद्यालय

अहमद दबास व नगल मुबारकपुर मुलथन हसनपुर मंडी खेड़ा, चंदेनी, डीहाना, टैन, डुलावत, गुरणावत, निजामपुर, राहेड़ी, देवला नंगली, सुदाक, मुरादबास, रेहना, रावली दुदोली तापकन, उजीना, कुरथला और मियोली के राजकीय माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। अध्यक्ष महोदय, मेवात और मोरनी जिलों में लड़कियां अधिक से अधिक पढ़ सकें, इसके लिए हमने नॉर्मस भी बनाएं हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि हम इसी सत्र में मेवात जिले में 26 विद्यालयों को अपग्रेड करेंगे, जो अभी विचाराधीन हैं। (इस समय में थप-थपाई गई।)

श्री जाकिर हुसैन: स्पीकर सर, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इन्होंने जिन स्कूलों को अपग्रेड किया है, वह अच्छी बात है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो वर्ष 2015 में स्कूलों को अपग्रेड करने की बात की है, वह तथ्य से बिल्कुल अलग है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जब हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी 3 दिसम्बर, 2015 को मेवात गए थे, उस समय उन्होंने वहां पर घोषणा की थी कि हम इसी सत्र में मेवात में 19 नए स्कूल खोल देंगे और 50 स्कूल अगले सत्र में इन विधान सभा क्षेत्रों में खोल देंगे। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद विधान सभा में इस बात पर चर्चा भी हुई और उसके बाद माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस बात पर अमल भी किया। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि 18 जून, 2015 को एजूकेशन डिपार्टमेंट का लैटर आया, जिसमें लिखा हुआ था कि Hon'ble CM has approved to opening of new Govt. Girls High Schools and upgradation of Govt. Girls Middle Schools and Govt. Girls High Schools in the area of District Mewat and Morni Hills, Panchkula. 34 new schools in mewat and 2 schools in morni Hills, Panchkula will be opened. Sir, list enclosed. अध्यक्ष महोदय, इस तरह की चिट्ठी एजूकेशन डिपार्टमेंट ने जारी की थी और मुख्यमंत्री जी के द्वारा उसकी ऐप्रूवल भी दे दी गई थी। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद पता नहीं क्यों विभाग ने इस ऐप्रूवल को कैसिल कर दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि किसी ने चीफ मिनिस्टर साहब के ऑर्डर को ही कैसिल कर दिया। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास माननीय शिक्षा मंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री जी का जो सरकारी आदेश है, जिसमें मुख्यमंत्री जी का सी.एम. अनाउंसमेंट और उसके बाद इन्होंने जो इम्प्लीमेंट किया, उसका रिकॉर्ड है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि जैसे ही उन गांवों में 36 स्कूल खोलने की बात आई तो सारे गांव में मिठाइयां भी बांटी गईं।

अध्यक्ष महोदय, इस बात को जानकर खासकर हमारे बहनों और बेटियों में खुशी की लहर दौड़ गई कि आज से हम लोगों को भी अच्छी शिक्षा मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि आज के समय में मेवात जिले में पांचवीं कक्षा के बाद लाखों बच्चे घर में बैठ जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या ये बताएंगे कि क्या कारण था कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो उस गांव में वर्ष 2015–2016 सत्र में 36 स्कूल खोलने की बात की थी उसको लागू नहीं किया गया? अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं यह कहना चाहूंगा कि सरकार ने जो 3 सालों में 7 स्कूल खोले थे, उसमें भी पिक एण्ड चूज किया गया था। अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय मंत्री जी कह रहे थे कि इन्होंने 26 स्कूल खोले थे तो मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इन्होंने उन स्कूलों को एक साथ क्यों नहीं खोला? अध्यक्ष महोदय, जो लैटर मेरे पास है वह लैटर डिप्टी कमिशनर के पास भी गया था और उसमें डी.सी. साहब को भी यह कहा गया था कि Requisite proposals be sent to the Directorate within two weeks positively to meet the deadline fixed by the Hon'ble C.M. अध्यक्ष महोदय, हमारे पास इस समय डिप्टी कमिशनर का लैटर भी है, जिसे हमारे मेवात के डी.सी. साहब बार-बार लिखते रहे हैं। मैं शिक्षा मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इनके ऊपर क्यों अमल नहीं किया गया था? अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह भी पूछना चाहूंगा कि जो इतना बड़ा प्रोजैक्ट “बालिका शिक्षा वाहिनी” जिसे एजूकेशन विभाग ने शुरू करने की बात की और उसे मेवात डेवल्पमेंट बोर्ड की मीटिंग में मंजूर किया गया, लेकिन पता नहीं क्यों इस प्रोजेक्ट की मंजूरी होने के बावजूद आज तक इस पर अमल नहीं किया गया? अध्यक्ष महोदय, हमारी बहनों और बेटियों को स्कूल जाने के लिए बड़ी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जैसा हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी ने बार-बार इस सदन में कहा है हम लड़कियों को फ्री शिक्षा देंगे तो मैं चाहता हूं कि दिल्ली यूनिवर्सिटी की तरह हमारी बहनों और बेटियों के लिए भी स्पेशल बसें चलाई जाएं। अध्यक्ष महोदय, आज तक हमारी बहनों और बेटियों को स्कूल या कॉलेज जाने के लिए सरकार की तरफ से एक भी बस नहीं चलाई गई है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि हमारे बहनों और बेटियों की पढ़ाई के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन इस तरह से हम अपनी बहनों और बेटियों को कैसे पढ़ाएंगे? अध्यक्ष महोदय, आज

कल के हालात में हम अपनी बहन और बेटी को 10–10 किलोमीटर या 20–20 किलोमीटर दूर पढ़ने के लिए कैसे भेजें? अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इनकी सरकार को आए हुए आज साढ़े 3 साल हो गए हैं, उसके बावजूद हमारी बहनों और बेटियों के लिए इस प्रकार की शिक्षा आज तक क्यों लागू नहीं हुई ? अध्यक्ष महोदय, मैं खास तौर पर आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे जो we for development नाम से एम.पीज. और एम.एल.एज. का जो राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ उसके लिए नॉमिनेट किया जिसकी वजह से मुझे भी उस अधिवेशन में जाने का मौका मिला। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि उस राष्ट्रीय अधिवेशन का इनाउग्रेशन खुद प्रधानमंत्री जी ने किया था। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि जो सी.एम. साहब की एप्रूवल के बावजूद शिक्षा मंत्री जी का स्कूलों की अपग्रेडेशन का विद्वाल का डिसीजन था, उसमें मुझे प्रधानमंत्री जी की सोच के बिल्कुल ईस्ट और वैस्ट का फर्क लगा। अध्यक्ष महोदय, मैंने खुद उस अधिवेशन में प्रधानमंत्री जी का भाषण सुना था। वे यह कहते हैं कि जो 115 जिले चुने गये हैं उनमें बैकवर्ड या फॉरवर्ड की बात नहीं है बल्कि उनको सोशल जस्टिस देने की बात है। उनमें जिला मेवात भी आता है। इन 115 जिलों में नहरी पानी, पीने का पानी और शिक्षा उपलब्ध करवाने की बात कही गई है। इसके साथ—साथ यह भी कहा गया है कि इन जिलों में यंग आई.ए.एस. अधिकारी लगाये जायें जिनकी एज 25 से 27 साल के बीच की हो। यह खबर अखबारों में भी छपी है। हमारे प्रधान मंत्री जी सभी के लीडर हैं और वे कहते हैं कि हमें इस बहस में नहीं जाना कि आज तक किसने क्या किया है क्या नहीं किया है। इस तरफ न जाकर आगे डिवैल्पमैंट करनी है और इन 115 जिलों को सबसे आगे रखना है। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रधान मंत्री जी की इस सोच से हम बहुत खुश थे और मुझे उम्मीद थी कि आज मेरे इस प्रश्न का जवाब शिक्षा मंत्री जी बहुत अच्छा देंगे लेकिन शिक्षा मंत्री जी ने प्रधान मंत्री जी की सोच से उलट जवाब दिया है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी चौधरी जाकिर हुसैन जी तीसरी पीढ़ी के राजनेता हैं और इनको बहुत अच्छा बोलना आता है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने स्वीकार किया है कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा में से पिछले साल 8 विद्यालय अपग्रेड हुए हैं और इसके अतिरिक्त मैं इनको बताना चाहूंगा कि इनके 26 विद्यालय हमारी अपग्रेड करने वाले विद्यालयों की लिस्ट में हैं जो आने वाले सैशन में अपग्रेड किए जायेंगे। जो माननीय सदस्य 5.1.2016 के पत्र

की बात कर रहे हैं जिसमें मुख्यमंत्री जी की घोषणा के बाद ये स्कूल अपग्रेड करने की बात है इस बारे में मैं सदन में जानकारी देना चाहूंगा कि जो भी स्कूल अपग्रेड किए जाते हैं उनके नॉर्म्ज देखे जाते हैं और वे वित्त विभाग के प्रोसैस से होकर गुजरते हैं । 5.1.2016 को वित्त विभाग ने कहा कि कुछ स्कूल अपग्रेडेशन के वर्तमान नॉर्म्ज को पूरा नहीं करते इसलिए इनके लिए न्यू पॉलिसी बनाई जाये । यदि इनको अपग्रेड करना है तो इनके लिए न्यू पॉलिसी बनानी पड़ेगी । अध्यक्ष महोदय, अब इन स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए शिक्षा विभाग ने न्यू पॉलिसी बना दी है जिसमें बच्चों की संख्या 210 से कम करके 105 कर दी गई है इसके अतिरिक्त रुम्ज की संख्या भी कम की गई है । अब आने वाले सैशन में 26 नये स्कूल माननीय सदस्य के क्षेत्र में अपग्रेड कर दिए जायेंगे ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी जो 5.1.2016 की बात कह रहे हैं यह गलत बात है । जिस लैटर के तहत ये स्कूल अपग्रेड किए गए थे वे पॉलिसी में छूट देकर अपग्रेडेशन के लिए ऐप्रूव किए गए थे । यह सरकारी लैटर है, मैं अपनी तरफ से कोई बात नहीं कह रहा हूं । मैं यह लैटर अभी यहां पढ़ देता हूं ताकि सारी बातें क्लीयर हो जायें:- Opening of 34 new Govt. Girls School and upgradation of Govt. Girls High Schools and upgradation of Govt. Girls Middle Schools and Govt. Girls High Schools in the area of Districts Mewat and Morni Hills, Panchkula referred on cited above. This letter is from Director, Secondary Education, Haryana to Deputy Commissioners, Mewat & Panchkula. Hon'ble CM has approved to opening of new Govt. Girls High Schools and upgradation of Govt. Girls Middle Schools and Govt. Girls High Schools in the are of Districts Mewat and Morni Hills, Panchkula. In addition he has approved that rooms be got constructed in all upgraded schools on a priority basis.

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जाकिर साहब कोई नई बात नहीं कह रहे हैं । मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि स्कूल अपग्रेड करने का सीजन मार्च में परीक्षाएं समाप्त होने के बाद अप्रैल में होता है । हम नये सीजन में 34 स्कूल नई पॉलिसी के तहत अपग्रेड कर रहे हैं जिसमें 26 स्कूल मेवात में अपग्रेड करने जा रहे हैं ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाह रहा हूं कि ये स्कूल 2015 में अपग्रेड होने थे और मंत्री जी 2018–19 में अपग्रेड करने की बात कर रहे हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, उस समय की पॉलिसी के मुताबिक ये स्कूल नॉर्म्ज पूरे नहीं करते थे। अब हम नई पॉलिसी के तहत प्रदेश में 34 स्कूल अपग्रेड करने जा रहे हैं। जिसमें 26 स्कूल मेवात जिले के भी अपग्रेड होंगे।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी जो बात मैं कह रहा हूं उसको चैक करवा लें। उस समय श्री टी.सी. गुप्ता जी शिक्षा विभाग के प्रिंसीपल सैक्रेटरी होते थे जो बाद में ए.सी.एस. बन गये थे। उन्होंने इन स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए स्वयं बैठकर पॉलिसी बनाई थी। उसके बाद ये स्कूल अपग्रेड करके डी.सी.ज. को दो हपते में अमल करने के लिए कहा गया था कि जल्दी से जल्दी इन स्कूलों के लिए कमरे बनाये जायें और बजटरी प्रौद्योगिकी किया जाये। In view of above, you are request to get the proposals prepared from each school by informing District Education Officers, so that construction of rooms and other infrastructure requirement of the school be put in place. This may be accorded top priority. Requisite proposals be sent to the Directorate within two weeks positively to meet the deadline fixed by the Hon'ble C.M. अध्यक्ष महोदय, इससे क्लीयर आर्डर और क्या होंगे?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जाकिर साहब किस बात को कन्फ्रंट कर रहे हैं। मैंने कहा है कि आने वाले सीजन में मोरनी और मेवात के 34 स्कूल अपग्रेड हो जायेंगे। जिसमें 26 स्कूल मेवात जिले के अपग्रेड होंगे।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को कन्फ्रंट कर रहा हूं कि 2015–16 में 36 स्कूल पॉलिसी में छूट देकर अपग्रेड हुए थे जिसमें 34 स्कूल मेवात जिले के थे और 2 स्कूल मोरनी के अपग्रेड थे जो कि पंचकुला जिले में आता है। इसमें मैं बात यही है कि जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने घोषणा कर दी (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जाकिर साहब जानते हैं कि Hon'ble Chief Minister is the head of the Government and when he declares something it is an order for us. माननीय सदस्य जिन स्कूलों की बात कर रहे हैं उनको अपग्रेड करने के लिए न्यू पॉलिसी बनाई गई है जिसमें बच्चों की संख्या भी

आधी कर दी गई है और कमरों की संख्या भी कम कर दी गई है । न्यू पॉलिसी के आधार पर अब इन स्कूलों को आने वाले सीजन से अपग्रेड कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : जाकिर साहब, मंत्री जी ने कलीयर जवाब दे दिया है कि आने वाले सीजन में ये स्कूल अपग्रेड हो गये हैं । प्लीज अब आप बैठें । दो प्रश्नों पर ही 25 मिनट का समय लग गया है । दूसरे माननीय सदस्यों के प्रश्न भी लगे हुए हैं उनका जवाब भी आना है । प्लीज, अब आप बैठें ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि न्यू नॉर्म्ज बनाये गये हैं । क्या जो स्कूल न्यू नॉर्म्ज पूरे करता होगा उन्हें अगले सीजन से अपग्रेड किया जायेगा ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूँगा कि इस पॉलिसी में जो भी स्कूल आयेंगे उनको हम अपग्रेड करेंगे । यह न्यू पॉलिसी केवल मेवात और मोरनी क्षेत्र के लिए है । माननीय सदस्या भी कोई स्कूल अपग्रेड करवाना चाहती हैं तो वे लिखित में दे दें हम उस पर विचार कर लेंगे ।

श्री अध्यक्ष : किरण जी, प्लीज आप बैठें । आप मंत्री जी को लिखकर भिजवा देना ।

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मेवात में लड़कियों का कालेज मंजूर किया था उसका कार्य भी शुरू नहीं हुआ है वह कब तक बनाया जायेगा ?

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में मोडीखेड़ा गांव में 1969 से हाई स्कूल बना हुआ है । यह स्कूल सारे नॉर्म्ज पूरे करता है । इस स्कूल में बच्चों की संख्या 466 है जो कि नॉर्म्ज से भी ज्यादा है । क्या इस स्कूल को आने वाले सीजन में अपग्रेड किया जायेगा ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आने वाले सीजन में मेवात जिले में जो स्कूल हम अपग्रेड करने जा रहे हैं उनमें मोडीखेड़ा स्कूल का नाम लिस्ट में सबसे पहले है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठें । अब मूल चंद शर्मा जी अपना सवाल पूछेंगे ।

.....

Nandishala Foundation Centres

***2507. Smt Kiran Choudhry : Will the Deveploment and Panchayats**

Minister be pleased to state :-

- (a) whether it is fact that there is lack of basic amenities for the animals in the Nandishala Foundation Centres;
- (b) whether it is also a fact that the employees posted in the above centres are not performing their duties properly due to which many cows have died; and
- (c) if so; the action taken by the Government?

Om Prakash Dhankar



D.O. No. 56AII-HR/2018....

Agriculture, Development &
Panchayats, Irrigation, Animal
Husbandry & Dairying and
Fisheries Minister, Haryana.

3822-HS
9.3.2018
165/Sen
9.3.18

Dated Chandigarh 08-03-2018

Subject:- Grant of time for furnishing reply to the Starred Assembly Question No.2507 asked by Smt. Kiran Choudhary, M.L.A. regarding Nandishala Foundation Centres

Respected Kanwar Pal Ji,

Kindly refer to the **Starred Assembly Question No.2507** raised by Hon'ble Member Smt. Kiran Choudhary, M.L.A. and listed for 12nd March, 2018. The text of the question is as under:-

*2507. **SMT. KIRAN CHAUDHARY, M.L.A.** : Will the Animal Husbandry AND Dairying Minister be please to state:-

- Whether it is fact that there is lack of basic amenities for the animals in the Nandishala Foundation Centres;
- Whether is it also a fact that the employees posted in the above centre are not performing their duties properly due to which many cows have died; and
- If so; the action taken by the Government?

The preparation of a reply to the above question requires verification/collection of voluminous information about all the Nandishala Foundation Centres existing in the State. The information have to sought from different sources viz Gau Sewa Ayog, private organizations/Trusts situated in the State. It is not possible to collect this information in a short time of 3-4 days. This exercise is likely to take at least **three months** time.

I, therefore, request you to kindly grant three months time for submission of the reply.

Regards,

Allowed
on 10/3/18
9.3.2018

Sdy. Rambhera
9.3.18
VSCoJ

Yours sincerely,
(Om Prakash Dhankar)

9/3/18

Sh. Kanwar Pal Gujjar,
Hon'ble Speaker,
Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh.

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न संख्या 2507 का क्या हुआ ? वह आज लिस्टेड है।

श्री अध्यक्ष : मैडम, इस प्रश्न के बारे में मंत्री जी ने एक्सटैंशन मांग ली है इसलिए इस प्रश्न पर एक्सटैंशन दे दी गई है। (शोर एवं व्यवधान) जैसे ही सरकार की तरफ से इस प्रश्न का जवाब आ जायेगा, उसके बाद यह प्रश्न लगा दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

.....

सनातन धर्म महाविद्यालय (लाहौर), अम्बाला कैंट के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का अभिनंदन

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, सनातन धर्म कालेज, अम्बाला कैंट के प्राध्यापक एवं छात्र सदन की दर्शक दीर्घा में कार्यवाही देखने के लिए बैठे हुए हैं। मैं सदन की तरफ से उनका स्वागत करता हूँ।

.....

नंदीशाला फाऊंडेशन सैंटर्ज से सम्बंधित तारांकित प्रश्न संख्या 2507 का उत्तर न देने के सम्बन्ध में मामला उठाना

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरा यह बहुत ही अहम प्रश्न है। प्रश्न लगने के बाद भी इसे पुट नहीं किया जा रहा है यह हमारी समझ से बाहर की बात है।

श्री अध्यक्ष : मैडम जी, इस प्रश्न का जवाब देने के लिए मंत्री जी की तैयारी नहीं है इसलिए उन्होंने समय मांगा है इसलिए आपका यह प्रश्न किसी और दिन कंसीडर कर लिया जायेगा। आपको इस पूरी प्रक्रिया के बारे में मालूम है। आप भी मंत्री रही हैं। प्लीज, आप बैठें।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, फिर तो यह प्रश्न आज की प्रश्न लिस्ट में प्रिंट ही नहीं होना था। यह प्रश्न प्रिंट कैसे हो गया ? (शोर एवं व्यवधान) ऐसा हम पहली बार देख रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

श्री अध्यक्ष : आपका प्रश्न आया और आज की तारीख के लिए लगा दिया गया लेकिन मंत्री जी ने इस पर एक्सटैंशन मांग ली है और मैंने एक्सटैंशन दे दी है।

इसीलिए आज के लिए यह प्रश्न नहीं पूछा जा सकता । दलाल साहब के साथ भी ऐसा हुआ है ।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, ऐसा पहले भी कई बार हो चुका है । हमें तो 6–6 महीने तक जवाब नहीं मिलता था । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न संख्या 2507 प्रश्न लिस्ट में आज के लिए प्रिंट भी हो गया उसके बाद मंत्री जी इसका जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैडम, यदि किसी प्रश्न का जवाब तैयार नहीं होता है तो मंत्री जी एक्सटैशन ले सकते हैं । यह एक पार्लियामेंट्री प्रोसीजर है ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैंने गौमाताओं के लिए यह बहुत ही अहम प्रश्न लगाया था लेकिन सरकार इसका जवाब देना नहीं चाहती । यह तो बहुत गलत बात है । सरकार मेरे इस सवाल का जवाब नहीं दे रही इसके लिए मैं प्रोटैस्ट करती हूँ ।

श्री अध्यक्ष : मैडम, यदि किसी प्रश्न का जवाब तैयार नहीं होता है तो मंत्री जी एक्सटैशन ले सकते हैं । प्लीज, आप बैठें ।

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, क्या मैं अपना यह प्रश्न कल पूछ सकती हूँ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अगर विभाग का जवाब आ गया तो कल पूछ लेना । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, गाय मर रही हैं और सरकार इस प्रश्न का जवाब ही नहीं देना चाहती है । नंदीशालाओं का भी बुरा हाल है इस बारे में सरकार को जवाब देना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: हमने उस प्रश्न को समाप्त नहीं किया है बल्कि मंत्री जी ने उसकी एक्सटैशन के लिए लिखित में दिया है और हमने उनको इस प्रश्न की एक्सटैशन दे दी है । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, फिर मैं अपना यह सवाल कब पूछ सकती हूँ?

श्री अध्यक्ष: जब भी विभाग का जवाब आ जायेगा तो आपको बता दिया जायेगा।

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, ऐसे तो मेरा प्रश्न आपने समाप्त ही कर दिया है। यह ठीक नहीं है। ऐसा नहीं हो सकता है। इस बारे में संबंधित विभाग के मंत्री जी जवाब दें।

श्री अध्यक्ष: किरण जी, हमने जो कुछ भी किया है वह नियमानुसार किया है। जहां तक मंत्री जी की जवाब देने की बात है तो मंत्री जी जवाब नहीं देंगे। उन्होंने टाईम मांग लिया है और हमने उनको टाईम दे दिया है।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने बहुत जोर-शोर से सवाल उठाया है। डिपार्टमैंट ने इसके लिए समय बढ़ाने की मांग की है क्योंकि पशु पालन विभाग ने कोई भी नंदीशाला नहीं खोल रखी है और न ही पशुपालन विभाग का कोई कर्मचारी अपॉइंटमेंट है और न ही उनके लिए मेंडेट्री है। सारी की सारी नंदीशालाएं स्थानीय प्रशासन ने सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के माध्यम से खोल रखी हैं। हम सब नंदीशालाओं का डाटा इकट्ठा करा रहे हैं। उन नंदीशालाओं में कितने पशु मर रहे हैं उसका भी डाटा इकट्ठा करवा रहे हैं। जो बात मेरे विभाग से संबंधित नहीं उसका उत्तर देना इस समय संभव नहीं है। माननीय सदस्या ने पूरे हरियाणा के संबंध में सवाल पूछा है, इसलिए पूरा डाटा इकट्ठा करने के लिए और डिपार्टमैंट को पता लगाने के लिए समय चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन से कहता हूँ कि सरकार के पास हर सवाल का जवाब है किसी भी जवाब के लिए विपक्ष चिंता न करें। (शोर एवं व्यवधान) नंदीशाला खोलना पशुपालन विभाग का काम नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) पशुपालन विभाग ने हरियाणा में कोई भी नंदीशाला नहीं खोल रखी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, मंत्री जी ने प्रश्न का जवाब देने के लिए समय की मांग की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में पशु पालन विभाग ने कोई भी नंदीशाला नहीं खोल रखी है। (शोर एवं व्यवधान) नंदीशाला खोलने का काम स्थानीय प्रशासन, नगर निगम या स्थानीय सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के लोग करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, मैं कृषि मंत्री जी से पूछना चाहूंगी कि ये मुझे जवाब दें कि इन्होंने जो 2 साल पहले आवारा पशुओं के लिए पंचायत लैवल पर गौ—शालाएं और नंदी—शालाएं बनाने के वायदे किए थे, उसका क्या हुआ ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़: अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान) किरण जी ने जो सवाल मुझसे पूछा है उसके लिए मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि आवारा पशुओं के लिए गौ—शालाएं और नंदी—शालाएं बनाने का काम मेरे विभाग का नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) जिनके पास इनके आंकड़े हैं आप उनसे इसके आंकड़े इकट्ठा करवाएं।

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान) मैं मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि हमें आंकड़े इकट्ठा करवाने की जरूरत नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी सिर्फ और सिर्फ सदन को गुमराह कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य वैल में आकर अध्यक्ष महोदय से इस विषय में तर्क—वितर्क करने लगे।)

श्री अध्यक्ष: आप सभी से अनुरोध है कि आप अपनी—अपनी सीट्स पर बैठ जाएं व प्रश्न काल को चलने दें। अब मूल चन्द जी अपना अगला सवाल पूछें।

.....

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारंभ)

Re-Construction of Bus Stand

*2554. **Shri Mool Chand Sharma :** Will the Transport Minister be pleased to state whether it is a fact that the Ballabgarh Bus Stand of District Faridabad is in very dilapidated condition; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to reconstruct the said Bus Stand ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : श्रीमान् जी, हाँ। फरीदाबाद की परिवहन आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए बल्लबगढ़ में मल्टी मोडल ट्रांजिट सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

पंडित मूल चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इस पर कब तक कार्य शुरू हो जायेगा?

श्री कृष्ण लाल पंवार: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी पंडित मूल चन्द शर्मा जी को बताना चाहूंगा कि कुन्डली-मानेसर-पलवल योजना के अन्तर्गत बल्लभगढ़ में मल्टी मॉडल ट्रांजिट सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव है। हरियाणा सरकार ने मल्टी मॉडल ट्रांजिट सेंटर के लिए बल्लभगढ़ मेट्रो स्टेशन, बस अड्डे व रेलवे स्टेशन के पास परिवहन विभाग, हरियाणा की जगह को स्वीकृति दी है। हरियाणा राज्य परिवहन फरीदाबाद, बल्लभगढ़ में 12 बस बेज का बस अड्डा है जिसका निर्माण वर्ष 1988 में किया गया था। बल्लभगढ़ बस अड्डे की अंतिम मुरम्मत वर्ष 2007 में की गई थी। महाप्रबन्धक, हरियाणा राज्य परिवहन, फरीदाबाद ने जल्द ही अनुमानित आंकलन तैयार करके शीघ्र भिजवाने का आश्वासन दिया है। मरम्मत का अनुमानित आंकलन प्राप्त होने और प्रशासनिक अनुमति लेने के बाद कार्य शुरू कर दिया जाएगा। बल्लभगढ़ बस अड्डे का कुल क्षेत्रफल 24.75 एकड़ है। इसमें से लगभग 5 एकड़ जगह राष्ट्रीय राजमार्ग और मेट्रो स्टेशन के लिए स्थानान्तरित करने की प्रक्रिया चल रही है व शेष लगभग 20 एकड़ जगह परिवहन विभाग के पास रहेगी। बल्लभगढ़ बस अड्डे पर पीने का पानी, सार्वजनिक शौचालयों, बैठने की कुर्सी, प्रतीक्षा क्षेत्र, कैंटीन, कंप्यूटराइज्ड जन सम्पर्क प्रणाली, डिजिटल निगरानी प्रणाली, पूछताछ बूथ, यात्रियों के लिए पंखे एवं कुर्सियों के साथ खुला क्षेत्र उपलब्ध है।

पंडित मूल चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं इसके लिए माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

.....

Employees Service Bye-Laws

***2594 – Shri Ghanshyam Dass Arora :** Will the Education Minister be pleased to state:

- (a) Whether Haryana School Shiksha Education Pariyojna Parishad (HSSPP) Employees Service Bye-Laws-2013 are applicable to the Information-cum-Office-cum-Library Manager (IOLM), later on designated as School Information

Manager (SIM)/AM (MIS), who were appointed on merit basis of written examination.

- (b) Whether the services of AM (MIS) earlier rendered with the Parishad as IOLM/SIM are not countable towards the continuity of AM (MIS) without having any gap in the service despite completed 5 years of service with Parishad in the month of January, 2018.
- (c) Whether the incumbents of above posts are entitled for all type of allowances, basic pay and other benefits being provided to the similar appointed persons working in the School Education Shiksha Pariyojna Parishad under HSSPP Employees Service Bye-Laws 2013;
- (d) Whether the decision of the HSSPP regarding non-marking of attendance by the incumbents of above posts was as per the HSSPP employees service Bye-laws 2013 together with the fate of the extension cases of SIM received in the month January-March, 2016.
- (e) Whether the IOLM/SIM were relieved from the service of HSSPP; if so, whether one month notice was served or one month salary was given as per the terms & conditions of appointment; if not whether it was not the violation of the term & conditions of the appointment letter?

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : (क) से (ङ) मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, श्री घनश्याम दास अरोड़ा जी ने सवाल पूछा है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2013 में 1087 IOLM/SIM लगे थे। उसके बाद 30 सितम्बर 2016 को इस बारे में एक नई पॉलिसी आई थी। ये IOLM/SIM भारत सरकार की योजना के अन्तर्गत लगाए गये थे लेकिन भारत सरकार ने अब यह योजना बन्द कर दी है। इसमें लगभग 850 A.M.(MIS) ऐसे

थे जिन्होंने यह अण्डरटेकिंग दे दी कि हम इस पॉलिसी के अन्तर्गत काम करना चाहते हैं और हम इस वेतन के अन्तर्गत काम करना चाहते हैं। अब वे माननीय हाई कोर्ट में गये हुए हैं। इसलिए अभी यह मामला माननीय हाई कोर्ट में विचाराधीन है।

श्री घनश्याम दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि SIM/A.M.(MIS) का केस कोर्ट में है उनके हितों की हम जितनी भी सुरक्षा कर सकते हैं, वह करें क्योंकि उनको लिखित परीक्षा के आधार पर नियुक्ति दी गई थी। वह सड़क पर न रहे इसलिए उनकी पिछली सेवा अवधि को count किया जाए। सरकार की तरफ से हाई कोर्ट में इस केस की पैरवी इस प्रकार से हो कि उनकी नौकरी में ब्रेक ना आने पाए क्योंकि निश्चित रूप से उनको काम का अनुभव भी है और उन्होंने पहले सेवा भी दी हुई है। वे समाज में शिक्षा टैक्नोलॉजी के योगदान में अपनी अच्छी भूमिका निभा सकेंगे।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आपके चुनाव क्षेत्र के भी कुछ IOLM/SIM, A.M.(MIS) कुछ घनश्याम अरोड़ा जी के क्षेत्र के, कुछ श्याम सिंह राणा के क्षेत्र के लगभग 329 के आस पास ऐसे SIM, A.M.(MIS) थे जो डिस्टर्ब हुए थे। परन्तु आप सबके ध्यान में है कि हमने उन सभी SIM को ऐडजस्ट किया है। वे भी माननीय हाई कोर्ट में गये हुए हैं जिनके केस की हरियाणा सरकार पूरी तरह से पैरवी कर रही है। अगले महीने कोर्ट का कोई न कोई अच्छा निर्णय आएगा। घनश्याम दास अरोड़ा जी की जो चिन्ता है वह वाजिब है और हमारे ध्यान में है।

Quantity of Sugarcane Crushed

***2639. Shri Jasbir Singh :** Will the Co-operation Minister be pleased to state -

(a) the quantity of sugarcane crushed togetherwith the quantity of production of sugar in the Co-operative Sugar Mills during the years 2009-2017 in state; and

(b) the year wise details of the amount paid for the sugarcane to the farmers togetherwith the details of outstanding amount from the year 2005 to 2017 ?

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष कुमार ग्रोवर) : विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

विवरण

(क) वर्ष 2009 से 2017 के दौरान सहकारी चीनी मिलों द्वारा पिराई किये गये गन्ने एवं चीनी उत्पादन की मात्रा का विवरण निम्न प्रकार है:—

वर्ष	गन्ने की पिराई (लाख किंव० में)	चीनी का उत्पादन (लाख किंव० में)
2009-10	92.20	7.75
2010-11	248.52	20.80
2011-12	346.15	29.92
2012-13	322.86	30.56
2013-14	361.74	32.11
2014-15	351.12	33.15
2015-16	325.96	32.87
2016-17	399.60	39.60
2017-18 (5.3.2018 तक)	297.79	28.99

(ख) वर्ष 2005 से 2017 तक वर्ष अनुसार किसानों को गन्ने की राशि का किया गया भुगतान एवं बकाया राशि का विवरण निम्न प्रकार है:—

वर्ष	गन्ने की राशि का भुगतान (रुपये करोड़ों में)	5.3.2018 तक बकाया (रुपये करोड़ों में)
2005-06	248.49	0.00
2006-07	425.06	0.00
2007-08	438.34	0.00
2008-09	215.81	0.00
2009-10	204.91	0.00
2010-11	535.61	0.00
2011-12	784.03	0.00
2012-13	878.31	0.00
2013-14	1073.72	0.00
2014-15	1077.94	0.00
2015-16	1003.12	0.00
2016-17	1273.32	0.00
2017-18 (5.3.2018 तक)	602.43	379.57

श्री जसबीर देशवाल : अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बताएंगे कि वर्ष 2009 से पहले शुगर की रिकवरी क्या थी ? और वर्ष 2009 के बाद शुगर की रिकवरी क्या है?

इसके साथ ही मंत्री जी से मेरा एक निवेदन और है कि जो किसान शुगरमिल में गन्ने की ट्राली भरकर ले जाते हैं तो उनकी 60 किवंटल की पर्ची कटती है जब कि किसान अपने खेत से अंदाजे से गन्ना भर कर ले जाता है इसलिए अगर किसान का गन्ना 62 किवंटल हो जाता है तो किसान को वह 2 किवंटल गन्ना वापिस लाना पड़ता है । अगर उसके 10 दिन बाद दोबारा फिर पर्ची मिलती है तो किसान का वह 2 किवंटल गन्ना खराब हो जाता है । इसलिए मंत्री जी से निवेदन है कि किसानों को 5 प्रतिशत गन्ने की एक्सैस भी मिलनी चाहिए ताकि वह गन्ना किसान को वापिस न लाना पड़े ।

श्री मनीष कुमार ग्रोवर : अध्यक्ष महोदय, माननीय विधायक जी ने सवाल पूछा है कि वर्ष 2005 से 2017 तक ब्यौरा दें । अगर हर शुगर मिल का अलग—अलग बताएं तो मैं सदन को बताना चाहता हूं कि हमारी 10 शुगर मिल चल रही हैं जिनका विवरण हमने सदन के पटल पर रख दिया है । अगर वह जानकारी चाहते हैं तो मैं उनको यहां बता सकता हूं । आज मुझे प्रसन्नता इस बात की है कि आज के दिन शुगर मिलों में 11 प्रतिशत रिकवरी आ रही है । इस बार हरियाणा में शुगर की रिकवरी अच्छी आ रही है । इसमें मैं विशेष तौर पर किसानों का धन्यवाद करता हूं कि इस बार उन्होंने गन्ने की फसल अच्छी बोई है और इसके साथ—साथ मैं यहां के अधिकारियों व कर्मचारियों का भी धन्यवाद करता हूं कि उनके योगदान से ही अबकी बार 11 प्रतिशत से ऊपर रिकवरी आ रही है । केवल पलवल में गन्ने की रिकवरी 10.40 प्रतिशत आ रही है । उसका कारण मैं समझता हूं कि यह हो सकता है कि वहां के विधायक करण दलाल जी हैं जो गन्ने में पानी मिलाते होंगे । इसलिए वहां गन्ने की रिकवरी कम आ रही है । बाकी सभी जगह पर गन्ने की रिकवरी सही आ रही है ।

श्री जसबीर देशवाल : अध्यक्ष महोदय, हमने जो निवेदन किया था उस पर भी मंत्री जी ध्यान दें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नैना सिंह चौटाला, आप अपना प्रश्न संख्या 2417 पूछें ।

Criteria of Recruitment on Out Sourcing Basis

***2490. Shri. Rabir Gangwa :** Will the Chief Minister be pleased to state :-

- (a) whether it is a fact that the recruitment of employees is being made on out sourcing (DC rate) in the state; if so, the criteria thereof;
- (b) whether the Government is providing proper reservation to SC, BC and Ex-Servicemen as referred in part (a) above; and
- (c) the district wise number of the employees appointed from 01.04.2014 to 31.01.2018 as mentioned in part (a) and (b) above.?

***मुख्यमन्त्री (श्री मनोहर लाल) :** श्रीमान जी,

(क) हां, आउटसोर्सिंग पोलिसी के भाग—॥ के अन्तर्गत विभाग स्वच्छता, गृह व्यवस्था, बागवानी आदि जैसी सेवाओं को आउटसोर्स से भरने के लिए सेवा प्रदान करने वाली एजेन्सी से न्यूनतम मजदूरी या डी.सी. रेट में जो भी अधिक हो के आधार पर निर्णय ले सकते हैं। आउटसोर्सिंग नीति के भाग—॥ के अन्तर्गत जहां विभागों में श्रेणी 'ग' व 'घ' के स्वीकृत पद श्रेणीवार खाली पड़े हैं, उनकी मांग रोजगार विभाग तथा समाचार पत्रों में विज्ञापित करवाकर पूरी तरह से अनुबन्ध आधार पर एक वर्ष की समयावधि या नियमित कर्मचारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, दिनांक 01–01–2006 के बाद भर्ती कर्मचारी को मूल वेतन का 50 प्रतिशत (पे बैण्डग्रेड पेमंहगाई भत्ता जैसा भी समय—2 पर लागू हो) नियुक्त कर सकते हैं। सरकार ने चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए निर्देश दिए हैं कि नीति के भाग—॥ के अन्तर्गत कर्मचारियों को लगाने हेतु चयन प्रक्रिया को विभाग के प्रशासकीय सचिव से अनुमोदित किया जायेगा।

(ख) हां, दिनांक 27–10–2017 से सरकार ने निर्णय लिया है कि आउटसोर्सिंग पोलिसी भाग—॥ के अन्तर्गत लगे अनुबन्ध कर्मचारियों को आरक्षण का लाभ दिया

***दिनांक 01.05.2018 को उपरोक्त प्रश्न का उत्तर प्राप्त होने के बाद प्रोसीर्डिंग का पार्ट बनाया गया।**

जायेगा। इसी प्रकार से नीति के भाग—। में भी दिनांक 12–03–2018 से आरक्षण लागू किया गया है।

(ग) हाँ, दिनांक 01–04–2014 से 31–01–2018 तक आउटसोर्सिंग नीति (डी.सी रेट) के तहत अनुबन्ध आधार पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों की जिलावार संख्या 25302 है, जिसकी सूची साथ संलग्न है।

सूची

क्र०सं०	जिले का नाम	आउटसोर्सिंग पोलिसी के तहत 01–04–2014 से 31–01–2018 तक लगे कर्मचारी	एस.सी	बी.सी.	भूतपूर्व सैनिक
1.	मेवात / नूँह	652	213	184	16
2.	जीन्द	1755	840	194	32
3.	फतेहाबाद	918	430	101	26
4.	रेवाड़ी	766	446	192	25
5.	फरीदाबाद	2086	1420	236	22
6.	चरखी दादरी	104	16	24	11
7.	सिरसा	827	296	179	15
8.	पलवल	984	654	119	8
9.	महेन्द्रगढ़	1544	376	541	45
10.	पानीपत	1095	799	87	14
11.	कुरुक्षेत्र	598	198	153	13
12.	अम्बाला	885	352	122	9
13.	यमुनानगर	1020	241	239	6
14.	झज्जर	931	389	138	38
15.	कैथल	650	293	94	5
16.	सोनीपत	1025	433	118	12
17.	रोहतक	954	196	126	18
18.	पंचकूला	3937	892	591	56
19.	करनाल	1367	565	186	9
20.	भिवानी	950	250	150	19
21.	हिसार	1458	535	241	44
22.	गुरुग्राम	796	174	150	12
	कुल	25302	10008	4165	455

आउट सोर्सिंग आधार पर भर्ती के मानदंड तथा आउट सोर्सिंग नौकरियों के अधीन आरक्षण के मामले से संबंधित तारांकित प्रश्न संख्या 2490 का उत्तर न देने के संबंध में मामला उठाना ।

श्री रणबीर गंगवा : अध्यक्ष महोदय, मेरा एस.सीज. और बी.सीज. कैटेगरी के लिए आउटसोर्सिंग भर्ती में रिजर्वेशन के बारे में प्रश्न संख्या 2490 लगा हुआ है लेकिन उस पर सरकार जवाब ही नहीं देना चाहती है। (शोर एवं व्यवधान) मेरा यह क्वैश्चन स्किप क्यों कर दिया गया है ?

श्रीमती गीता भुक्कल: अध्यक्ष महोदय, यह सरकार तो केवल गीता, सरस्वती और इवेंट मैनेजमेंट जैसे कार्यों में ही उलझी हुई है। सदन में प्रश्न लगा है तो संबंधित मंत्रियों को जवाब तो देना ही चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैडम, आपकी कांग्रेस की सरकार के समय में भी मंत्रियों की तरफ से किसी प्रश्न का उत्तर न देने की अवस्था में समय मांगा जाता था और ऐसा नहीं है कि केवल आपकी सरकार में ही ऐसा हुआ हो, प्रायः सब सरकारों के समय में प्रश्न की तैयारी न होने की अवस्था में संबंधित मंत्रियों द्वारा समय मांग ही लिया जाता है। अतः आप प्लीज बैठिए। अभय जी अपनी बात रखना चाह रहे हैं, उन्हें अपनी बात रखने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई विधायक विधान सभा में प्रश्न लगाकर उसका उत्तर मांगता है तो विधान सभा सचिवालय की तरफ संबंधित विभाग को सदन के सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न के संदर्भ में सब कुछ लिखकर भेजा जाता है और विभाग से, संबंधित प्रश्न का उत्तर प्राप्त होता है जिसमें किसी काम के होने या न होने के संदर्भ में हां/ना का जिक्र तक होता है और संबंधित मंत्री उस उत्तर के आधार पर ही तैयारी करके सदन में आते हैं। जहां तक आज का संदर्भ है माननीय सदस्या किरण जी ने और गंगवा जी ने जो प्रश्न किया है, अगर उस प्रश्न के बारे में संबंधित मंत्री तैयारी नहीं कर सके हैं तो इस संदर्भ में हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमावली के नियम 15 में स्पष्ट वर्णित है कि ऐसी परिस्थिति में प्रश्न काल के लिए सदन का समय आधे घंटे तक बढ़ाया जा सकता है। अतः अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि आप मंत्रियों को हिदायत दें कि वह संबंधित प्रश्नों पर आधे घंटे की समयावधि में अपनी तैयारी कर लें और उसके बाद सदन में आकर प्रश्नों का जवाब दे दें अन्यथा सदन में माफी मांगे। यह कौन सा तरीका है कि मंत्री तो बन गए लेकिन जब विधायक

प्रश्न करते हैं तो उसका जवाब तक नहीं देते। आखिर विधायक किससे जवाब लेंगे? (शोर एवं व्यवधान) जवाब देने की जिम्मेदारी सरकार के मंत्रियों की होती है और यदि सरकार के मंत्री उत्तर देने से भाग रहे हैं तो इनको मंत्री पद छोड़ देना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमवाली के नियम 41 के (ii) में साफ लिखा हुआ है कि:-

'यदि नोटिस की अवधि की समाप्ति के तुरन्त बाद सभा की बैठक से पूर्व किसी प्रश्न का उत्तर तैयार न हो तो अध्यक्ष, संबद्ध मंत्री द्वारा ऐसी सूचना दिए जाने पर, प्रश्न का उत्तर देने के लिए समय बढ़ा सकता है और यदि प्रश्नों की सूची पर वह प्रश्न हो, तो उसे उस दिन नहीं लिया जाएगा।'

अभय जी, यह केवल इस सरकार की बात नहीं है, पूर्व में रहे स्पीकर माननीय हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा जी के समय तथा श्री कुलदीप शर्मा जी के समय में भी ऐसा किया जाता रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यह दोनों स्पीकर तो * थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभय जी द्वारा प्रयोग किए गए * शब्द का रिकॉर्ड न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, कितनी विडंबना है कि सदन में 10वीं पास आदमी इस तरह की बात कर रहा है? (शोर एवं व्यवधान)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): अध्यक्ष महोदय, कुलदीप शर्मा के समय जिन प्रश्नों के लिए एक्सटेंशन मांगी गई थी, उन प्रश्नों के तो उत्तर आज तक प्राप्त नहीं हुए हैं। (हँसी एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, आप ऐसे शब्दों का प्रयोग न किया करो जिनको सदन की कार्यवाही से निकालना पड़े। (शोर एवं व्यवधान) देखिये चाहे किसी की भी सरकार हो या कोई भी स्पीकर रहा हो प्रायः मंत्री जी द्वारा प्रश्न की तैयारी न होने की

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

अवस्था में एक्सटेंशन मांग ही ली जाती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप हमारी सरकार के समय का रिकॉर्ड निकलवाकर दिखा दो जो कभी ऐसा हुआ हो? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, कारण यह है कि आपके समय की पुरानी बात हो चुकी है और उस समय का रिकॉर्ड निकालने में समय लगेगा? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, समय लगता है तो लगाने दो, आपको उस रिकॉर्ड को निकालना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: ठीक है, जब इन दोनों स्पीकर्ज के समय का रिकॉर्ड निकाला जा सकता है तो आपके समय का रिकॉर्ड भी निकाल लेंगे। आपके समय भी ऐसा ही हुआ होगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, आज आप जिस कुर्सी पर बैठे हैं, मैं भी इस कुर्सी पर बैठी हूँ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: किरण जी, आप इस कुर्सी पर नहीं बैठी हैं बल्कि आप दिल्ली विधान सभा के हाऊस की कुर्सी पर बैठी थी।(हंसी एवं विघ्न) और जहां तक प्रश्न के संबंध में माननीय मंत्री जी द्वारा एक्सटेंशन की डिमांड की गई है, तो यह एक प्रौसेस होता है और आप इस प्रोसेस से भी भलीभांति वाकिफ होंगी ही? (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणबीर गंगवा: अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन के दौरान आउटसोर्सिंग पॉलिसी के आधार पर भर्ती के संबंध में मामला उठा था और जिस दिन सदन में यह बात उठी थी उसके दो दिन बाद अखबारों में माननीय मुख्यमंत्री महोदय की तरफ से यह बयान दिया गया था कि सरकार ने यह मान लिया है कि आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत जो भर्ती की जायेगी उसमें आरक्षण दिया जायेगा और आज इतने दिन होने के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन जब मैंने इस संबंध में सदन में प्रश्न उठाया है तो बड़ी अजीब बात है कि उसका भी जवाब नहीं दिया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान) इसका मतलब सरकार की मंशा इस विषय पर बदल गई है?(शोर एवं व्यवधान) इसका मतलब सरकार एस.सी./बी.सी. का हक मारना चाहती है? (शोर एवं व्यवधान) अगर सरकार एस.सी./बी.सी. को उसका हक देना चाहती है तो सरकार को जवाब देना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गंगवा जी, अगर सरकार के मंत्रियों ने समय मांगा है तो निःसंदेह उसका जवाब भी दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान) प्लीज, आप बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) दांगी जी और किरण जी आप भी प्लीज बैठिए क्योंकि अगला प्रश्न आपकी ही पार्टी की एक सदस्या श्रीमती रेणुका बिश्नोई द्वारा पूछा जाना है, अतः आप सदन की कार्यवाही को चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं। आपके सामने नेता प्रतिपक्ष पूर्व स्पीकर्ज के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करता है, आपने इस तरह के शब्दों को कैसे सुन लिया? आपको उनके खिलाफ एक्शन लेना चाहिए था? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, जब अभय जी ने गलत शब्दों का प्रयोग किया था तो मैंने तुरन्त उनको टोकते हुए ऐसा न करने की बात कही थी और गलत प्रयोग किए शब्दों को सदन की कार्यवाही से निकलवा दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैंने कौन से गलत शब्दों का प्रयोग किया है। (शोर एवं व्यवधान) मैंने तो केवल यह कहा है कि संबंधित मंत्रियों को जवाब देना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) कांग्रेस के कार्यकाल में मंत्री द्वारा प्रश्न का उत्तर देने के लिए जो एक्सटेंशन मांगी गई है, आपने उसका रिकॉर्ड निकलवाकर दिखा दिया, इसका मतलब तो यह हुआ कि अगर इन लोगों ने गलत किया है तो आपकी सरकार भी गलती करेगी? (शोर एवं व्यवधान) इसका मतलब यह हुआ कि इन्होंने गलत किया है तो आप भी गलत करेंगे? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप इस सदन के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। आपके द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं होना चाहिए, जिनको बाद में सदन की कार्यवाही से निकाला जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री प्रश्न का जवाब नहीं दे पा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, आपने श्रीमती नैना चौटाला को अपना प्रश्न पूछने के लिए कहा हुआ है लेकिन इन्हीं के पार्टी के सदस्यगण प्रश्न पूछने नहीं दे रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये पांचों विधायक एस.सी./बी.सी. की चिंता करने वाले विधायक हैं। (शोर एवं व्यवधान) एक विषय नंदीशाला से जुड़ा हुआ है और दूसरा विषय आऊट-सोर्सिंग के माध्यम से एस.सी./बी.सी. से जुड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए आप माननीय मंत्री जी से कल जवाब देने के लिए कह सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैं संबंधित मंत्रियों से निवेदन करूँगा कि आज की प्रश्नों की लिस्ट में से जो दो प्रश्नों के जवाब के लिए एक्स्टैंशन मांगी गई है, उनके उत्तर अपने—अपने विभागों से एक सप्ताह के अंदर दिलवा दें। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय विपक्षी पार्टी के सदस्यगण अपनी—अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करने लग गए।)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, विपक्षी पार्टी के सदस्यगण बहन नैना चौटाला के प्रश्न का जवाब नहीं सुनना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) और मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, संसदीय मंत्री कह रहे हैं कि हमारे पार्टी के सदस्यगण मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। मेरी पार्टी के सदस्यगण इसलिए नारेबाजी कर रहे हैं क्योंकि इन्होंने माननीय मंत्री जी से आऊट-सोर्सिंग के माध्यम से भर्ती के बारे में प्रश्न पूछा था। सदन के नेता ने हाउस के अंदर यह कहा था कि आऊट-सोर्सिंग के माध्यम से भी एस.सी.ज./बी.सी.ज. को 47 प्रतिशत के आधार पर भर्ती में कोटा देंगे। मेरी पार्टी के सदस्यों ने इसके लिए प्रश्न पूछा है और उसका कोई जवाब सरकार की तरफ से नहीं आ रहा है। सौ फीसदी मानकर यह चलो कि इसकी पीड़ा एस.सी.ज./बी.सी.ज. के बच्चों को जरूर होगी। अभी तक सरकार ने आऊट-सोर्सिंग के माध्यम से जो नौकरियां लगाई हैं, क्या उनके अंदर एस.सी./बी.सी. से जुड़े हुए जो बच्चे हैं उनको नौकरियां दी गई हैं? सरकार को इस बात का जवाब देने में क्या दिक्कत है?

श्री अध्यक्ष : अभय जी, पहली सरकारों में भी किसी प्रश्न का उत्तर तैयार करने हेतु समय बढ़ाने को कहा जाता था। दिनांक 05.09.2000 को आपकी सरकार थी और श्री सतबीर सिंह कादियान अध्यक्ष हुआ करते थे, उस समय भी एक प्रश्न का उत्तर तैयार करने हेतु जिला स्तर व खण्ड स्तर के कार्यालयों से सूचना एकत्रित करने के लिए तीन मास का समय बढ़ाने के बारे में अनुरोध किया गया था।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, कुल मिलाकर इस विषय पर किसी एक विभाग को प्रश्न का उत्तर देने की बजाए मुख्य सचिव कार्यालय से इसका जवाब आना था। जब यह जानकारी मिली की यह बहुत बड़ा विषय है और इसके आंकड़े इकट्ठा करना अपने आप में बहुत बड़ा काम है। आउट-सोर्सिंग के माध्यम से पहले तो जिला स्तर पर भर्ती होती थी और अब डिपार्टमेंट के स्तर पर भी भर्ती होती है। हरियाणा में 51 डिपार्टमेंट्स हैं और 22 जिले हैं। जहां पर जिस विभाग और जिले में कर्मचारियों की जरूरत होती है, उस हिसाब से भर्ती करते हैं। इसलिए कोई एक एजेंसी द्वारा आउट सोर्सिंग के माध्यम से भर्ती नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, भर्तियों की आवश्यकतानुसार जहाँ-जहाँ आवश्यकता होती है वहाँ आउट-सोर्सिंग के माध्यम से भर्तियां की जाती हैं और हर साल आउट-सोर्सिंग के माध्यम से लगे हुए कर्मचारी बदलते भी रहते हैं। माननीय सदस्य श्री गंगवा साहब ने दिनांक 1.4.2014 से 31.1.2018 तक 4 सालों में नियुक्त किए गए कर्मचारियों की संख्या के बारे में प्रश्न पूछा है। अध्यक्ष महोदय, इतने सारे आंकड़ों को इकट्ठा करने में समय लगता है। अगर पूछे गए प्रश्न के किसी एक पार्ट का जवाब देना होता तो मुख्य सचिव महोदय के कार्यालय से जवाब दिया जा सकता था। लेकिन तीनों पार्ट का जवाब देने में उसके सारे आंकड़े इकट्ठा करने में समय लगेगा क्योंकि इसके लिए हरियाणा के सभी विभागों और जिलों से जानकारी एकत्रित करनी पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, सवाल का पूरा जवाब देने के लिए समय और चाहिए जैस अभी अध्यक्ष महोदय आपने स्वयं कहा कि सात दिन के अंदर इसका जवाब सदन को मिल जायेगा। पहली बात तो यह है कि यदि यह काम एक एजेंसी के द्वारा संगठित होता है तो इसका जवाब सदन को जरूर मिल जाता। दूसरी बात जो एस.सीज./बी.सीज. के बारे में कही गई है। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि मेरे मन में विचार आ गया था कि अगर रैगुलर रिकूटमैंट में रिजर्वेशन दिया जा रहा है तो आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में भी दिया जाना चाहिए। सरकार द्वारा रिजर्वेशन के बारे में विभागों से लीगल परामर्श/राय ली गयी तो उन्होंने कहा कि आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में भी रिजर्वेशन होनी चाहिए। मैंने यह घोषणा एक मंच पर भी की है। सभी लोगों ने कहा है कि आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में रिजर्वेशन होना चाहिए तो सरकार ने भी कहा था कि हम आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में रिजर्वेशन कर देंगे और यह विषय विचाराधीन है। सरकार की तरफ से फाइनल नोटिफिकेशन नहीं हुआ है। नोटिफिकेशन करवाकर जो सरकार का निर्णय

होगा, उसके बारे में बता दिया जाएगा। हम भी यही चाहते हैं कि आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में रिजर्वेशन हो परन्तु अभी यह विषय सरकार के पास विचाराधीन है। मैं दोनों माननीय प्रतिपक्ष के नेताओं से पूछना चाहूँगा कि आखिर आपकी भी सरकारों ने राज किया है तो आपने आउट-सोर्सिंग में रिजर्वेशन क्यों नहीं दिया है? यह आउट-सोर्सिंग पॉलिसी कई वर्षों से लगातार चलती आ रही है। इसलिए मेरा तो आपसे यही प्रश्न है कि आपकी सरकारों ने रिजर्वेशन की मांग क्यों नहीं मानी। (शेम-शेम) हम इस मामले पर विचार कर रहे हैं और निश्चित रूप से आउट सोर्सिंग पॉलिसी में रिजर्वेशन भी देंगे। (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, माननीय मुख्य मंत्री जी ने जवाब दे दिया है इसलिए आप सभी माननीय सदस्य बैठ जाएं (विघ्न)।

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय पर अपनी बात कहना चाहती हूँ। मुझे बोलने के लिए समय दिया जाए।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के नेता ने यह बात दोहरायी है कि उन्होंने सार्वजनिक मंच पर यह बात कही है कि हम आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में भी रिजर्वेशन देंगे, लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी, आपने यह बात किसी सार्वजनिक मंच पर नहीं बल्कि पिछले सैशन के दौरान हमारे कॉलिंग अटैंशन मोशन पर कही थी। (विघ्न)।

श्री कृष्ण कुमार बेदी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय नेता प्रतिपक्ष को बताना चाहूँगा कि माननीय मुख्य मंत्री ने 28 फरवरी को कैथल में रविदास जंयती के मौके पर रैली के दौरान आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में रिजर्वेशन देने की घोषणा की थी। लेकिन माननीय नेता प्रतिपक्ष वहां पर नहीं थे (विघ्न)।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी को बैठाएं और पहले मेरी बात पूरी होने दें (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष: अभय सिंह जी, माननीय मंत्री जी तो यही कह रहे हैं कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने यह घोषणा रविदास जंयती के मौके पर 28 फरवरी को रैली में कही थी।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी की तरफ से कॉलिंग एटैंशन दिया गया था और जब कॉलिंग अटैंशन पर चर्चा हुई थी तो माननीय मुख्य मंत्री

जी ने आउट-सोर्सिंग पॉलिसी के बारे में कहा था कि सरकार इस पॉलिसी में रिजर्वेशन कर देगी। यह खबर दैनिक ट्रिब्यून अखबार में 27 तारीख को छपी थी।

श्री कृष्ण कुमार बेदी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहूँगा कि वह कौन से महीने की तारीख थी ?

श्री रणबीर गंगवा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूँगा कि यह बात 27 अक्टूबर की है और यह सैशन से 2 दिन के बाद की बात है।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हमने यह मुददा सैशन में उठाया था कि आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में जो नौकरियां दी जाएंगी क्या उन नौकरियों में एस.सी. और बी.सी कैटेगरी के लोगों को सरकार शामिल करेगी या आप उन लोगों के आरक्षण को मारने का काम करेंगे। आप हाउस को यह कहकर गुमराह कर रहे हैं कि इस आउट सोर्सिंग पॉलिसी में रिजर्वेशन की बात किसी ने बाहर कही थी, लेकिन आपने पूरे हाउस को इस बात के लिए आश्वस्त किया था कि हम आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में 100 फीसदी रिजर्वेशन देंगे और इस बारे में चीफ सैक्रेटरी को लिखेंगे। लेकिन आप कह रहे हैं कि सरकार के पास आउट-सोर्सिंग पॉलिसी के तहत लगे हुए कर्मचारियों के आंकड़े नहीं हैं। सरकार एक तरफ तो यह कहती है कि पूरे प्रदेश में सभी काम ऑन-लाईन हो रहे हैं और सारी चीजें कम्प्यूटराईज्ड हैं। कम्प्यूटर पर एक बार विलक करते ही हर जिले का ऑन लाईन डाटा आ जाता है तो संबंधित सूचना मंगवाने में इतना समय क्यों लग रहा है। आप चीफ सैक्रेटरी से संबंधित सूचना को तुरंत मंगवा सकते हैं और अगर चीफ सैक्रेटरी आपसे यह कह रहे हैं कि उनके पास किसी कारणवश संबंधित डाटा कलैक्ट नहीं हुआ तो फिर सरकार को इस बारे में चीफ सैक्रेटरी से जवाब मागना चाहिए कि विधान सभा में क्वेशचन लगा हुआ है और आपने कोई रिप्लाई नहीं दिया है। चीफ सैक्रेटरी संबंधित क्वेशचन का रिप्लाई देने से टालने की कोशिश कर रहे हैं तो यह सरकार की विधान सभा में तौहीन है। इस तरह से सरकार के पास क्वैशचन का जवाब नहीं आएगा तो पूरे प्रदेश में इस बात की चर्चा होगी (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष: अभय सिंह जी, पिछली सरकारों ने अपने—अपने टाईम में ऐसे ही समय निकाल लिया (विघ्न)। लेकिन आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में रिजर्वेशन नहीं दिया।

15:00 बजे

कैप्टन अभिमन्यु: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय नेता प्रतिपक्ष को बताना चाहूँगा कि प्रश्न काल चल रहा है और प्रश्न काल में एक प्रश्न के उत्तर में केवल 1—2 ही अनुपूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं लेकिन प्रश्न के उत्तर में तकरीर करना यह आज एक नयी परम्परा बनायी गयी है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रश्न का सही उत्तर दे दिया है और इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा है कि आउट-सोर्सिंग पॉलिसी के तहत 51 विभागों का हर साल का डाटा उपलब्ध करवाया जाना संभव नहीं है। आउट-सोर्सिंग पॉलिसी में 2 पार्ट्स के तहत कर्मचारियों की भर्ती की जाती है। पार्ट-1 में सैंक्षण्ड पोस्ट्स के अंगेस्ट सर्विस दी जाती है और पार्ट-2 में डायरैक्ट सर्विसिज दी जाती हैं। इसलिए जहां पर सर्विसिज दी जाती हैं उसमें संबंधित कर्मचारियों का रिकार्ड रखना संभव नहीं होता है जिसके कारण इस प्रकार की जानकारी थोड़े समय में ही उपलब्ध करवा पाना संभव नहीं हो सकता है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, विपक्षी दल केवल और केवल शोर-शराबा करना चाहते हैं, ये मुद्दे का समाधान करना नहीं चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

.....

श्री अध्यक्ष: मैं यह कह रहा हूं कि हर सरकार के समय में ऐसा हुआ है। मंत्रीगण मामले की जांच-पड़ताल करवाने में जहां ज्यादा समय लगना होता है वहां समय मांग लेते हैं। (शोर एवं व्यवधान) माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल समाप्त होता है। (शोर एवं व्यवधान)

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

To Set Up 33 K.V. Power House in Godikan

***2417. Smt Naina Singh Chautala :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 33 K.V. power house in village Godikan of Dabwali Assembly Constituency; if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, नहीं।

.....

To Tackle The Problem of Traffic Jam

***2588. Smt. Renuka Bishnoi :** Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Government to tackle the traffic jam problem in Hansi city; if so, the details thereof ?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्री कविता जैन) : हाँ, महोदय। ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान ट्रैफिक लाईट्स लगवा कर, अनाधिकृत अतिक्रमणों को हटवाकर व सड़कों के किनारों को पक्का करवा कर किया जाएगा।

.....

Number of Co-Education and Girls Colleges

***2572. Shri Balwant Singh :** Will the Education Minister be pleased to state the number of Co- Education and Government Girls Colleges sanctioned in the state during the period from 2004 to 2014 togetherwith the number of Government Girls Colleges sanctioned during the period from 2014 to 28.02.2018 ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : श्रीमान् जी, 2004 से अक्तूबर 2014 की अवधि के दौरान 23 सह-शिक्षा राजकीय महाविद्यालय एवं 19 राजकीय कन्या महाविद्यालय स्वीकृत किए गए तथा नवम्बर 2014 से 28.02.2018 की अवधि के दौरान 33 राजकीय कन्या महाविद्यालय स्वीकृत किए गए हैं।

.....

Maintenance of Parks

***2559. Shri Makhan Lal Singla :** Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state whether it is a fact that all parks developed by HUDA in Sirsa city are in bad condition; if so, the time by which the above said parks are likely to be well maintained?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : महोदय, केवल उन पार्कों की स्थिति खराब है जिन्हे हुडा द्वारा नगर परिषद सिरसा को हस्तांतरित किया गया

है। इन पार्कों में मरम्मत एवं रख रखाव का कार्य नगर परिषद सिरसा के सदन की साधारण बैठक में प्रस्ताव पारित करने पश्चात् करवाया जाएगा।

शेष सभी पार्कों, जिनका रख रखाव हुड़ा द्वारा किया जा रहा है, अच्छी स्थिति में हैं।

.....

Shortage of Basic Facilities in Hospital

2611. Shri Kuldeep Bishnoi : Will the Health Minister be pleased to state:-

- (a) whether it is a fact that there is a great shortage of doctors and all the basic facilities in the Civil Hospital of Mandi Adampur: and
- (b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to improve the basic facilities in the said hospital togetherwith the time by which the vacant posts are likely to be filled up?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री अनिल विज) : नागरिक अस्पताल, मण्डी आदमपुर में चिकित्सकों की कुछ कमी है। रिक्तियों को शीध्र भरने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। नागरिक अस्पताल, मण्डी आदमपुर में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

.....

To Start Roadways Bus Service

***2300. Shri Balkaur Singh :** Will the Transport Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to start Haryana Roadways bus service on the route from Kalanwali to Odha; if so, the time by which it is likely to be started ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : श्रीमान् जी, नहीं।

.....

To Set Up Card Board Factory

***2342. Shri Balwan Singh Daulatpuria :** Will the Industries and Commerce Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up card board factory based on paddy straw in the state; if so, the time by which it is likely to be set up togetherwith the details thereof?

उद्घोग एवं वाणिज्य मंत्री (श्री विपुल गोयल) : नहीं श्रीमान् सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

To Drain out the Rainy Water

***2374 Shri Ved Narang :** Will the Development and Panchayats Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to make proper arrangements to drain out the rainy water in villages Mirkan Dabda, Satroar, Khokha, Kharkhari, Niyana, Mirzapur and Ladwa of Barwala Assembly Constituency; if so, the details thererof?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, मिरकां, डाबडा, सातरोड़, खोखा, न्याना तथा मिर्जापुर गांवों में बारिश के पानी की निकासी के पर्याप्त इंतजाम पहले से ही किए हुए हैं। यद्यपि पिछली बारिश के दौरान खरकड़ी व लाडवा गांवों में बारिश के पानी की निकासी के इंतजाम अपर्याप्त साबित हुए तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग इस समस्या को हल करने हेतु एक प्रस्ताव तैयार करने के लिए काम कर रहा है।

To Open A Veterinary Hospital

***2384. Shri Jagbir Singh Malik :** Will the Animal Husbandry and Dairying Minister be pleased to state whether there is any proposal to

open Veterinary Hospitals in Bidhal, Chitana and Hulleri village of Gohana Constituency; if so, the time by which the proposal is likely to be materialized ?

कृषि मन्त्री (श्री ओमप्रकाश धनखड़) : नहीं, श्रीमान् जी ।

Repair of Water Course

***2511. Shri Anoop Dhanak :** Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state -

- (a) whether it is fact that the water course from Surba Minor of water works of village Kumbha has been damaged at many places; and
- (b) If so, the time by which the said water course is likely to be repaired?

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री (डा० बनवारी लाल) :

- (क) नहीं, श्रीमान् जी ।
- (ख) जल मार्ग की मरम्मत पहले ही की जा चुकी है तथा यह सुचारू रूप से कार्य कर रहा है ।

To Include Villages in Tigaon Tehsil

***2425. Shri Lalit Nagar :** Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to include the villages Monzawali, Mojabad, Gharora, Baila Raipur, Alipur, Lahdhalla, Manghwali, Bhainsharawali, Chandpur, Karali, Arua, Bahadurpur, Badrola, Prehladpur in Tigaon tehsil; if so, the time by which the above said proposal is likely to be materialized ?

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : नहीं, श्रीमान् जी ।

To Constitute S.C. Commission

***2429. Shri Udai Bhan :** Will the Welfare of SC/BC Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to constitute S.C. Commission in the state; and if so, the details thereof?

सामाजि कल्याण एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : हाँ, श्री मान जी, हरियाणा राज्य में अनुसूचित जातियों के लिए हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग के गठन के मामले पर विचार किया जा रहा है।

Outstanding EDC/IDC Charges against Private Builders

***2296. Shri Jaswinder Singh Sandhu :** Will the Chief Minister be pleased to state the details of the outstanding E.D.C./I.D.C. charges against the private builders in Haryana state; if so, whether any recovery has been effected in this regards from the said builders; if so, the details thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्री मान जी, यहां ई. डी. सी. लेखे में 18,428.29 करोड़ रुपये तथा आई. डी. सी. के लेखे में 3239.01 करोड़ रुपये की राशि की वसूली करने के बाद दिनांक 31.01.2018 को ई.डी.सी. के लेखे में 14,778.49 करोड़ रुपये तथा आई. डी. सी. के लेखे 823.35 करोड़ रुपये की राशि बकाया है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Subsidy To Farmers

637. Shri Zakir Hussain : Will the Agriculture Minister be pleased to state the details of subsidy disbursed to the farmers of district Nuh/Mewat for Sprinkler System, Poly Houses, Net Houses, Drip

Irrigation, laying of pipeline in fields for irrigation in the last ten years togetherwith the details of farmers benefitted?

कृषि मन्त्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : हाँ, श्रीमानजी, विवरणसदन के पटलपर रखा गया है।

विवरण

जिला नूहं/मेवात में पिछले 10 वर्षों में किसानों को आबंटित सब्सिडी का ब्यौरा:

1. फव्वारा प्रणाली: अनुलग्नक—1
2. पोली हाऊस: अनुलग्नक—2
3. नैट हाऊस: अनुलग्नक—3
4. ड्रिप सिंचाई : अनुलग्नक—4
5. खेत में सिंचाई हेतु पार्झप लाईन बिछाना: अनुलग्नक—5

अनुलग्नक—1

फव्वारा प्रणाली							
		उद्यान विभाग		कृषि विभाग		कुल	
क्र. सं.	वर्ष	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या
1	2008-09	0.00	0	0.00	0	0.00	0
2	2009-10	11.48	12	19.99	83	31.47	95
3	2010-11	0.00	0	43.00	163	43.00	163
4	2011-12	0.00	0	128.83	437	128.83	437
5	2012-13	3.91	3	39.98	152	43.89	155
6	2013-14	139.89	140	129.98	578	269.87	718
7	2014-15	66.30	73	90.87	405	157.17	478
8	2015-16	103.17	150	271.08	1138	374.25	1288
9	2016-17	11.78	20	8.74	51	20.52	71
10	2017-18	22.58	41	7.69	44	30.27	85
	कुल	359.11	439	740.16	3051	1099.27	3490

अनुलग्नक-2

पोली हाऊस			
क्र.सं.	वर्ष	हरियाणा राज्य बागवानी विकास एजेंसी	लाभार्थियों की संख्या
1	2008-09	0.00	0
2	2009-10	0.00	0
3	2010-11	0.00	0
4	2011-12	25.38	2
5	2012-13	133.81	6
6	2013-14	84.04	4
7	2014-15	124.77	6
8	2015-16	86.52	4
9	2016-17	0.00	0
10	2017-18	0.00	0
	कुल	454.52	22

अनुलग्नक-3

नेट हाऊस							
		उद्यान विभाग		हरियाणा राज्य बागवानी विकास एजेंसी		कुल	
क्र. सं.	वर्ष	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या
1	2008-09	0.00	0	0.18	2	0.18	2
2	2009-10	0.00	0	0.00	0	0.00	0
3	2010-11	0.00	0	0.90	2	0.90	2
4	2011-12	0.00	0	0.00	0	0.00	0
5	2012-13	0.00	0	0.00	0	0.00	0
6	2013-14	0.00	0	3.37	1	3.37	1
7	2014-15	0.00	0	52.08	4	52.08	4
8	2015-16	0.00	0	14.01	1	14.01	1
9	2016-17	26.73	2	42.59	3	69.32	5
10	2017-18	4.35	1	80.40	6	84.75	7
	कुल	31.08	3	193.53	19	224.61	22

अनुलग्नक—4

द्विप सिंचाई प्रणाली							
क्र. सं.	वर्ष	उद्यान विभाग		कृषि विभाग		कुल	
		आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या
1	2008-09	9.35	8	0.00	0	9.35	8
2	2009-10	6.43	5	0.00	0	6.43	5
3	2010-11	16.28	13	0.00	0	16.28	13
4	2011-12	23.61	38	0.00	0	23.61	38
5	2012-13	12.30	8	0.00	0	12.30	8
6	2013-14	93.47	78	0.00	0	93.47	78
7	2014-15	11.84	12	0.00	0	11.84	12
8	2015-16	90.52	97	68.20	88	158.72	185
9	2016-17	8.58	13	0.00	0	8.58	13
10	2017-18	37.43	63	0.00	0	37.43	63
	कुल	309.81	335	68.2	88	378.01	423

अनुलग्नक—5

खेत में सिंचाई हेतु पाईप लाईन विचाना			
क्र.सं.	वर्ष	आबंटित राशि (लाख रुपये)	लाभार्थियों की संख्या
1	2008-09	16.66	30
2	2009-10	25.00	53
3	2010-11	67.82	128
4	2011-12	94.62	158
5	2012-13	75.16	150
6	2013-14	90.20	175
7	2014-15	209.08	371
8	2015-16	540.93	959
9	2016-17	18.88	32
10	2017-18	350.31	673
	कुल	1488.66	2729

.....

Total Number of Cases of Bribe and Corruption

560. Shri Ram Chand Kamboj : Will the Chief Minister be pleased to state the total number of officials and officers found involved in the cases of bribe and corruption etc. in Haryana State during the year 2015 to 2017 ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, वर्ष 2015 से 2017 के दौरान, कुल 636 कर्मचारी व 103 अधिकारी घूस व भ्रष्टाचार के मामलों में संलिप्त पाए गये। जिनका वर्षवार विवरण निम्न अनुसार है:-

वर्ष	कुल मुकदमें गये।	आपराधिक दर्ज किये	कर्मचारी संलिप्त	अधिकारी संलिप्त
2015		271	317	45
2016		172	194	39
2017		116	125	19
Total		559	636	103

.....

Surua and Daksh Skill Training Programme

584. Shri Parminder Singh Dhull : Will the Industries and Commerce Minister be please to state :

(a) Whether it is a fact that “SURYA” and “DAKSH” skill training programmes have been started under the Haryana Skill Development Mission; and

(b) if so, the number of youths given training together with the number of youths provided employment alongwith the details thereof?+

उद्योग एवं वाणिज्य मन्त्री (श्री विपुल गोयल) : श्रीमान जी,

(क) ‘सूर्या’ और ‘दक्ष’ कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम हरियाणा कौशल विकास मिशन द्वारा अनुमोदित किए गए, जिनमे से कौशल विकास प्रशिक्षण केवल सूर्या स्कीम के तहत शुरू हुआ है।

(ख) 'सूर्य' कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण दिए गए युवाओं की संख्या तथा रोजगार प्रदान किए गए युवाओं की संख्या का विवरण अनुलग्नक-1 में रखा गया है।

अनुलग्नक-1

कौशल प्रशिक्षण की स्थिति								
क्रमांक	प्रशिक्षण प्रदाता का नाम	सैक्टर	मॉड्यूल	जिला	बैच में प्रशिक्षुओं की संख्या	बैच आरम्भ तिथि	बैच समाप्ति तिथि	रोजगार प्रदान किये गये प्रशिक्षुओं की संख्या
1	अमास स्किल वैन्चरस प्राइवेट लिमिटेड	ऑटोमोटिव	क्वालिटी इन्स्पैक्टर	गुरुग्राम	25	25.3.17	10.7.17	12
				रिवाड़ी	25	24.3.17	10.7.17	15
					25	24.3.17	10.7.17	16
					25	24.3.17	10.7.17	13
					25	24.3.17	10.7.17	15
		ब्यूटी एण्ड वैलनैस	सहायक ब्यूटी थेरापिस्ट	गुरुग्राम	20	20.3.17	5.7.17	12
					20	10.4.17	10.7.17	14
					27	5.5.17	15.9.17	14
					29	25.5.17	30.9.17	13
		ऑटोमोटिव	वैलिंग टैक्नीशियन	मेवात	25	2.6.17	5.10.17	12
					25	2.6.17	5.10.17	11
					25	2.6.17	5.10.17	14
					25	2.6.17	5.10.17	13
2	सैफएड्स कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड	लॉजिस्टिक	इन्वैन्टरी कलर्क	भिवानी	30	5.5.17	8.7.17	शुन्य
			वैयरहाउस पैकर		30	11.2.17	19.4.17	3
			डॉक्युमेन्टेशन सहायक		30	22.6.17	26.8.17	शुन्य
			डॉक्युमेन्टेशन सहायक		30	17.1.17	13.4.17	शुन्य
			इन्वैन्टरी कलर्क		30	12.1.17	8.4.17	1
			वैयरहाउस पैकर		30	29.4.17	1.7.17	शुन्य
			वैयरहाउस पैकर		30	28.3.17	30.5.17	शुन्य
			वैयरहाउस पैकर		30	26.5.17	29.7.17	शुन्य
3	ओरीयन एड्सेक्ट प्राइवेट लिमिटेड	बीएफएसआई	सहायक ब्यूटी थेरापिस्ट	झज्जर	25	26.1.17	31.5.17	शुन्य
			फिल्ड टैक्नीशियन कम्पयूटींग एण्ड पैरीफीरलस		25	26.1.17	31.5.17	शुन्य
			ब्यूटी एण्ड वैलनैस		25	2.2.17	5.6.17	शुन्य
		इलैक्ट्रोनिक्स	सहायक ब्यूटी थेरापिस्ट	फतेहाबाद	25	3.4.17	10.8.17	7
			फिल्ड टैक्नीशियन कम्पयूटींग एण्ड पैरीफीरलस		25	3.4.17	10.8.17	9
			ब्यूटी एण्ड वैलनैस		25	3.5.17	9.9.17	शुन्य
			फिल्ड टैक्नीशियन कम्पयूटींग एण्ड पैरीफीरलस		25	1.2.17	2.5.17	शुन्य
क्रमांक	प्रशिक्षण प्रदाता का नाम	सैक्टर	मॉड्यूल	जिला	बैच में प्रशिक्षुओं की संख्या	बैच आरम्भ तिथि	बैच समाप्ति तिथि	रोजगार प्रदान किये गये प्रशिक्षुओं की संख्या
		ब्यूटी एण्ड वैलनैस	सहायक ब्यूटी थेरापिस्ट	जीन्द	25	24.3.17	24.6.17	शुन्य
		इलैक्ट्रोनिक्स	फिल्ड टैक्नीशियन कम्पयूटींग एण्ड	दादरी	25	4.4.17	5.8.17	शुन्य
					25	3.5.17	4.9.17	शुन्य

			पैरीफीरलस					
		हैल्थ	जनरल डियूटी सहायक		25	22.3.17	24.7.17	शुन्य
					25	3.5.17	4.9.17	शुन्य
4	विद्यान्ता स्किलस संस्थान	हैल्थ	जनरल डियूटी सहायक	मेवात (इन्द्री)	30	19.1.17	20.9.17	शुन्य
					30	19.1.17	20.9.17	शुन्य
					30	17.7.17	23.1.00	शुन्य
5	एड्जोब अकैडमी प्राइवेट लिमिटेड	लॉजिस्टिक	लॉजिस्टिक मैनेजमैन्ट एसौसिएट	पलवल	20	23.5.16	3.9.16	79
					18	23.5.16	3.9.16	
					24	19.7.16	3.11.16	
					27	17.8.16	3.12.16	
6	सैन्द्रल इन्स्टीचयूट ऑफ प्लास्टिक इन्जिनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी मुरथल (सिपेर)	प्लास्टिक इन्जिनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी	मशीन ऑपरेटर-इन्जैक्शन मोल्डिंग मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक एक्सट्रक्शन मशीन ऑपरेटर-ट्रूल रूम	सोनीपत	30	14.03.16	13.6.16	25
					30	14.03.16	13.6.16	27
					30	31.3.16	30.6.16	26
					30	28.12.15	28.3.16	23
					30	19.2.16	18.5.16	26
					30	26.3.16	24.6.16	26
					30	7.12.15	7.3.16	24
					30	25.1.16	25.4.16	27
					30	23.3.16	22.6.16	23
					30	1.2.16	2.5.16	28
					30	28.3.16	28.6.16	23
					30	31.3.16	30.6.16	22
7	फुटवियर डिजाइन एण्ड डिवैल्पमैन्ट इन्स्टीचयूट (एफडीडीआई)	लैदर	कटर – फुटवियर स्टिचिंग ऑपरेटर (फुटवियर)	झज्जर	25	11.8.17	21.12.17	05
					25	11.8.17	21.12.17	08
					25	26.10.17	15.01.18	शुन्य
					25	20.11.17	15.02.18	शुन्य
			टोटल		1550			592

To Open a Sub-Depot of Haryana Roadways

568. Shri Om Parkash Barwa : Will the Transport Minister be please to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a sub-depot of Haryana Roadways in Siwani Town of Loharu Constituency for the proper utilization of Siwani Bus Stand?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : नहीं, श्रीमान जी।

Total Number of Tubewells for Drinking Water

559. Shri Ram Chand Kamboj : Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state:-

- (a) the total number of water supply tubewells in district Sirsa togetherwith number of tubewell where water is not fit for drinking;
- (b) the total number of water supply tubewells in Rania Municipal Committee area where water is not fit for drinking; and
- (c) the number of villages in district Sirsa in which canal based drinking water is being supplied at present?

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री (डा० बनवारी लाल) : श्रीमान् जी, विवरण सदन के पटल पर रखी गई है।

स्टेटमैट

- (क) जिला सिरसा में 222 नलकूप हैं जिनमें से 16 नलकूपों का पानी पीने के लिए उपयुक्त नहीं है। इन नलकूपों की जगह वैकल्पिक स्रोत विकसित किए जा रहे हैं जिनके कार्य प्रगति पर हैं।
 - (ख) शुन्य।
 - (ग) 251 गांव तथा 9 ढाणियां।
-

To Open Polytechnic Institute

585. Shri Parminder Singh Dhull : Will the Technical Education Minister be pleased to state:-

- (a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open new polytechnic institutes in the State; and
- (b) if so, the places where the abovesaid institutes are likely to be opened togetherwith the details thereof ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : (क) हाँ, श्रीमान् जी।

(ख) जींद जिले में एक नया राजकीय बहुतकनीकी संस्थान खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

.....

Construction of Bus Stand

567. Shri Om Parkash Barwa : Will the Transport Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Bus Stand in Behal; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

परिवहन मन्त्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : श्रीमान् जी, नहीं। बहल में बस अड्डे के निर्माण बारे कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। बहल में 4 कनाल व 6 मरला भूमि पर एक बस क्यू शैल्टर है जो कि वर्ष 2005 में बनाया गया था।

.....

राज्य सभा के निर्वाचन के लिए मनोनीत अभ्यर्थी का परिचय

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक विशेष परिचय कराने के लिए इस सदन में खड़ा हुआ हूँ। अध्यक्ष महोदय, जैसा मुझे पता है कि राज्य—सभा के चुनाव के लिए हमें इस बार हरियाणा की एक सीट का नामांकन करना था और मैं बताना चाहूँगा कि आज नामांकन की अंतिम तिथि थी। अध्यक्ष महोदय, जिन्होंने राज्य—सभा के एक सीट के लिए नामांकन किया था वे हमारे हाउस की गैलरी में उपस्थित हैं जिनका नाम लैफिटनेंट जनरल (रिटायर्ड) डॉ. डी.पी. वत्स हैं। जिन्होंने आज नामांकन किया है। (शोर एवं व्यवधान) और अभी 3 बज चुके हैं और जहां तक मेरी जानकारी है ये नामांकन करने वाले ये एक मात्र व्यक्ति हैं। मुझे लगता है कि ये हमारी तरफ से राज्य सभा में जाकर आवाज उठाएंगे।

श्री करण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी इस बात की घोषणा कैसे कर सकते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: करण सिंह जी, मुख्यमंत्री जी घोषणा नहीं कर रहे हैं।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मैं उनका परिचय करवा रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शमी): अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने नामांकन की घोषणा की बात नहीं कही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: आप सब लोग मेरी बात सुनें। मैंने घोषणा नहीं कहा है। मैं बताना चाहूंगा कि अभी 3:00 बजे चुके हैं और अभी तक एक मात्र नामांकन हुआ है। विधिवत रूप से घोषणा करना तो चुनाव आयोग का काम है और वे निश्चित समय पर अपनी घोषणा करेंगे। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि इसका नामांकन करने की अंतिम तिथि 12 मार्च, 2018, दोपहर 3:00 बजे तक थी। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, चूंकि एक मात्र नामांकन हुआ है, इसलिए हम एक प्रकार से यह कह सकते हैं या अंदाजा लगा सकते हैं कि अब हमारे हरियाणा प्रदेश की हितों की रक्षा करने के लिए और राज्य सभा में आवाज उठाने के लिए हरियाणा की तरफ से डी.पी. वत्स जी जाएंगे। (इस समय मेजें थपथपाई गईं।) ऐसा मैं अनुमान लगा सकता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अशोक सिंगला, प्रधान, नगरपालिका, पिहोवा, जिला कुरुक्षेत्र द्वारा दी गई अभिकथित रिश्वत संबंधी स्थगन प्रस्ताव का मामला उठाना/बैठक का स्थगन

सरदार जसविंद्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, जैसा कि शायद पूरा सदन जानता है कि पेहवा नगर निगम के वर्तमान (शोर एवं व्यवधान) चेयरमैन श्री अशोक सिंगला से एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन श्री भारत भूषण भारती के बेटे सुशांत भारती के द्वारा तथाकथित 45 लाख रुपए की रिश्वत लेने की बात चर्चा में आई है। यह अति विशेष महत्व का विषय है, (शोर एवं व्यवधान) एक तरफ तो सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की बात करती है, दूसरी तरफ इस तरह की घटनाएं प्रदेश में घट रही हैं और प्रदेश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। (शोर एवं व्यवधान) अतः इस बारे में दिए गए हमारे स्थगन प्रस्ताव का फेट बताया जाए।

श्री अध्यक्ष: जसविंद्र जी, (शोर एवं व्यवधान) आपका यह स्थगन प्रस्ताव आज 1.51 बजे इस सचिवालय में प्राप्त हुआ है। नियमानुसार यह 1.00 बजे से पहले आना चाहिए था। इसलिए इसे नामंजूर किया जाता है, इसके अतिरिक्त यदि किसी घटना की आधिकारिक रूप से पुष्टि न हुई हो तो नियमानुसार उस पर कोई चर्चा नहीं हो

सकती है। इसलिए मैंने इसे नामंजूर कर दिया है। (शोर एवं व्यवधान) जसविंद्र सिंह संधू जी जो बातें अब कह रहे हैं, उन्हें रिकॉर्ड न किया जाए।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : स्पीकर सर, ***

श्री अध्यक्ष : सभी माननीय सदस्यगण, आप सभी कृपया करके अपनी—अपनी सीट्स पर बैठ जायें। सरदार जसविन्द्र सिंह जी की कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) जो भी माननीय सदस्य मेरी परमिशन के बिना बोल रहे हैं उनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) माननीय सदस्यगण जिस व्यक्ति की कैसेट का मामला आप उठा रहे हैं जिसका नाम सिंगला है उसी व्यक्ति ने दूसरी कैसेट भी जारी कर दी है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : स्पीकर सर, ***

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र सिंह जी, आप कृपया करके बैठ जायें आपकी कोई भी बात रिकार्ड नहीं हो रही है। (शोर एवं व्यवधान) जो भी माननीय सदस्य मेरी परमीशन के बिना बोल रहे हैं उनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) करण सिंह दलाल जी, आप अपनी बात कहें। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Karan Singh Dalal : Speaker Sir, I need your protection. (Interruption) सर, आपने मुझे अपनी बात कहने के लिए परमीशन दी है जो माननीय सदस्य आपकी परमीशन के बिना बोल रहे हैं आप उनको बिठाइये। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : स्पीकर सर, मुझे मेरे द्वारा दिये गये काम रोको प्रस्ताव का फेट बताया जाये।

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र सिंह जी जैसा मैंने आपको पहले भी बताया कि आपने उक्त काम रोको प्रस्ताव निर्धारित समय पर नहीं दिया। आपने अपना काम रोको प्रस्ताव सदन की कार्यवाही चलने से लगभग 09 मिनट पहले अर्थात् अपराह्न 01.51 बजे ही दिया है। (शोर एवं व्यवधान) दूसरी बात मैं आपको यह बता देना चाहता हूं कि जिस व्यक्ति की आप ये सारी बातें उठा रहे हैं उसने अपनी दूसरी कैसेट भी जारी कर दी है। उसने अपनी दूसरी कैसेट में यह मान लिया है कि ये सारी बातें मुझसे नशे की हालत में कहलवाई गई हैं। (शोर एवं व्यवधान) आप उस

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

व्यक्ति की दूसरी कैसेट सुने उससे सारी की सारी बात कलीयर हो जायेगी। इसमें दोनों ही बातें अधिकारी से सम्बंधित नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, इस मामले में सरकार ने सफाई भी दी थी। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आप कृपया बैठें। (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी को अपनी बात कहने दें। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : स्पीकर सर, इस बारे में मेरा यह कहना है कि जो सोशल मीडिया के माध्यम से दो ऑडियोज़ सर्कुलेट हुई हैं अगर किसी माननीय सदस्य ने दोनों ऑडियोज़ नहीं सुनी है तो उसको दोनों ही सुननी चाहिए। मैंने इन दोनों ऑडियोज़ को सुन लिया है। हम इन दोनों ऑडियोज़ को आधार मानकर निश्चित रूप से इस मामले की इंक्वायरी करवायेंगे और जो भी व्यक्ति इसके पीछे षड्यंत्रकारी होंगे उनको किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, हम मांग करते हैं कि इस मामले की इंक्वायरी सी.बी.आई. से करवाई जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, इस मामले की इंक्वायरी किस एजेंसी से करवाई जानी है इसका फैसला तो सरकार करेगी।

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, इस मामले की इंक्वायरी किस एजेंसी से करवाई जायेगी मुख्यमंत्री जी को इसका खुलासा भी सदन में अभी करना चाहिए क्योंकि हमें इनकी बातों का कोई भरोसा नहीं रहा है। मुख्यमंत्री जी ने बहुत सी बातें हाउस में कही हैं लेकिन बाद में उन पर अमल नहीं किया। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर महोदय, या तो आप इस मामले की इंक्वायरी के लिए हाउस की कमेटी बनायें या फिर मुख्यमंत्री जी सदन में यह आश्वासन दें कि हम इस मामले की इंक्वॉयरी सी.बी.आई. से करवायेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सभी माननीय सदस्यगण कृपया अपनी—अपनी सीट्स पर बैठ जायें क्योंकि मुख्यमंत्री जी ने इस विषय में जवाब दे दिया कि इस मामले की इंक्वायरी करवाई जायेगी और जो लोग दोषी पाये जायेंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। (शोर एवं व्यवधान) अगर आप सभी इस मामले की इंक्वायरी सी.बी.आई. से करवाने की मांग कर रहे हैं फिर तो इसका मतलब यही हुआ कि सभी मामलों में सी.बी.आई. से ही इंक्वायरी करवाई जाये। (शोर एवं व्यवधान) इंक्वायरी करवाने के लिए सरकार के पास अपने विभाग हैं। सरकार जिस किसी भी एजेंसी से चाहेगी, उससे इंक्वायरी करवा लेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर महोदय, आज तीन इशु आये हैं जिनमें दो के बारे में तो सम्बंधित मंत्रियों ने जवाब ही नहीं दिया और तीसरा इशु जो कि भ्रष्टाचार से सम्बंधित है उसके बारे में भी सरकार का कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी और चौधरी अभय सिंह चौटाला जी ने जो बात कही उसके बारे में सदन के नेता ने खड़े होकर कहा कि हम इसकी जांच करवायेंगे। सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी और चौधरी अभय सिंह चौटाला जी की मांग को सदन के नेता ने स्वीकार कर लिया कि वे इसकी जांच करवायेंगे। इस मामले की जांच चाहे स्टेट विजिलेंस डिपार्टमेंट से करवाई जाये या किसी दूसरी एजेंसी से करवाई जाये यह मुद्दा नहीं है। मुख्य मुद्दा तो यही है कि सरकार द्वारा सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी और चौधरी अभय सिंह चौटाला जी की मांग के अनुसार इस मामले की जांच करवाने की बात को मान लिया है। ऐसा करके मुख्यमंत्री जी ने सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी और चौधरी अभय सिंह चौटाला जी की मांग को स्वीकार कर लिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नायब सैनी : अध्यक्ष जी, नौकरियां तो कांग्रेस की सरकार के समय में बिकती थी जिसकी आज ये जांच की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस के शासन काल में नौकरियों में भ्रष्टाचार होता था। आज ये इस प्रकार का हमारी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। इनको अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। इनको याद होना चाहिए कि इनके समय में नौकरियों के मामलों में कैसे हालात थे? इनको अपने कार्यकाल के बारे में विचार करना चाहिए। इनके शासन काल में युवाओं के साथ नौकरियों के मामले में घोर अत्याचार हुआ। इनके शासनकाल में कोई भी गरीब व्यक्ति नौकरी प्राप्त नहीं कर सकता था। आज हरियाणा का कोई भी व्यक्ति यह बात नहीं कह सकता कि उसने नौकरी प्राप्त करने के लिए एक भी पैसा दिया है। इनके समय में नौकरियां बिकती थी। इनके समय में गरीब का बच्चा कभी भी नौकरी नहीं लग सकता था। इतना बुरा बर्ताव इन्होंने प्रदेश के युवाओं के साथ किया। ये लोग बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। इनको तो अपने समय में नौकरियों में की गई धांधलियों के लिए हरियाणा प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। ये लोग यहां पर बेबुनियाद आरोप लगाकर सदन को गुमराह कर रहे हैं।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : स्पीकर सर, प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री को एक ईमानदार मुख्यमंत्री समझती है यदि मुख्यमंत्री जी तमाम बातों के लिए अपनी जिम्मेदारी समझते हैं तो मुख्यमंत्री को इस मामले में आवश्यक जांच सी.बी.आई. से करवानी चाहिए। मुख्यमंत्री जी की नाक के नीचे एक जिम्मेदार पद पर बैठा हुआ लड़का भारत भूषण भारती 75 लाख रुपये रिश्वत लेता है लेकिन मुख्यमंत्री जी इस मामले में सी.बी.आई. से

इंक्वॉयरी करवाने की हमारी मांग स्वीकार नहीं कर रहे हैं। हम बार-बार इस मामले की सी.बी.आई. से जांच करवाने की मांग करते हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी तो अपनी बात बोलकर उसको इस्टैब्लिश करवाना चाहते हैं। जब इन्होंने इस मामले की इंक्वॉयरी की मांग की तो सदन के नेता ने इसका जवाब दे दिया कि हम इस मामले की इंक्वॉयरी करवायेंगे। ये इस बारे में अपनी राय लिख कर दे दें और ऑडियो व वीडियो भी दे दें। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, जिस प्रकार से विपक्ष के माननीय साथी अपनी बात मनवाना चाहते हैं उनका यह तरीका लोकतांत्रिक नहीं है।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : स्पीकर सर, सरकार को भारत भूषण भारती के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज करवाना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र जी, आप कौन से आधार पर मुकद्दमा दर्ज करवाना चाहते हैं क्योंकि एक व्यक्ति पहली कैसेट में कुछ कहता है और उसके बाद दूसरी कैसेट में यह कहता है कि मैंने उस समय नशा कर रखा था। जसविन्द्र जी, इस मामले में इंक्वायरी के लिए सी.एम. साहब ने कह दिया है अब और इससे ज्यादा आप क्या चाहते हैं? सी.एम. साहब ने यह भी कहा है कि इस मामले में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जायेगा उसको दण्ड दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : स्पीकर सर, मैं इस मामले में दो वाक्य और कहना चाहता हूँ कि इस मामले में जांच निष्पक्ष होगी और जो भी व्यक्ति दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ निश्चित रूप से जो भी बड़ी से बड़ी कार्रवाई होगी वह की जायेगी। जहां तक माननीय सदस्यों का यह कहना है कि इस मामले की अमुक एजेंसी से जांच करवाई जाये। इस बारे में मैं यह कहना चाहूँगा कि इस मामले की जांच किस एजेंसी से करवाई जायेगी यह तय करना सरकार का काम है। यह काम विपक्ष का नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभ्यं जी, प्रदेश के लोगों ने जिस सरकार को चुना हुआ है उसी को यह तय करने का अधिकार है कि किस मामले की जांच किस एजेंसी से करवाई जाये। (शोर एवं व्यवधान) यह काम सरकार का है न कि विपक्ष का। सरकार को यह अधिकार हरियाणा प्रदेश की जनता ने दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : स्पीकर सर, आप इस मामले की जांच करने के लिए हाउस की कमेटी बना दें। हाउस की कमेटी ही इस मामले में निष्पक्ष जांच कर सकती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : स्पीकर सर, एच.टैट. की परीक्षाओं में भी धांधली हुई है क्या सरकार उसकी भी जांच करवायेगी?

श्री अध्यक्ष : किरण जी, आप इस बारे में लिखकर दे दें। अभी आप कृपया करके बैठ जायें और सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, इसी प्रकार से ग्राम पंचायतों के फण्डूज़ में भी बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। क्या सरकार इसकी भी जांच करवायेगी?

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप भी इस बारे में लिखकर दे दें। अभी आप कृपया करके बैठ जायें और सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी सदन के नेता ने कहा कि हम इस मामले की इन्कायरी करवायेंगे। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को एक बात से अवगत करवाना चाहता हूं और सदन के नेता से भी पूछना चाहता हूं कि जब ग्रीवैसिज कमेटीज की मीटिंग्स होती है उसमें जब मंत्री जाते हैं और वहां पर आकर कोई व्यक्ति किसी भी डिपार्टमैंट के अधिकारी के खिलाफ शिकायत देता है तो आप दोषी कर्मचारी या अधिकारी को सर्पेंड करने के आदेश देते हैं। क्या उससे पहले उसकी इन्कायरी करते हो, नहीं, पहले उसको सर्पेंड किया जाता है उसके बाद उसकी इन्कायरी की जाती है। इसलिए सबसे पहले जो व्यक्ति चेयरमैन के पद पर बैठा हुआ है और उसके खिलाफ आरोप लगे हैं तो पहले उनसे इस्तीफा लेना चाहिए उसके बाद इसकी इन्कायरी करवाई जानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष: अभय सिंह जी, उसी आदमी की एक दूसरी ऑडियो भी आ गई है जिसमें उसने कहा है कि मैंने जो कुछ भी कहा है वह मुझसे शराब पिला कर कहलवा लिया है।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि अगर आप ईमानदार हैं तो पहले उनको पद से हटाओ फिर आप उसकी इन्कायरी करवाओ अन्यथा 100 फीसदी आप उनको बचाने का प्रयास कर रहे हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति को ऐसे पद पर बैठा रहे हो जो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा। उसने इससे पहले जिन बच्चों को वहां से नौकरी दी है तो उनके खिलाफ भी जरूर खिलवाड़ किया होगा। अगर इस मामले की इन्कायरी की जायेगी तो 100 फीसदी बच्चे ऐसे मिलेंगे जिनसे उन्होंने पैसे लेकर नौकरी लगाने का काम किया होगा। जिसके ऊपर इस बात को लेकर आज आरोप लगते हैं 100 फीसदी उस आदमी ने जिसने आज पैसे लिये हुये हैं उसने पहले भी पैसे लिये होंगे। इसलिए उसको पहले पद से हटाया जाये उसके बाद इसकी इन्कायरी हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, ऐसा नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री जी ने इन्कावायरी करवाने के लिए आपको आश्वासन दे दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष महोदय, ये आरोप बिल्कुल निराधार हैं इसलिए इनको सदन की कार्यवाही से निकाला जाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नायब सैनी : अध्यक्ष महोदय, पैसे लेकर नौकरी देने का काम तो इंडियन नैशनल लोकदल और कांग्रेस के शासनकाल में होता था। इनके समय में किसी गरीब आदमी का बच्चा तो नौकरी के बारे में सोच भी नहीं सकता था। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. पवन सैनी: अध्यक्ष महोदय, ये हमें ईमानदारी का पाठ पढ़ायेंगे जिनके नेता आज जेल में बंद हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जीन्द में विनोद सिंगला ने प्रैस कांफ्रेंस करके उचाना की विधायक श्रीमती प्रेमलता पर यह आरोप लगाया कि मेरे से 5 लाख रुपये ले लिये क्या सरकार ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई की? क्या सरकार ने उसके खिलाफ कोई एफ.आई.आर. दर्ज की, कोई इन्कावायरी की तो फिर उसके अन्दर कौन दोषी पाया गया क्या आप इस बात को बताओगे? यह एक किस्सा थोड़े ही है। ये तो किस्से पर किस्से चले आ रहे हैं और यह चौथा किस्सा है। अध्यक्ष महोदय, हम मुख्यमंत्री जी की इस बात से कर्तव्य संतुष्ट नहीं हो सकते कि मुख्यमंत्री केवल यह कह दें कि मैं इसकी जांच कराऊंगा। आप यह बतायें कि आप किस एजेन्सी से जांच कराओगे? अगर हमें उस एजेन्सी पर विश्वास होगा तब जा कर हम आपकी बात से संतुष्ट होंगे। हम चाहते हैं कि आपको जांच करवानी है तो सी.बी.आई. से जांच कराओ ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाये।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, गंदी राजनीति का एक बहुत बड़ा फैशन चल पड़ा है और यह जितना भी बढ़ता चला जायेगा उतनी ही चिन्ता का विषय हमारा भी बढ़ता चला जायेगा। कोई भी उठता है और मीडिया में जा कर कुछ भी बोल देता है और अपना पल्ला झाड़ देता है। इस प्रकार से मीडिया के माध्यम से आई बातें, राजनीतिक व्यक्तियों के खिलाफ आरोप—प्रत्यारोप उनके द्वारा और उनके पीछे कौन होते हैं, इस प्रकार के बहुत से किस्से हमारे पास हैं। लेकिन मेरा यह कहना है कि अगर किसी के खिलाफ कोई बात ऐसी है तो जो कंप्लेनेंट है वह दम-खम के

साथ आगे आये और खुद कंप्लेंट करवाये, उसका हम संज्ञान लेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, मेरी स्वयं भारती जी से बात हुई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जसविन्द्र जी, आप तो कंप्लेनेंट नहीं हैं, आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं सरदार जसविन्द्र सिंह से कहना चाहता हूं कि वे कंप्लेंट दे सकते हैं। पहले वे मेरी बात सुन लें। इस केस में जो कंप्लेनेंट यह कहता है कि मुझसे पैसे लिये गये वहीं 12 घंटे बाद दूसरे ऑडियो में यह कहता है कि मुझे शराब पिला कर मुझसे यह कहलवाया गया है, फलां आदमी ने कहलवाया है। जो दो आदमी किसी तीसरे के खिलाफ ऑडियो में बातचीत कर रहे हैं वे ही दोनों अब एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। इसमें सच्चा कौन है और झूठा कौन है इसकी हम प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी करायेंगे और प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी में जो तथ्य आयेंगे, उनकी निश्चित रूप से जांच होगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, पहले उनका इस्तीफा लिया जाना चाहिए तथा बाद में इन्क्वायरी होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथियों को कहना चाहता हूं कि इस्तीफे का कोई मतलब नहीं है। अगर इन्क्वायरी में कहीं कोई बात होगी तब इस्तीफे की बात आयेगी। अगर ऐसे इस्तीफे होने लगे तो फिर तो सड़क पर एक दूसरे के खिलाफ सब लोग कुछ न कुछ बोलेंगे। अगर किसी के खिलाफ कोई गम्भीर तथ्य आयेगा और कोई दोषी होगा तो निश्चित रूप से उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे लेकिन इस षडयंत्र का भंडाफोड़ अवश्य होगा। उसके लिए हमें चाहे कोई भी इन्क्वायरी करवानी पड़े।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक आदमी द्वारा बताया गया कि एक बी.जे.पी के बन्दे ने 70 लाख रुपये रिश्वत ली है उसी ने बताया कि अगर आपको यह बात झूठ लगती है तो आपको फलां बन्दा मिलेगा आप उससे पता कर लेना। मैंने कहा कि वह तो कांग्रेस पार्टी का बन्दा है। (शोर एवं व्यवधान) वह कहने लगा कि वह बी.जे.पी का बन्दा है। आप सुबह देख लेना आपको सारा पता चल जाएगा। उसी दिन से पेहवा के घर-घर में यह चर्चा है कि बी.जे.पी के बन्दे

को करोड़ों रुपये रिश्वत दी गई है । (शोर एवं व्यवधान) अब तमाम बातें सामने आने पर भी प्रदेश के मुख्यमंत्री कहते हैं कि हम इन्क्वायरी करवाएंगे । मैं कहता हूं कि इसकी इन्क्वायरी क्या करनी है उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाईये । यहां एक पटवारी व एक छोटे से हवलदार के खिलाफ तो मुकदमा दर्ज हो जाता है । (शोर एवं व्यवधान) जब 70 लाख रुपये रिश्वत देने की बात आ रही है तो मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि हम इन्क्वायरी करवाएंगे । जबकि वह आदमी कहता है कि वह मेरे सामने पैसे लेकर गया है । आप बताइये कि वह पैसे कहां गये ? (शोर एवं व्यवधान) आप उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाईये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र जी, जिससे पैसे लिए गए हैं वह अपनी एप्लीकेशन देकर उस पर मुकदमा दर्ज करवा दें । उसको कौन मना कर रहा है । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के मुख्यमंत्री जी जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र जी, मुख्यमंत्री जी ने इन्क्वायरी करने के लिए कह दिया है । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, जो यह स्लोगन था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा । वह स्लोगन तो अब यह हो गया कि खाऊंगा, खाने दूंगा और ले जाने भी दूंगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या सदन के नेता यह बताएंगे कि वे किस एजेंसी से यह इन्क्वायरी करवाएंगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी को उन लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने में क्या दिक्कत हो रही है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, (शोर एवं व्यवधान) जैसा कि मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि वे इसकी जांच करवाएंगे, इसलिए आप बैठ जाएं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपकी पुलिस की हालत तो ऐसी है कि मुजरिम कोई होता है लेकिन मुजरिम किसी और को बना देती है । आपकी पुलिस

की हालत तो ऐसी है कि मर्डर कोई करता है और मुजरिम किसी और को बना दिया जाता है तो फिर आप यह इन्कवायरी किस से करवाओगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा शुरू होगी । (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, आज जो मौसम बदला है उससे यह लगता है कि हमारे विपक्ष के साथियों का बजट पर बोलने का मन नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) किरण जी, आपको बहुत–बहुत बधाई है कि लोकदल ने आपको नेता मान लिया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण अब सदन 20 मिनट के लिए स्थगित किया जाता है ।

* 15.23 बजे	(The Sabha then *adjourned at 15.23 P.M. and reassembled at 15.40 P.M.)
--------------------	--

उपाध्यक्ष महोदयः माननीय सदस्यगण, अब सदन की बैठक दोबारा 30 मिनट के लिए स्थगित की जाती है ।

*15.43 बजे	(The Sabha then *adjourned at 15.43 P.M. and reassembled at 16.13 P.M.)
-------------------	--

श्री करण सिंह दलाल : आदरणीय अध्यक्ष जी, आज माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने पिछोवा नगरपालिका के चेयरमैन बनाने के लिए हुए पैसे के लेन–देन के मामले पर उत्तर दिया है । इस उत्तर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने इस पूरे मामले को रफा–दफा करने की कोशिश की है । आदरणीय अध्यक्ष जी, आज यह सदन और प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि यह मंत्री कौन है । उस मामले में एक मंत्री का नाम आया है ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा शुरू होगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : आदरणीय अध्यक्ष जी, आप बहुत ही महत्वपूर्ण पद पर बैठे हुए हैं। यह आरोप प्रदेश के लिए एक बहुत बड़ा कलंक है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : देखिये, इस मामले पर माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब दे दिया है। मेरा कहना है कि इस तरह के आरोप लगते रहते हैं लेकिन किसी को भी जांच करने से पहले सजा नहीं दी जाती है। (शोर एवं व्यवधान) मेरा कहना है कि इस तरह से जांच किये बिना आप किसका इस्तीफा लोगे। अभी जो आरोप लगाए गए हैं उनकी कोई पुष्टि भी नहीं हुई है। हमारे सामने अभी तक सिर्फ एक आरोप है और इस तरह से तो किसी पर भी आरोप लगाया जा सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नसीम अहमद : आदरणीय अध्यक्ष जी, इस मामले की सी.बी.आई. से इन्क्वायरी करवानी चाहिए ताकि सारी सच्चाई सबके सामने आ सके। यह बहुत ही संगीन आरोप लगाया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्यमंत्री महोदय इतने महत्वपूर्ण पद पर बैठे हुए हैं और उनकी नाक के नीचे इस तरह का भ्रष्टाचार का मामला हुआ है। एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन द्वारा 75 लाख रुपये लेकर किसी व्यक्ति को पिछोवा म्युनिसिपल कमेटी का प्रधान बनाया जाता है। रिकॉर्डिंग में यह बात बिल्कुल क्लीयर है कि एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन के बेटे द्वारा एक व्यक्ति को पिछोवा नगर पालिका का चेयरमैन बनाने के लिए 45 लाख रुपये लिए गए हैं। यह बात किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं की जा सकती। अतः मेरी आपसे गुजारिश है कि इस मामले में सरकार द्वारा मुकदमा दर्ज करवाया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभी आप मेरी बात सुन नहीं रहे हैं। जब हाउस का टाइम नहीं बचेगा तो फिर आप अन्य विषयों पर कैसे बोल पाओगे? (शोर एवं व्यवधान) अब नेता प्रतिपक्ष अभय सिंह जी अपनी पार्टी के सभी सदस्यों से पीछे खड़े हैं। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे आगे आ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जांच करवाने का आश्वासन दे दिया है अगर अब भी आप संतुष्ट नहीं होंगे तो फिर मैं आपको भला कैसे संतुष्ट कर सकता हूं। इसकी पूरी जांच करवाई जाएगी। (शोर एवं व्यवधान) अगर सिर्फ एक आरोप लगाने से किसी को सजा दी जाने लगी तो फिर एक परम्परा बन जाएगी कि एक बार किसी के

खिलाफ एक वीडियो जारी कर दो और उसके बाद उसको सीधे ही सजा मिल जाएगी । नेचुरल जस्टिस यही कहता है कि किसी को सजा देने से पहले एक बार उसे अपने अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान) वह व्यक्ति आई.एन.एल.डी. पार्टी में मंत्री पद पर रहा है । वह एक बार बी.जे.पी. में आ गया था लेकिन अब फिर आपके पास पहुंच गया है । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : आदरणीय अध्यक्ष जी, (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय आई.एन.एल.डी. के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन में नारेबाजी करने लगे ।)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : आदरणीय अध्यक्ष जी, सरकार द्वारा उससे इस्तीफा लिया जाना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इण्डियन नैशनल कांग्रेस पार्टी के उपस्थित सभी सदस्यों ने वैल में आकर नारेबाजी करनी शुरू कर दी ।)

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल और इण्डियन नैशनल कांग्रेस के सदस्यों ने वैल में आकर एक—साथ नारेबाजी करनी शुरू कर दी ।)

श्री अध्यक्ष : मैं आपको वॉर्न कर रहा हूं आप अपनी सीट्स पर चले गए अदरवाइज मुझे आपके खिलाफ एकशन लेना पड़ेगा । आप अपनी सीटों पर बैठ जाइये नहीं तो मुझे आपको नेम करना पड़ेगा । (शोर एवं व्यवधान) मैं आपको दोबारा वॉर्न कर रहा हूं । आप सभी अपनी—अपनी सीटों पर बैठ जाइये और सदन की कार्यवाही में भाग लीजिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : आदरणीय अध्यक्ष जी, (विघ्न)

श्री करण सिंह दलाल : आदरणीय अध्यक्ष जी, जब तक हमारी बात का जवाब नहीं दिया जाएगा तब तक हम किसी को भी बोलने नहीं देंगे । सदन में हमारी आवाज को दबाया जा रहा है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : करण सिंह जी, जब आप सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाह रहे हैं तो फिर आप सरकार से किस बात का जवाब मांग रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे माननीय विपक्ष के नेता श्री अभय सिंह चौटाला और सी.एल.पी. लीडर बहन किरण चौधरी ने सदन में एक मुद्दा उठाया है। इस सदन में सभी जिम्मेवार माननीय सदस्य बैठे हुए हैं और सदन के नेता ने भी संबंधित मुद्दे पर सदन को आश्वस्त किया है कि इस बात की जांच करवाई जाएगी (विघ्न) ।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, हम माननीय मंत्री जी की इन बातों में आने वाले नहीं हैं। मेरा 25 वर्ष का तजुर्बा है इसलिए मैं कहना चाहूँगा कि इस मामले में मुकदमा दर्ज करवाया जाना चाहिए और एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन श्री भारती से इस्तीफा लेना चाहिए। (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष: संधू जी, माननीय मंत्री जी आपकी बात के बारे में ही बता रहे हैं (विघ्न)।

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, संधू जी, क्या यह आपकी पार्टी का फैसला है(विघ्न)। मैं इस बारे में बता रहा हूँ (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, सरकार इस मामले में लीपापोती कर रही है। यह बात सदन में बतायी जानी चाहिए कि संबंधित पैसे कौन—से माननीय मंत्री जी को दिये जाने थे (विघ्न)। इस बात की इन्क्वायरी करवाई जानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष: करण सिंह जी, प्लीज आप बैठ जाएं।

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के माननीय नेता और कांग्रेस की लीडर ने जो आरोप लगाया है उसके बारे में सदन के माननीय नेता ने आश्वस्त किया है कि इस मामले की इन्क्वायरी की जाएगी (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, यह बात पूरे हरियाणा में चल रही है और मीडिया में भी यह टेप वायरल हो चुका है (विघ्न)।

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि मीडिया में तो कोई वैसे ही टेप बनाकर चला सकता है (विघ्न)। आप उस टेप को भी सुन लें (विघ्न)।

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, पहले वाली टेप में जो बात है उस बात को दूसरी टेप साबित करती है (विघ्न)।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, इस बात से तो यह साबित हो जाता है कि सरकार पर प्रैशर है (विघ्न)।

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि इस मामले में एफ.आई.आर. दर्ज करवाए जाने के लिए कह दिया गया है और माननीय सदस्य श्री कुलदीप जी लॉ के जानकार हैं और इनसे ज्यादा

नॉलेज वाला वकील तो हाई कोर्ट में भी नहीं है। माननीय श्री कुलदीप शर्मा जी पूर्व स्पीकर भी हैं। आप लीगल राय भी ले सकते हैं कि कोई भी सरकार जांच से पहले एफ.आई.आर. दर्ज नहीं करवा सकती है (विघ्न)।

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, इस मामले में सुओ—मोटो कॉर्गनीज़ेंस ले सकते हैं (विघ्न)।

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या श्रीमती किरण चौधरी जी भी एडवोकेट हैं और सिर्फ इतना ही फर्क है कि उन्होंने मेरठ यूनिवर्सिटी से लॉ की है और मैंने पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ की है।

श्री जाकिर हुसैन: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने तो माननीय सदस्यों के अन्दर का वकील जगा दिया (विघ्न)।

श्री राम बिलास शर्मा: जाकिर जी, मैंने किसी भी माननीय सदस्य के अन्दर का वकील नहीं जगाया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि हम पूरी प्रामाणिकता के साथ मामले की इन्क्वायरी करवाएंगे (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, अगर यह जांच हो रही है तो संबंधित माननीय मंत्री जी का नाम भी बताया जाए जिसको चेयरमैन के मार्फत पैसे दिये जाने थे (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष: करण सिंह जी, माननीय मंत्री ने कह दिया है कि मामले की जांच करवायी जाएगी (विघ्न)।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, इस मामले में मुकदमा दर्ज क्यों नहीं करवाया जा रहा है। एच.एस.एस.सी के चेयरमैन का इस्तीफा क्यों नहीं लिया जा रहा है (विघ्न) ?

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, जब तक चेयरमैन का इस्तीफा नहीं लिया जाएगा तब तक इन्क्वायरी सही ढंग से नहीं हो सकती है (विघ्न)।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, इस मामले में 45 लाख रुपये का भ्रष्टाचार हुआ हैं (विघ्न)। यह लोकतंत्र का हनन हो रहा है (विघ्न)।

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उस वीडियो में दो लोग बात कर रहे हैं। जिनका इस्तीफा मांगा जा रहा हैं यानि एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन का तो कोई नाम ही नहीं है। इसमें कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। वीडियो में ऐसी कोई बात नहीं की जा रही है (विघ्न)।

सरदार जसविंद्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, उस ऑडियो में साफ—साफ पता चल रहा है। ज्ञान चंद गुप्ता जी, आपको कुछ नहीं पता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज़: संधु जी, आप मेरी बात सुनें। (शोर एवं व्यवधान) उस ऑडियो में दो आदमी आपस में बात कर रहे हैं और इस तरह से वे किसी का भी नाम ले सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) आप तो बिल्कुल गलत बात कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: (शोर एवं व्यवधान) रविंद्र जी, कुछ बोलना चाहते हैं। कृपया आप सब लोग उनकी बात सुनें। (शोर एवं व्यवधान) वे इंडिपेंडेंट आदमी हैं अगर आप इस तरह से व्यवहार करेंगे तो कोई भी सदन में नहीं बोल पाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधु: अध्यक्ष महोदय, मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वे मेरी बातों को नजरअंदाज न करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रविंद्र मछरौली: स्पीकर सर, मैं कुछ कहना चाहता हूं (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: इस बारे में बहुत लम्बी बात—चीत हो गई है, कृपया आप सब अपनी जगह पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधु: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूंगा कि ये इस मामले में एफ.आई.आर. दर्ज करवाएं, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूंगा कि एफ.आई.आर. होने के बाद इसकी इन्वेस्टीगेशन हो जाएगी और सब कुछ साफ—साफ पता चल जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जसविंद्र जी, आप रविंद्र जी की बात सुनें, वे कुछ बोलना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नेशनल लोक दल के सभी सदस्य नारेबाजी करते रहे।)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि आपने इस इशू को लेकर हाउस को एडजन्ड किया और उसके बाद बातचीत आपके चैम्बर में बैठकर हुई। अध्यक्ष महोदय, हम अपने माननीय मुख्यमंत्री जी से केवल यह बात चाहते हैं कि मुख्यमंत्री महोदय हाउस को इस बात का आश्वासन दें कि उस ऑडियो में

जिन लोगों की आपस में कन्वर्सेशन हुई है, क्या मुख्यमंत्री जी उन व्यक्तियों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवाएंगे ? क्या उन दोनों व्यक्तियों की कन्वर्सेशन की जांच किसी एजेंसी के जरिए करवाएंगे ? अध्यक्ष महोदय, अगर मुख्यमंत्री जी केवल यह कहकर हाउस को टालना चाहते हैं कि मैं केवल उसकी जांच करवाऊंगा तो उससे यह पता चलता है कि केवल हाउस के अंदर बैठे हुए सदस्य ही नहीं, बल्कि हाउस के बाहर भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति इस बात से सैटिस्फाइड नहीं होगा। वे यही सोचेंगे कि वह व्यक्ति जो प्रदेश के किसी उच्च पद पर बैठकर हमारे बच्चों को जॉब देकर उनके भविष्य का फैसला करता है, अगर उनके ऊपर लांछन लगे तो हर व्यक्ति इस बात को लेकर चिंतित रहेगा कि अगर कोई व्यक्ति रोजगार या नौकरी पाने के लिए कहीं जाएगा तो उसे अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, यह मामला रिश्वत और भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने स्वयं इस सदन में खड़े होकर इस बात को कहा है कि हम भ्रष्टाचार को कर्तर्द बर्दाश्त या सहन नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूंगा कि जिनके ऊपर आरोप लगाया गया है, वे इनकी पार्टी के 3 लोग हैं जो जिम्मेवारी के पदों पर बैठे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, उन तीनों लोगों में से एक व्यक्ति इनके किसान सैल का प्रदेश अध्यक्ष है, दूसरा नगरपालिका का प्रधान है जो पार्टी की तरफ चुना गया है और तीसरा व्यक्ति हरियाणा सर्विस सलैक्शन बोर्ड का चेयरमैन है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि 100 फीसदी हर आदमी की यहीं चिंता है कि क्या उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी ? अध्यक्ष महोदय, हमारे पेहवा के विधायक जो हमारे सीनियर साथी भी है, उन्होंने इस मुद्दे को उठाया है। हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री जी अपनी तरफ से इस मुद्दे पर पूरे हाउस को आश्वस्त करें ताकि आने वाले समय में सरकार के ऊपर कोई अंगुली न उठाए। हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री जी इस बात पर अपना वक्तव्य दें और यह बताएं कि ये आगे इस मुद्दे पर क्या कार्रवाई करेंगे ?

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, हमने जितनी भी बातें कही हैं उस पर हाउस को संतुष्ट होना चाहिए था, लेकिन उसमें कुछ बातें और स्पष्ट करनी रह गयी है, उसे मैं स्पष्ट कर देता हूं। अध्यक्ष महोदय, जिस ऑडियो की बात की जा रही है वह ऑडियो केवल एक नहीं है, बल्कि दो हैं। अध्यक्ष महोदय, वे दोनों ऑडियो अपने आप में कन्ट्राडिक्ट्री हैं यानी वे दोनों एक-दूसरे के विरोध में हैं। मैं बताना चाहूंगा कि उन दोनों ऑडियो में 2 लोगों की बातचीत है और उन दो लोगों की बातचीत

के बाद रिश्वत लेने का आरोप किसी तीसरे आदमी के ऊपर लगाया जा रहा है। इसमें कहीं भी स्टाफ सलेक्शन कमीशन के चेयरमैन का नाम नहीं है। उनके बेटे का नाम है। यह बात सभी को ध्यान में रखनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हर बेटे का कोई न कोई पिता होता है, लेकिन यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि आरोप किस पर लगा है? (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, जो बात मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं इसमें फर्क है। मुख्यमंत्री जी ने शायद वह रिकार्डिंग नहीं सुनी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने वह रिकार्डिंग सुनी है। इसकी हम जांच करवायेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, रिकार्डिंग में क्लीयरली अशोक सिंगला यह कह रहा है कि मेरी भारती से मुलाकात हुई थी। (शोर एवं व्यवधान) उसने कहा इस बात की कहीं भनक नहीं लगनी चाहिए। अशोक सिंगला कहता है उसका सिर कट जायेगा लेकिन इस बात का धुंआ बाहर नहीं आयेगा। यह सब कुछ उसके बाप के कहने से हुआ है। अगर सदन के नेता मेरी बात सुनना चाहें तो मैं पूरी जानकारी देता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, संधू साहब को मेरी बात सुननी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) मेरे साथी लोकल राजनीति के शिकार हैं। लोकल राजनीति के बारे में यहां विचार नहीं करना चाहिए। वास्तव में जो टेप है उसमें तीन लोगों के बीच बातचीत है जिनकी लोकल राजनीति है और उनके साथ संधू साहब जुड़ रहे हैं। हमें यहां लोकल राजनीति से उपर उठकर बात करनी चाहिए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी मेरी बात सुनें। दोनों टेप्स कंट्राडिक्ट्री हैं इसलिए दोनों टेप्स की जांच करानी जरूरी है और उन दोनों टेप्स की जांच कराने की बात मैंने स्वीकारी है। हम इस रिश्वत के विषय की हमारी बड़ी से बड़ी एजेंसी से जांच करायेंगे और दोषी पाने पर एफ.आई.आर. भी दर्ज होगी और उचित कार्रवाई भी होगी। मैं यही कहना चाहता हूँ कि इस विषय को यदि हम सिस्टम से आगे बढ़ायेंगे तो कार्रवाही होगी। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, हम यह चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : संधू साहब, आपने अपनी बात कह ली है और मुख्यमंत्री जी ने जवाब भी दे दिया है। प्लीज, आप सदन की कार्यवाही चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी स्वयं मान रहे हैं कि पैसे लेने देने की बात हुई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा है कि दोनों टेप्स कंट्राडिक्ट्री हैं। मैंने पैसे के लेन-देन की बात नहीं मानी है। (शोर एवं व्यवधान) मेरे साथी इस तरह से गलत राजनैतिक पक्ष न लें। ऐसा करना निंदनीय है। (शोर एवं व्यवधान) इस तरह से बिना तथ्यों के सदन में बैठकर राजनीति करना और बाहर जाकर कहना कि हमने फलां विषय उठा दिया, ऐसा करना गलत है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं फिर कहना चाहता हूं कि इस केस की हम जांच करायेंगे और इसमें यदि कोई दोषी होगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। (शोर एवं व्यवधान) इस तरह से लोकल राजनीति की बात यहां करना गलत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, मुख्यमंत्री जी ने जांच कराने की बात कही है। पैसे लेने की बात कहीं नहीं मानी। (शोर एवं व्यवधान) दलाल साहब, प्लीज आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, कुछ बातें ऐसी हैं जो यहां बताना जरूरी है। नगरपालिका, पिहोवा के प्रधान के चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी उससे पहले भारत भूषण से मेरी मीटिंग हुई। हमने दोनों के मैंबर काउंट किए और महेन्द्र सिंह, एम.सी. को प्रधान बनाने के लिए हमारी सहमति हो गई। उसने मुझे कहा कि जितने मैंबर आपके पास हैं वे मेरे पास भेज दो जिस दिन चुनाव होगा उस दिन मैं उनको साथ लेकर चला जाऊंगा। मेरे आदमी उसके साथ चले गये।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य लोकल राजनीति का विषय उठा रहे हैं। मैं पहले भी कह चुका हूं कि लोकल राजनीति पर यहां चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है। हमने इस विषय पर जांच कराने का आश्वासन दे दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मैं उसका जिक्र नहीं करता। महेन्द्र सिंह मेरा क्लासफैलो और मेरे गांव का है। उसको प्रधान बनाने पर सहमति हुई थी और उसके लिए मैंने धन्यवाद भी कर दिया था लेकिन मुझे दो दिन पहले बता दिया गया था कि अशोक सिंगला प्रधान बनेगा। मैंने कहा यह आदमी न बीजेपी का है और न ही इनेलो का है फिर इसके पास एम.सी. कहां से आयेंगे? मुझे भारती जी ने कहा कि संधू साहब अशोक सिंगला ही प्रधान बनेगा। मेरी भारती से उस समय रात को भी बात हुई उसने उस समय भी यही कहा कि अशोक सिंगला ही प्रधान बनेगा। अगले दिन अशोक सिंगला प्रधान बना और सारे शहर में चर्चा हुई कि करोड़ों रुपये खर्च करके प्रधान बना है। यह पैसे खर्च करने की बात वहां घर-घर में पहुंची हुई है। मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं कि टेप्स में कंट्राडिक्ट्री है। अशोक सिंगला ने यह नहीं कहा कि वह उसकी आवाज नहीं है। वह इन सभी बातों से मुकर भी सकता था लेकिन वह यह कह रहा है कि उसे शराब पिलाकर ये बातें उगलवा ली। 15 मिनट की ऑडियो है जिसमें एक-एक शब्द कलीयर है। बलबीर जी ने पूछा कि नौकरियों के बारे में आपकी क्या बात है। उसने कहा पहले मेरे दो भतीजे लगने दो उसके बाद लोग नोटों की गडिडयां लेकर उसके पीछे आयेंगे उसके बाद तुम्हारे भी लगवा दूंगा। उस टेप में सभी शब्द कलीयर हैं और कोई बात नहीं छुपी हुई। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार जीरो टोलरेंस की बात करती है और यह विषय मुख्यमंत्री जी के किरदार पर सवालिया निशान है। यदि मुख्यमंत्री जी इस मामले से अपने आपको पाक साफ रखना चाहते हैं तो मुकदमा दर्ज करवायें और उससे इस्तीफा लिया जाये। यदि वह दोषी न पाया जाये तो दोबारा बन जायेगा। यदि इस मामले में सरकार लीपापोती करेगी तो यह गलत होगा और भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा देने का कार्य होगा। हम इस मामले पर बिलकुल भी समझौता करने को तैयार नहीं हैं। इसका मतलब सरकार उनको शह दे रही है। जो छोटे कर्मचारी पटवारी/हवलदार आदि पर रिश्वत के आरोप लगते हैं तो तुरंत मुकदमा दर्ज हो जाता है और हवालात भेज दिया जाता है और स्टाफ सलेक्शन कमीशन के चेयरमैन का बेटा 45 लाख रुपये रिश्वत के लेकर घर चला जाये और उसका बाप उस पर मोहर लगा दे। इस तरह के मामले में मुख्यमंत्री जी केवल जांच कराने की बात करें यह अच्छी बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी इस मामले में पहले मुकदमा दर्ज करें, उसके बाद जांच

करवायें । जब तक मुकदमा ही दर्ज नहीं होगा तो जांच किस आधार पर होगी ।
(शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारा तीन साल का अनुभव है जिसमें स्टाफ सलेक्शन कमीशन के बारे में किसी तरह की कोई शिकायत हमें नहीं मिली है । उसके चेयरमैन ईमानदारी से काम कर रहे हैं । इस तीन साल में उनके खिलाफ किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है । लोकल राजनीति के आधार पर किसी से इस्तीफा लेने का कोई कारण नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) यदि विपक्ष के साथी सदन को सुचारू रूप से चलाना चाहते हैं तो चलायें नहीं तो बाहर जा सकते हैं । इस महान सदन का समय बहुत कीमती है । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, पहले मुकदमा दर्ज होना चाहिए ।
(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : संधू साहब, मुख्यमंत्री जी ने जांच करवाने की बात कह दी है । अब प्लीज आप बैठें । पहले ही इस विषय पर सदन का बहुत समय बर्बाद हो चुका है ।
(शोर एवं व्यवधान)

सदस्यगण को नेम करना

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : संधू साहब, प्लीज आप बैठें । (शोर एवं व्यवधान) आप इस तरह से सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते । (शोर एवं व्यवधान) आप बहुत बोल चुके हैं । आप अपनी सीट पर बैठ जायें । मैं आपको वार्न करता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : संधू साहब, आप प्लीज अपनी सीट पर बैठें । मैं आपको वार्न करता हूं । यदि आप इसी तरह का व्यवहार करेंगे तो मुझे आपको आज की सदन की कार्यवाही के लिए नेम करना पड़ेगा । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैं जसविन्द्र सिंह संधू जी को सदन की कार्यवाही से आज के लिए नेम करता हूं । संधू साहब, आप सदन से बाहर जायें । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैं सार्जेंट एट आर्म्ज को आदेश देता हूं कि श्री जसविन्द्र सिंह संधू को सदन से बाहर लेकर जायें। (शोर एवं व्यवधान) मेरी इजाजत के बगैर जो भी सदस्य बोल रहे हैं उनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सरदार जसविन्द्र सिंह संधू सदन से बाहर नहीं गए।)

श्री अध्यक्ष: मैं सार्जेंट एट आर्म्ज को पुनः आदेश देता हूं कि श्री जसविन्द्र सिंह संधू को सदन से बाहर लेकर जायें। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सार्जेंट एट आर्म्ज, वाच एंड वार्ड स्टाफ की मदद से सरदार जसविन्द्र सिंह संधू को अध्यक्ष महोदय के आदेशों की पालना करते हुए सदन से बाहर ले गए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अगर इसी तरह से कांग्रेस और इनेलो पार्टी के सदस्य सदन की कार्यवाही में बाधा डालेंगे तो मुझे सभी को नेम करना पड़ेगा। प्लीज, आप सभी अपनी—अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, *** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी ने ऐसी कोई बात नहीं कही जिसके कारण उसे आपने नेम कर दिया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, उन्होंने एक विषय रखा था और मुख्यमंत्री जी ने जवाब दे दिया उसके बाद वह विषय वहीं रुक जाना चाहिए था। उसके बाद कोई दूसरी

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

बात नहीं रहती । संधू जी सदन की कार्यवाही ही नहीं चलने दे रहे थे और मेरे कहने पर भी नहीं बैठ रहे थे इसलिए उनको नेम करना पड़ा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, संधू साहब ने कोई कड़ी बात नहीं कही जिसके कारण आपको उन्हें नेम करने का फैसला लेना पड़ा । हम आपसे ऐसी उम्मीद नहीं करते । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : यदि कोई सदस्य सदन की कार्यवाही चलने ही नहीं देगा तो उसे नेम करना ही पड़ेगा । सदन की कार्यवाही में बाधा डालना अपने आप में बहुत बड़ी बात है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है । (शोर एवं व्यवधान) यदि मुख्यमंत्री जी यह कह देंगे कि वे कार्यवाही नहीं करेंगे तो विपक्ष चुप नहीं बैठेगा । (शोर एवं व्यवधान) यदि कोई मुख्यमंत्री बन जाये तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह गुनाहगारों को बचाने का कार्य करें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, मुख्यमंत्री जी किसी गुनाहगार को बचाना नहीं चाह रहे, उन्होंने तुरंत जांच कराने की बात कह दी है । आज तक इतनी जल्दी जांच कराने की बात किसी ने नहीं कही यह रिकार्ड की बात है । (शोर एवं व्यवधान) अब यह विषय यहीं समाप्त हो जाना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 45 लाख रुपये खाये गये हैं और विधान सभा में कहा जा रहा है कि वह ईमानदार आदमी है और आप सरकार की ईमानदारी का विधान सभा में ठप्पा लगवा रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप सरकार की ताईद करते हुए हमारे सदस्य को नेम करके विपक्ष की आवाज दबाने का कार्य कर रहे हो । संधू साहब ने सारे तथ्यों के साथ बात रखी है । (शोर एवं व्यवधान) सदन चलाने का यह कोई तरीका नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) इस तरह से सदन किस प्रकार से चलेगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, सदन तो आप चलने ही नहीं दे रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान) यदि कोई सदस्य सदन की कार्यवाही में बाधा डालेगा तो उसे नेम करना ही पड़ता है । सदन की कार्यवाही चलाना मेरा दायित्व बनता है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप हमारे साथ ऐसा करेंगे यह उम्मीद हमें बिलकुल नहीं थी । (शोर एवं व्यवधान) हमारे सदस्य ने ऐसी कोई बात नहीं कही जिसके कारण उसे नेम करना पड़े । (शोर एवं व्यवधान) हम केवल यही कह रहे हैं कि जिन लोगों के बारे में टेप सामने आई है उनके खिलाफ मुख्यमंत्री जी तुरंत कार्रवाही करवायें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, प्लीज आप बैठें । आप मुझे मजबूर न करें कि आपको भी नेम किया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी तुरंत कार्रवाही करने के बजाय इस विषय को घुमाने—फिराने की बात कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह तो केवल और केवल हमारे साथ धक्का है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, प्लीज आप बैठें । आप मुझे मजबूर न करें कि आपको भी नेम किया जाये । (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी ने आश्वासन दे दिया है कि इस विषय की जांच करवाई जायेगी और यदि कोई दोषी होगा तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जायेगा । मुख्यमंत्री जी का यह पर्याप्त आश्वासन है । (शोर एवं व्यवधान) प्लीज, आप बैठें । आपको मालूम है कि मैं आपको नेम नहीं करना चाहता इसलिए आप इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चाहे प्रश्नकाल हो, चाहे जीरो आवर हो या कोई दूसरी डिबेट हो उसमें सरकार जवाब देने के बजाय भागने का काम कर रही है । (शोर एवं व्यवधान) आप इस तरह से भागने वाली सरकार को बचाने का कार्य कर रहे हैं यह बहुत गलत है । (शोर एवं व्यवधान) भ्रष्टाचार के खिलाफ हम आवाज उठाते हैं तो हमें नेम किया जाता है । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह तो हमारे साथ धक्का है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठें । ऐसा नहीं होता कि कोई किसी पर इल्जाम लगा दे और उसको सजा दे दी जाये । चाहे कितना भी बड़ा अपराध हो उसकी भी जांच की जाती है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी उस ऐजेन्सी का नाम बतायें जिससे वे इन्क्वायरी करवाना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप सभी अपनी सीटों पर बैठ जाइये अन्यथा मुझे आप सभी को नेम करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री जी ने आश्वासन दे दिया है कि इन्कवायरी करवायेंगे तथा उसमें जो भी दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने तो उनको क्लीन चिट दे दी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, उन्होंने क्लीन चिट नहीं दी है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि हम जांच करवायेंगे और जो भी दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। जो बड़े से बड़े अपराध होते हैं उनकी भी जांच होती है। आपकी पार्टी के विधायक बोलना चाहते हैं। आप अपनी सीटों पर बैठिये। पहले श्री असीम गोयल जी बजट पर बोल लेते हैं, उसके बाद आप बोल लेना। अभय जी, आपकी पार्टी के सभी विधायक बोलना चाहते हैं, इनको अपने विधान सभा क्षेत्र की बातें उठानी हैं लेकिन ये आपके डर के कारण खड़े हुये हैं। आप बैठिये आपको बोलने के लिए समय दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के विधायक अपनी सीटों पर खड़े हो कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, आप सभी अपनी सीटों पर बैठ जाइये अन्यथा मुझे आपको नेम करना पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को कहना चाहता हूं कि उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवाई जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अभय जी, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जांच करवाने और दोषी पाये जाने पर कार्रवाई के लिए आश्वासन दिया है। इस प्रकार से जांच से पहले किसी के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज नहीं हो सकती है। जिसने पैसे देने की बात कही है अब वह अपनी बात से मुकर रहा है इसलिए इसकी जांच करवाई जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने तो उनको क्लीन चिट दे दी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, मुख्यमंत्री जी ने कलीन चिट नहीं दी है बल्कि इन्कवायरी करवाने की बात कही है। दूसरी बात यह है कि इतने बड़े हाउस के सामने कैसे कोई कलीन चिट दे सकता है। अगर कोई दोषी है तो वह कैसे बच जायेगा। यहां पर इतना बड़ा हाउस बैठा हुआ है ऐसे कोई कैसे बच जायेगा। मुख्यमंत्री जी इतने बड़े हाउस के सामने आश्वासन दे रहे हैं यह कोई छोटी बात नहीं है। मुख्यमंत्री जी ने यह कहा है कि पिछले 3 साल में उसकी कोई शिकायत नहीं आई है। अब किसी आदमी ने शराब पी कर कुछ कह दिया है उसकी जांच करवा लेते हैं। इस मामले में इस प्रकार का भी संकेत मिल रहा है कि यह उन दोनों का राजनीतिक मामला है। आप अपनी सीटों पर बैठिये और आपको बजट पर बोलने के लिए समय दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय नेता प्रतिपक्ष श्री अभय सिंह चौटाला सदन की वैल में आकर अध्यक्ष महोदय से उपरोक्त विषय में तर्क-वितर्क करने लगे।)

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य और सत्ता पक्ष के कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर नारे बाजी करने लगे।)

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनिये (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, अगर आप मेरे बार-बार कहने के बावजूद भी अपनी सीटों पर नहीं बैठते हैं तो मैं इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी के सर्वश्री अभय सिंह चौटाला, अनूप धानक, बलवान सिंह दौलतपुरिया, हरिचन्द मिढ़ा, केहर सिंह, मक्खन लाल सिंगला, नसीम अहमद, ओम प्रकाश बरवा, परमेन्द्र सिंह ठुल, पिरथी सिंह, राजदीप सिंह फौगाट, राम चन्द कम्बोज, रणबीर गंगवा, रविन्द्र बलियाला, वेद नारंग और जाकिर हुसैन को नेम करता हूं और इन सभी सदस्यों से निवेदन करता हूं कि वे हाउस से बाहर चले जाएं।

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों ने नारेबाजी करनी शुरू कर दी और वे सदन से बाहर नहीं गए।)

श्री अध्यक्ष : आपको नेम किया जा चुका है इसलिए अब आप हाउस से बाहर चले जाएं।

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के नेम किए हुए सभी माननीय सदस्य सदन से बाहर नहीं गये।)

श्री अध्यक्ष : मैं सार्जेंट-एट-आर्म्ज को निर्देश देता हूं कि वह मेरे निर्देश का पालन करें नेम किए हुए सदस्यों को सदन से बाहर ले जाएं।

(इस समय सार्जेंट-एट-आर्म्ज वॉच एण्ड वार्ड स्टाफ की मदद से अध्यक्ष महोदय के निर्देश का पालन करते हुए नेम किए हुए सदस्यों को सदन से बाहर ले गए।)

श्री रविन्द्र मछरौली: स्पीकर सर, आज सदन का सारा समय कौन भ्रष्टाचारी है और कौन नहीं, केवल इसी बात में ही निकलता जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश की जनता हमारी तरफ देख रही है कि हम उनकी समस्याओं को सदन में उठाकर समाधान निकालें इसलिए मेरा आपके माध्यम से कांग्रेस के सदस्यों से अनुरोध है कि उन्हें सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए। मेरे कांग्रेस के कई साथी अच्छे खासे वकील हैं। क्या इनको इस बात का पता नहीं होना चाहिए कि जैसे कि मैं और मेरी साथी सदस्य श्री जसबीर सिंह देशवाल जी अगर आपस में फोन करते हुए यह कह दें कि यह पैसे मुख्यमंत्री को देकर आने हैं तो क्या इस अवस्था में मुख्यमंत्री जी दोषी माने जायेंगे? सदन का समय बहुत महत्वपूर्ण होता है और इस समय का प्रयोग हमें जनता की आवाज को उठाने के लिए करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी में बड़े-बड़े माननीय सदस्य वकील हैं अतः उन्हें इस तरह की बेबुनियादी बातें नहीं करनी चाहिए। यह शोभा नहीं देता है और इस प्रकार से एक तरह से सदन का समय ही खराब होता है। इस बात का बाद में भी फैसला हो सकता है लेकिन सदन को चलने दिया जाना चाहिए। अगर इन कांग्रेस के लोगों को सदन से बाहर जाना है तो बेशक जायें बहाना बनाकर सदन से बाहर जाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हम इंडिपैंडेंट सदस्यों को तो वैसे ही बोलने का कम समय मिलता है और अगर कांग्रेस के सदस्य सदन से बाहर जाते हैं तो अच्छी बात होगी क्योंकि कम से कम हम इंडिपैंडेंट सदस्यों को बोलने का तो ज्यादा समय मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, अगर सच कहूं तो अब जब इंडियन नैशनल लोकदल पार्टी के सदस्यों को नेम किया गया है और वे बाहर चले गए हैं तब जाकर ही हमें बोलने का अवसर प्राप्त हुआ है और अगर कांग्रेस की पार्टी के सदस्य भी सदन से बाहर चले जायेंगे तो हम इंडिपैंडेंट सदस्यों को शायद और अधिक बोलने का समय मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से कांग्रेस पार्टी के सदस्यों से पुनः अनुरोध है कि इस हाऊस को चलने दिया जाये। भ्रष्टाचार का कौन दोषी है और कौन दोषी नहीं है, अगर इसकी जांच बैठानी है तो हम इंडिपैंडेंट उम्मीदवारों की एक कमेटी बना दो, हम 15 दिन के अन्दर अन्दर इस मामले की जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करते हुए सारी वस्तु स्थिति से अवगत करा देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान: स्पीकर सर, आज सदन में विपक्ष की तरफ से भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई गई जिसकी वजह से सदन में गतिरोध पैदा हो गया। मुझे इस सदन का सदस्य बनकर आते हुए 30 साल का एक लंबा समय बीत चुका है। भ्रष्टाचार के खिलाफ यदि कभी विपक्ष ने आवाज उठाई है तो मैंने कभी नहीं देखा कि विपक्ष की आवाज को कभी दबाया गया हो या इस तरह से नेम किया गया हो? अतः मेरा सुझाव है जो साथी नेम किए गए हैं उनको वापिस बुलाया जाये और दूसरा मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वे किस उलझन में पड़े हैं और किसके लिए पड़े हैं, वे शरीफ आदमी हैं, उनको जिस व्यक्ति पर आरोप लगा, उसका इस्तीफा लेकर एफ.आई.आर. दर्ज करा देनी चाहिए और * कर देना चाहिए और हाऊस को चलने देना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को यह भी कहना चाहूंगा कि कहीं न कहीं इस पूरे प्रकरण की लपटें उन तक भी जरूर आयेंगी। (शोर एवं व्यवधान) यह कोई छोटा मुद्दा नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) यह विधान सभा में भी चलेगा और बाहर भी चलेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: डॉ. रघुवीर सिंह कादियान द्वारा प्रयोग किए गए * शब्द को रिकॉर्ड न किया जाये।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, डॉ. रघुवीर सिंह कादियान इस सदन के एक माननीय सदस्य हैं और इस महान सदन के स्पीकर के पद पर भी रहे हैं। यह जो * वाली बात इनके द्वारा कही गई है यह सदन की कार्यवाही में रिकार्ड न की जाये और मुझे डॉक्टर रघुवीर सिंह कादियान पर बड़ा मोह आ रहा है कि he is a doctor of Animal Sciences और फिर भी वे इस तरह की बातें कर रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: शर्मा जी, * शब्द को सदन की कार्यवाही में रिकॉर्ड न करने के बारे में मैंने कह दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, आज यदि डॉ. कादियान जी ने अध्यक्ष महोदय की अनुमति से माननीय मुख्यमंत्री जी को संबोधित करते हुए सदन में * शब्द का

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

प्रयोग किया है तो शिक्षा मंत्री जी उसको सदन की कार्यवाही से निकलवाने की बात कह रहे हैं लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए कि लोहारू की जनसभा में उन्होंने जो माटडा बलद का प्रयोग किया था, वह शब्द किसके लिए प्रयोग किए गए थे? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कुलदीप जी, प्लीज बैठिए और कादियान जी को अपनी बात रखने दें। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, मेरा पुनः निवेदन है कि विपक्ष को सदन में बुलाया जाये और मुख्यमंत्री जी ने जो कार्रवाई की बात कही है वे उस बात को मोडिफाई करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कादियान जी, आप फिर उसी विषय पर आ गए, आप प्लीज बैठिए। असीम गोयल जी अपनी बात रखना चाह रहे हैं, उनको अपनी बात कहने दें।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, मैं बोलना चाहती हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, आपके साथ अभी बात तो हो चुकी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, बड़े स्पष्ट तरीके से यही बात हुई थी। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने कहा है कि हम इन्क्वायरी करवायेंगे अगर दो आदमी कोई भी कुछ भी ऐसे बोल सकते हैं, तो अध्यक्ष महोदय, उनके खिलाफ भी एफ.आई.आर. दर्ज होनी चाहिए क्योंकि यदि कोई भी एक व्यक्ति किसी भी दूसरे व्यक्ति के बारे में कुछ भी बोल दें, फिर तो दूसरा आदमी कहीं का भी नहीं रह जायेगा। अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता इन्क्वायरी तभी करवा सकते हैं जब एफ.आई.आर. दर्ज होगी या फिर आप उनसे इस्तीफे की मांग कर सकते हैं। अगर वे इस्तीफा नहीं देते हैं तो सही तरीके से इन्क्वायरी कैसे हो सकती है? यह भ्रष्टाचार का मामला है। सत्य बात यह है कि मुख्यमंत्री जी आपका स्टैचर बहुत ऊँचा है। सच्चाई यह है कि जो कादियान साहब ने कहा कि इसकी लपटें बहुत दूर तक जायेगी, मुख्यमंत्री जी, यह भी अंदेशा है कि कुछ लोग आपको उसमें न लपेट लें। सरकार के द्वारा हमेशा 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही जाती है। खासतौर पर जब यह कहा जाता है कि हमारी सरकार 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर विश्वास रखती है। इसलिए मुख्यमंत्री जी आपको एफ.आई.आर. दर्ज करके इसको पार करना चाहिए। अगर दोषी पाये जायेंगे तो आगे कार्रवाई हो जायेगी अगर दोषी नहीं होंगे

तो एफ.आई.आर. रद्द हो जायेगी। इसमें कौन सी लम्बी—चौड़ी बात है। अध्यक्ष महोदय, सारा विपक्ष जब एफ.आई.आर. के लिए कह रहा है तो माननीय मुख्यमंत्री जी आपको इस बारे में सीरियसली सोचना चाहिए और तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, यह इच्छायरी का सवाल नहीं है बल्कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की रहबरी का सवाल है।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, किसी शायर ने कहा है—

“ न इधर—उधर की बात कर, यह बता कि काफिला क्यों लुटा,
हमें राहजनी का नहीं मलाल, तेरी रहबरी का सवाल था । ”

अध्यक्ष महोदय, कानूनी बात यह है कि जिस व्यक्ति की आवाज है। उसने कहा कि मैंने पैसे दिए हैं। जब एक व्यक्ति की आवाज ऑडियो पर आ गई है कि ये 45 लाख रुपये मैंने दिए हैं। यह दो व्यक्तियों के बीच की बात नहीं रह गई है। उसका जो डिनायल होता है, उसकी जो पहली बात है, वह यह है कि उसको साबित करवाएं कि जो कुछ मैंने कहा वह मुझसे शराब के नशे में कहलवा लिया है। इसका मतलब यह है कि जो उसने पहली बात कही कि 45 लाख रुपये मैंने दिए हैं, वह सत्य है। वह बात उसने किस आधार पर कही है और क्या—क्या बातें हुई हैं, इस बात की जांच होनी चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी बहुत शरीफ आदमी है और मैंने बहुत बढ़िया डॉक्टर माना है।

श्री मनोहर लाल : कुलदीप जी, क्या बाकी सदस्य बदमाश हैं?

श्री कुलदीप शर्मा : मुख्यमंत्री जी, नहीं नहीं। सभी मेरे लिए सम्मानित सदस्य हैं। लेकिन माननीय मुख्यमंत्री सभी सदस्यों में सबसे ज्यादा शरीफ आप हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय को एक सुझाव देना चाहता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री जी बड़े चतुर व्यक्ति हैं। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को डॉ० मनोहर लाल कहने लगा हूँ क्योंकि इन्होंने जो आज इलाज किया है वह भारतीय जनता पार्टी में सबसे लम्बे कद के व्यक्ति का इलाज किया है। इलाज क्यों करना पड़ा, यह तो माननीय मुख्यमंत्री महोदय स्वयं ही बतायेंगे। एक बात निश्चित है

17.00बजे देखिए कि Ceasar's wife has to be above suspicion. सीज़र की वाईफ पर भी किसी प्रकार का संदेह नहीं होना चाहिए। यहां माननीय मुख्यमंत्री जी के नजदीकी व्यक्ति का सवाल है और वह व्यक्ति ऐसी जगह बैठा है, जहाँ से हजारों नौकरियां निकलती हैं, जहाँ पर पारदर्शिता का एक बहुत बड़ा बिन्दु है और जहाँ पर भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार का एक दावा है। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ जब आरोप लगते हैं तो लगने दें क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री महोदय को न तो किसी के साथ रिश्तेदारी निभानी है और न ही किसी के साथ मित्रता निभानी है। यह एक सिम्पल सा तरीका है और विपक्ष की भी मांग है, इसलिए माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में यह कह दें कि उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करके उनको पद से हटा देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, सोशल मीडिया में तो पहले भी एक ऑडियो वायरल हुई थी। उस नैतिकता के आधार पर चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को इस्तीफा दे देना चाहिए था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ललित नागर : अध्यक्ष महोदय, जब तक एफ.आई.आर. दर्ज नहीं होगी तब तक हम मानने वाले नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ललित जी, आप अपनी सीट पर बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, सरकार को एफ.आई.आर. दर्ज करनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ पवन सैनी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी इस पर अपना बयान दे चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, इसमें सरकार को एफ.आई.आर. दर्ज करने में क्या दिक्कत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, सरकार क्यों नहीं एफ.आई.आर. दर्ज कर रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ कहना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सभी माननीय सदस्यगण अपनी—अपनी सीटों पर बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय के बयान देने के बाद कोई प्रतिक्रिया नहीं रह जाती है। (शोर एवं व्यवधान) यह मामला मेरे जिले से संबंधित है, इसलिए मैं कुछ बातें सदन के पटल पर रखना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कांग्रेस के सभी सदस्यों से अपील है कि सभी अपनी—अपनी सीटों पर बैठ जायें और सदन की कार्यवाही चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सदन में उपस्थित सभी कांग्रेस के सदस्यों ने अपनी—अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करनी शुरू कर दी।)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, आप हमें नेम करना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सदन आप लोगों को नेम नहीं करना चाहता लेकिन आप स्वयं नेम होना चाहते हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती शकुन्तला खटक : अध्यक्ष महोदय, जब तक एफ.आई.आर. दर्ज नहीं होगी तब तक हम नहीं मानेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अगर आप मेरे बार—बार कहने के बावजूद भी अपनी—अपनी सीटों पर नहीं बैठते हैं तो मैं माननीय सदस्यों सर्वश्री/श्रीमती आनंद सिंह दांगी, गीता भुक्कल, जगबीर सिंह मलिक, जय तीर्थ, जयवीर सिंह, करण सिंह दलाल, किरण चौधरी, कुलदीप शर्मा, ललित नागर, डॉ० रघुवीर सिंह कादियान, शकुन्तला खटक, श्री कृष्ण, और उदय भान को नेम करता हूँ और इन सभी से निवेदन करता हूँ कि वे हाउस से बाहर चले जाएं।

(इस समय सदन में उपस्थित सभी कांग्रेस के सदस्यगण वेल में आकर अध्यक्ष महोदय से तर्क—वितर्क करने लगे।)

श्री अध्यक्ष : मैं सार्जेट ऐट आर्म्ज को आदेश देता हूँ कि नेम किए हुए सदस्यों को सदन से बाहर लेकर जायें। (शोर एवं व्यवधान) मेरी इजाजत के बाहर जो भी सदस्य बोल रहे हैं, उनकी कोई बात रिकॉर्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय नेम किए गए सदस्यगण सदन से बाहर नहीं गए)

श्री अध्यक्ष : मैं सार्जेंट ऐट आर्म्ज को पुनः आदेश देता हूँ कि नेम किए हुए सदस्यों को सदन से बाहर लेकर जायें।

(इस समय सार्जेंट ऐट आर्म्ज वॉच एण्ड वार्ड स्टॉफ की मदद से नेम किए हुए सदस्यगण को अध्यक्ष महोदय के ऑर्डर्स की पालना करते हुए सदन से बाहर ले गए।)

श्री कृष्ण कुमार बेदी: अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के अगेंस्ट एफ.आई.आर. दर्ज करवायी जाती है तो कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्य कहेंगे कि यह कार्य बदले की भावना से किया गया है (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष: मैंने कांग्रेस के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों को नेम कर दिया है (विघ्न)।

श्री कृष्ण कुमार बेदी: अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के खिलाफ चार्जशीट दायर की जाती है तो कांग्रेस के माननीय सदस्य कहेंगे कि सरकार बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है और दूसरों को फांसी तोड़ने के लिए कह रहे हैं (विघ्न)। यह तो यूपी. वाला गठबंधन है। यह सांप और छछूंदर का गठबंधन है। मायावती—अखिलेश यादव वाला गठबंधन है। (विघ्न) माननीय विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तो बदले की भावना कहा जाता है। (विघ्न) माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस मामले में एफ.आई.आर. दर्ज करवाने के लिए सदन को आश्वस्त किया है (विघ्न)।

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, यह भ्रष्टचार का मामला है। इसलिए इस मामले में एफ.आई.आर. दर्ज करवायी जानी चाहिए (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष: माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस मामले की जांच करवाने के लिए आश्वासन दिया है (विघ्न)।

श्री कृष्ण कुमार बेदी: अध्यक्ष महोदय, श्री अशोक तंवर जी ने एस.सी./एस.टी. के तहत पर्चा दर्ज करवा रखा है परन्तु इस बारे में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और उस मामले की जांच चल रही है। पहले किसी भी मामले की जांच की जाती है उसके बाद ही एक्शन लिया जाता है। माननीय सदस्य अपने पार्टी अध्यक्ष श्री अशोक तंवर जी के मामले में कुछ नहीं कह रहे हैं (विघ्न)। आज कांग्रेस के

माननीय सदस्यों के पास कोई एजेंडा नहीं है इसलिए सदन से बाहर जा रहे हैं। श्री अशोक तंवर जी को पीटने वाले की कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उस मामले में कोई गिरफ्तारी होगी (विघ्न)। माननीय मुख्य मंत्री जी ने जांच करवाने के आदेश दे दिये हैं अगर कोई दोषी पाया जाएगा तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी (विघ्न)। त्रिपुरा और नागालैंड के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के कारण माननीय सदस्यों को यह बात हजम नहीं हो रही है। इन नतीजों के बाद इनैलो और कांग्रेस पार्टी के लोग बौखलाए हुए हैं।

डॉ० पवन कुमार सैनी: अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है (विघ्न)।

.....

बल्लभगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में गुरुग्राम नहर पर पुल के गिरने से संबंधित मामला उठाना

पंडित मूल चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि परसों मेरे शहर बल्लभगढ़ उद्योग नगर के नगर निगम एरिया में पूल टूट गया है जिसके कारण पूरा शहर जाम की स्थिति में आ गया है।

श्री अध्यक्ष: मूल चन्द जी, यह क्वेशचन ऑवर नहीं है। प्लीज आप बैठ जाएं।

पंडित मूल चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, गुड़गांव कैनाल का पुल दो हिस्सों में टूटकर नहर में गिर गया और उसमें 4 ट्रक और 3 गाड़ियां फंसी रह गयी हैं जिसके कारण सारे शहर में जाम लग गया है और रास्ता बन्द हो गया है। हमारे शहर के सैकटर नं 0 24, 25, 55, 58 और 59 डिवाईड हो गये हैं इन सैकटरों की तरफ जाने के लिए रास्ता नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस पुल के टूटने के मामले की जांच करवायी जाए। यह पुल कांग्रेस पार्टी के कार्यकाल में बनाया गया था और यह पुल टूटने के कारण कांग्रेस सरकार की निशानी भी गिर गयी है। इस मामले की इन्क्वायरी करवाई जाए कि यह पुल किसने बनवाया और हैवी व्हीकलज के निकलने के कारण टूटा या कैसे यह पुल टूट गया, इसकी इन्क्वायरी करवाई जाए। इसके अतिरिक्त संबंधित पुल को जल्दी से जल्दी बनाया जाए ताकि लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में कोई परेशानी न हो।

वर्ष 2018–2019 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा

श्री अध्यक्ष : मानीय सदस्यगण, अब बजट पर सामान्य चर्चा प्रारम्भ होगी और श्री असीम गोयल जी चर्चा प्रारम्भ करेंगे।

श्री असीम गोयल (अंबाला शहर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस सदन में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, अभी—अभी विपक्षी दलों ने इस महान सदन की गरिमा को तार—तार करने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी की इन तीन राज्यों में जीत के बाद इन लोगों के पास कोई मुद्रा बचा ही नहीं है और ये मुद्राओं से भागने की कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इन दोनों विपक्षी दलों की फितरत है कि आरोप लगाओ और भाग जाओ। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि विपक्षी दलों ने आज से पहले जितने भी बजट हरियाणा सरकार में पेश किए हैं, वह केवल और केवल वोट तंत्र का नमूना होता था। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों ने बजट के माध्यम से लोक—लुभावनी बातें और लोक—लुभावने मुद्रे करके जनता को बरगलाने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारी भारतीय जनता पार्टी की यह पहली सरकार आई है जिसने सर्वस्पर्शी और सर्वहितकारी बजट हरियाणा के अंदर प्रस्तुत किया। मैं इसके लिए आदरणीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी, आदरणीय वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु जी और सरकार के सभी मंत्रियों और विधायकों को बधाई देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जो सरकार को कुल राजस्व आता है और उससे अधिक जो खर्च होता है उसको राजकोषीय घाटा कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, एक रिपोर्ट थी कि राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत से ऊपर नहीं जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब हमें विरासत में इस हरियाणा की बागड़ोर मिली, उस समय यह राजकोषीय घाटा 4.82 था। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने इस राजकोषीय घाटे को लगातार कम करने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, आज मुझे बताते हुए हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है कि हमारी सरकार ने इस राजकोषीय घाटा को 2.82 पर लाकर खड़ा कर दिया है जो कि 3 प्रतिशत से कम है, जिसका मतलब है कि हमारी सरकार ने हरियाणा प्रदेश को राजकोषीय घाटे के मामले में एक आइडियल स्थिति पर लाकर खड़ा कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारे कांग्रेस के साथी इस सदन में नहीं हैं, लेकिन मैं एक बात इस सदन को बताना चाहूंगा कि स्लम डॉग मिलेनियर नाम की एक फिल्म जो 23 जनवरी, 2009 को रिलीज हुई थी, जिसे ऑस्कर—अवॉर्ड भी मिला

था। अध्यक्ष महोदय, जब उस फिल्म को ऑस्कर—अवार्ड मिला तो उसके डायरेक्टर डैनी बॉयल से मीडिया और पत्रकार लोगों ने पूछा कि आपने इतनी अच्छी फिल्म बनाई है, जिसे ऑस्कर—अवार्ड मिला है, आप इसका श्रेय किसे देना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद डैनी बॉयल ने जवाब दिया कि मैं इसका श्रेय भारत की सरकार को देना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, उनके कहने का भाव यह था कि जो स्लम डॉग मिलेनियर फिल्म थी उसके अंदर जो झोपड़—पट्टी में रहने वाले लोग हैं उनका चित्रण किया गया था और डैनी बॉयल की बात के अंदर कितना बड़ा व्यांग्य था। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने कहा था कि इस ऑस्कर—अवार्ड के लिए मैं भारत सरकार को बधाई देना चाहता हूँ कि न ऐसी निकम्मी सरकार भारत के अंदर होती और न ऐसी स्थितियां बनती कि मैं उसका सही चित्रण पर्दे के ऊपर कर पाता और न मुझे ऑस्कर—अवार्ड मिलता। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूँगा कि विदेश का जो डायरेक्टर आता है वह यह कहता है कि मुझे पूरी दुनिया में सही मामले में ऐसी झोपड़—पट्टी कहीं नहीं मिली जो मुझे भारत के अंदर मिली। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से उन लोगों से एक सवाल पूछना चाहता हूँ कि जो हरियाणा को नम्बर वन बनाने की बात करते थे और भारत को आदर्श देश बनाने की बात करते थे। विदेश के एक डायरैक्टर ने उनकी पोल सरेआम मीडिया के सामने खोली। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूँगा कि हमारी सरकार का जो बजट है उसमें हर प्रकार के आयामों को छूने का काम किया गया है, चाहे शिक्षा की बात हो, चाहे कृषि की बात हो, चाहे स्वास्थ्य की बात हो, चाहे बेटी बचाओ—बेटी पढ़ाओ योजना की बात हो, चाहे बिजली की म्हारा गांव—जगमग गांव योजना की बात हो और चाहे पर्यटन की बात हो। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूँगा कि इस बजट में 29 नए कॉलेज खोलने का प्रावधान किया गया है। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्यमंत्री जी और आदरणीय शिक्षा मंत्री जी की प्रेरणा से एक अनूठा काम हमारे अम्बाला विधान सभा क्षेत्र में हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, अभी हाल ही में बजट अभिभाषण के अंदर आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने स्मार्ट इन्ट्रेक्टिव वर्चुअल क्लास रुम्ज का जो जिक्र किया था। मैं बताना चाहूँगा कि हम 3 साल से अम्बाला के अंदर 3 सरकारी स्कूलों में स्मार्ट इन्ट्रेक्टिव वर्चुअल क्लास रुम्ज को चला रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, लगभग 1500 बच्चों को मैथस और साइस की शिक्षा आकाश, फिट—जी और हैलिक्स जैसे जो बड़े कोचिंग इन्स्टीच्यूट्स हैं उनकी फैकल्टी हमारे बच्चों को दे रही है और अभी—अभी 15 जनवरी को हमने अपने सरकारी स्कूल्ज़ में

विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक बहुत बड़ा क्रांतिकारी कदम उठाया है जिसके तहत इन्हीं सरकारी स्कूल्ज़ में सी—डिक्षनरी का कोर्स हमने शुरू किया है। पुरानी मान्यता के अनुसार हमारी स्मृति के तीन स्तर होते हैं। हमारी स्मृति के जो तीन स्तर हैं वे हैं दृश्य, श्रव्य और पठन। यानि हम जो चीज़ देखते हैं वह लम्बे समय तक याद रहती है और जो चीज़ सुनते हैं वह कम समय के लिए याद रहती है और इसी प्रकार जो चीज़ हम पढ़ते हैं उसे हमें बार—बार रटना पड़ता है अर्थात् बार—बार पढ़ना पड़ता है। स्टीफन क्रैशन एक ऐसे एजुकेशनिस्ट हैं जिन्होंने सी—डिक्षनरी शब्द को इजाद किया है अथात् सी+डिक्षनरी यानि कि डिक्षनरी को देखकर याद करना। यह बात मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि विद्यार्थियों को इस प्रकार से इंगलिश सिखाने की तकनीक पूरे भारतवर्ष के अंदर किसी भी प्राईवेट या सरकारी स्कूल में नहीं चली है। हमने इस तकनीक को अपने अम्बाला में सरकारी स्कूल्ज़ में नौवीं क्लॉस के बच्चों के लिए बिल्कुल निःशुल्क शुरू किया है। यह हमारी सरकार की सबका साथ और सबका विकास की नीति के ऊपर आधारित है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, लखनौर साहब मेरी कांस्टीचुएंसी में है जो कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की ननिहाल है। माता गूजरी जी लखनौर साहिब की थीं। महाराज यादवेन्द्र सिंह जी पंजाब के वर्तमान मुख्यमंत्री श्री अमरेन्द्र सिंह जी के दादा जी थे उन्होंने सन् 1969 में लखनौर साहिब में कॉलेज का निर्माण करने के लिए पत्थर लगाया था। वह पत्थर आज भी मौजूद है लेकिन उससे आगे उस कॉलेज के निर्माण के लिए एक ईंट भी पुरानी सरकारों द्वारा नहीं लगाई गई थी। मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी और आदरणीय वित्तमंत्री जी का धन्यवादी हूं कि उन्होंने इस बजट के अंदर उस लखनौर साहिब के कालेज को माता गूजरी जी के नाम से बनवाने के लिए बजट में आवश्यक धनराशि का प्रावधान किया है। मेरे हल्के की पिछले 50 सालों से यह एक बहुत बड़ी मांग थी जिसको भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान हरियाणा सरकार ने पूरा किया है। अब तक तो सभी सरकारों द्वारा हमारे साथ इस मामले में धोखा ही किया जा रहा था। ऐसा करके हमारे इलाके को उसका वाजिब हक दिलवाने का काम हमारी सरकार ने किया है। मैं इसके लिए भी माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत—बहुत धन्यवादी हूं। आदरणीय स्पीकर महोदय, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का हमारी सरकार ने जो नारा दिया था उसके भी सकारात्मक परिणाम आने शुरू हो गये हैं क्योंकि वर्ष 2011 में जो 1000 लड़कों के पीछे 830 लड़कियां थीं यह

आंकड़ा वर्ष 2017 के अंदर बढ़कर 100 लड़कों के पीछे 914 लड़कियों का हो गया है। ये अपने आप में एक अनूठा रिकार्ड है। इसके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने आदरणीय मुख्यमंत्री जी और उनकी पूरी टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उन्होंने यह भी कहा है कि हरियाणा प्रदेश के अंदर इतनी बड़ी सामाजिक जनचेतना का काम केवल भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा सरकार ही कर सकती थी वरना अब से पहले तक विपक्षी दलों ने केवल राजनीतिक चेतना ही पैदा करने का काम किया है। उन्होंने केवल यही कोशिश की कि हरेक मामले में किस प्रकार से राजनीति की जाये। उन्होंने हरेक चीज़ को राजनीति से जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने बेटा और बेटी के जन्म को भी राजनीति से जोड़ दिया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य तक का भी राजनीतिकरण कर दिया। उन्होंने न तो शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए ही कोई ठोस कदम उठाये और न ही उनके द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में ही कोई सुधार किया गया। केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही एक ऐसी संवेदनशील सरकार है जिसने बेटियों को बचाने का काम किया है। इसी प्रकार से हमारी सरकार द्वारा जगमग योजना को लांच किया गया। हमारी सरकार ने इस योजना के तहत गांवों में 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने का काम किया है। हमारे विपक्ष के साथी कह रहे हैं कि हरियाणा प्रदेश के गांवों में 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। हमारी सरकार के द्वारा हरियाणा प्रदेश के 6500 गांवों में से 1811 गांवों के अंदर 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने का काम किया गया है। मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवादी हूं और उनको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। पंचायतों के चुनावों से पहले आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने हमारी पार्टी के सभी विधायकों को एक-एक फीडर दिया जो उनके विधान सभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा लाईन लॉस का कारण बन रहा था। सभी विधायकों को यह कहा गया कि वे अपने विधान सभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा लाईनलॉस वाले फीडर की गुणवत्ता को सुधारें। उन्होंने लाईन लॉस को कम करने की बात भी कही और साथ में यह कहा कि अगर हम अपने-अपने क्षेत्रों में लाईनलॉस को कम करेंगे तो हमारे क्षेत्रों को 24 घंटे निर्बाध रूप से बिजली की सप्लाई दी जायेगी। हम सभी विधायकों को डाउट था कि पंचायतों के चुनावों से पहले आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने हमें यह क्या काम सौंप दिया? क्या हम इसे कर पायेंगे और क्या इसका जनता में विपरीत संदेश तो नहीं जायेगा? हमें पहले तो यही लगा था कि पंचायत के चुनाव आने वाले हैं और माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह कौन सा काम हमारे जिम्मे लगा

दिया? अध्यक्ष महोदय, लोगों ने ज्यों ही इस बात को समझा तो उन्होंने लाईन लॉस को कम करने के लिए सरकार के प्रयासों में खुद को ईमानदारी से भागीदार बनाया। हम सभी के प्रयासों से अम्बाला पूरे हरियाणा प्रदेश में तीसरा ऐसा जिला बना जहां पर गांवों में 24 घंटे बिजली आने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब जब हम गांवों के अंदर किसी महिला माता—बहन से बात करते हैं तो वह कहती है कि हम सभी माननीय मुख्यमंत्री जी के धन्यवादी हैं जिन्होंने 24 घंटे बिजली देने की व्यवस्था की है क्योंकि पहले की सरकारों के समय में तो वही समय हमारे काम करने का होता था, वही समय बच्चों के स्कूल में आने या जाने का होता था, वही समय आराम करने का होता था और वही समय मनोरंजन करने के लिए होता था। उन्होंने यह भी कहा कि उनको अपने सभी काम लाइट के उस छोटे से स्ट्रैच के अंदर ही पूरे करने होते थे यानि अपने जीवन को अपने तरीके से जीने का अधिकार माता—बहनों को नहीं था लेकिन आज 24 घंटे बिजली आने से वे अपनी स्वतंत्रता से अपने सभी काम कर सकती हैं, आराम भी कर सकती हैं और मनोरंजन भी कर सकती है। इस प्रकार से हमारी सरकार के द्वारा महिलाओं के जीवन के अंदर एक बहुत बड़ा मूलभूत बदलाव लाने का प्रयास किया गया है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा सरकार और आदरणीय मुख्यमंत्री जी बहुत—बहुत बधाई के पात्र हैं। ऐसे ही हमारी सरकार द्वारा उज्जवला योजना के नाम से एक क्रांतिकारी योजना को शुरू किया गया। आज हमारा हरियाणा प्रदेश पूरे देश में पहला ऐसा राज्य है जो कि पूरी तरह से कैरोसिन फ्री है। आज हरियाणा प्रदेश के कैरोसिन फ्री होने से 270 करोड़ रुपये की बचत सरकारी खजाने में हुई है। इतना ही नहीं इससे मां—बहनों को अपने स्वास्थ्य की चिंता किये बिना रसोई के अंदर निर्बाध रूप से काम करने की सुविधा भी प्राप्त हुई है। हमारी केन्द्र और राज्य सरकार ने यह अद्भुत योजना मां—बहनों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए शुरू की है। जहां तक पर्यटन के क्षेत्र की बात है इसमें भी हमारे हरियाणा प्रदेश में आदरणीय मुख्यमंत्री जी, आदरणीय शिक्षा मंत्री जी और आदरणीय बहन कविता जी के सफल प्रयासों से पर्यटन विभाग के समुचित विकास का काम बड़ी तेजी के साथ हो रहा है। अध्यक्ष जी, यह सभी जानते हैं कि किस प्रकार से हमारे प्राचीन धार्मिक स्थलों को पुरानी सरकारों के समय पूरी तरह से लगातार नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। हम सभी लोग धर्म में विश्वास रखने वाले लोग हैं। हम लोग यह मानते हैं कि भगवान् विष्णु के जो नौ अवतार हुए हैं उनमें से पांचवें अवतार

भगवान वामन की जन्मस्थली अम्बाला थी लेकिन पिछली सरकारों की अनदेखी के कारण अम्बाला में भगवान वामन की पहचान सिर्फ एक जीर्ण—शीर्ण तालाब के रूप में ही मौजूद थी। जब मैंने इस बारे में आदरणीय मुख्यमंत्री से बात की और जब मैं उनको उस तालाब पर लेकर गया तो उन्होंने वहां पर खड़े—खड़े ही उस तालाब की जीर्ण—शीर्ण अवस्था को सुधारने के लिए 12 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर दी। मुझे उम्मीद है कि एक साल के अंदर—अंदर ही भगवान वामन की जन्मस्थली के रूप में अम्बाला की पहचान विश्व स्तर पर स्थापित हो जायेगी। इसके लिए मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी का बहुत—बहुत धन्यवाद करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस बजट के अंदर स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 25 प्रतिशत की बढ़ौतरी की गई है। मैं आपके माध्यम से अपने हल्के की एक मांग सरकार के सामने रखना चाहता हूं। बड़े लम्बे समय से माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक सिविल हॉस्पिटल बनाने की हमारी मांग स्वीकार की हुई है लेकिन पिछली बार जो स्वास्थ्य विभाग को बजट अलॉट हुआ था उसमें से स्वास्थ्य विभाग 6 प्रतिशत कम खर्च कर पाया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उसको अलॉट बजट को पूरा खर्च न कर पाना चिंता का विषय है। हमें यह बात बड़े अफसोस के साथ कहनी पड़ रही है। हमारे सिविल हॉस्पिटल के निर्माण का कार्य अभी अधर में ही लटका हुआ है। इसकी फाइल अभी भी हवा में ही लटकी हुई है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध है कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं में शामिल इस 200 से 300 बैडिड हॉस्पिटल का निर्माण भी जल्दी से जल्दी करवाया जाये। आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने मेरे हल्के में दो साल पहले एक स्टेडियम और एक ऑल वैदर स्विमिंग पूल बनाने की भी घोषणा की थी लेकिन इन दोनों सी.एम. अनाउंसमैट्स को भी सम्बंधित विभागों द्वारा किसी न किसी कारण से लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। मेरा आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि वे अपनी इन घोषणाओं को भी पूरा करवायें। एक बहुत बड़ी बात मैं यह बताना चाहूंगा कि हमारे शहर में कोई भी इण्डस्ट्री नहीं है। अम्बाला में इण्डस्ट्री के नाम पर केवल मात्र कपड़ा मार्किट ही है जहां पर कपड़े की होलसेल और रिटेल की दुकानें हैं। अम्बाला में कपड़े की होलसेल और रिटेल की ये दुकानें ही चलती—फिरती इण्डस्ट्री हैं। हमारी इस चलती—फिरती इण्डस्ट्री ने ही लगभग 12000 से 14000 स्किल्ड और अनस्किल्ड बच्चों को रोजगार दे रखा है। वहां पर कपड़े की रिटेल की लगभग 1800 दुकानें हैं। इस प्रकार से लगभग 12 से 14 हजार युवा वहां पर

अपना जीवनयापन कर रहे हैं। मेरा आपके माध्यम से आदरणीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि सरकार द्वारा जो इतने एम.ओ.यूज़. साईन किये गये हैं उनमें से कुछ इण्डस्ट्री हमारे अम्बाला में भी लगाई जाये। कपड़े से जुड़ी इण्डस्ट्री और एक रिसर्च एण्ड डिवैल्पमैट सेंटर भी अम्बाला में स्थापित किया जाये जो कपड़े के बारे में हमारे युवाओं को प्रशिक्षण दे सके कि किस प्रकार से वे फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करें और किस प्रकार से कपड़े के सैक्टर के अंदर वे अपना कैरियर बना सकें। स्पीकर सर, अतीत में मिक्सी इण्डस्ट्री अम्बाला की पहचान हुआ करती थी। अम्बाला में पहले घर—घर में मिक्सी के अलग—अलग पार्ट्स का निर्माण होता था। उस समय लगभग पांच हजार मिक्सी बनाने वाली यूनिट्स थी। किसी घर के अंदर मिक्सी के ब्लेड का निर्माण हो रहा था, किसी घर के अंदर मिक्सी के कप का निर्माण हो रहा था, किसी घर के अंदर मिक्सी की प्लास्टिक की बॉडी के सैल का निर्माण हो रहा था लेकिन आज चीन के इस उद्योग में घुस जाने के कारण हमारी मिक्सी इण्डस्ट्री के ऊपर बहुत बड़ा कुठाराघात हुआ है। मैं आपके माध्यम से सरकार व इण्डस्ट्री मिनिस्टर से निवेदन करना चाहता हूं कि एक स्पैशल पैकेज देकर अम्बाला के मिक्सी उद्योग को आर्थिक संकट से उबारा जाये। मैंने इस मामले में अम्बाला की मिक्सी एसोसिएशन के पदाधिकारियों की इण्डस्ट्रीज मिनिस्टर से मुलाकात भी करवाई थी। इसी के साथ मेरा निवेदन है कि एक तो वहां पर कलस्टर बनाया जाये और दूसरा स्पैशल पैकेज मिक्सी निर्माताओं के लिए घोषित किया जाये ताकि अम्बाला का मिक्सी उद्योग फिर से मजबूती के साथ अपने पैरों पर खड़ा होकर इस क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश और पूरे देश की सेवा कर सके। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कृषि पर अपनी बात रखना चाहता हूं। कृषि के लिए जो भावांतर भरपाई योजना चलाई गई है वह अपने आप में एक अनूठी योजना है। अभी श्री जाकिर हुसैन जी विधायकों की जिस नैशनल कांफ्रेंस की बात कर रहे थे उसके लिए मैं आपका भी धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे उस विधायक नैशनल कांफ्रेंस के लिए नामित करके भेजा। मैं जब उस विधायक नैशनल कांफ्रेंस में गया तो आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने यह बात कही कि भावांतर भरपाई योजना हमारी सरकार ला रही है। केन्द्र में वह योजना अभी आगे लागू होगी लेकिन हमारी हरियाणा सरकार ने, आदरणीय मुख्यमंत्री जी तथा आदरणीय कृषि मंत्री श्री ओमप्रकाश धनखड़ जी ने उसको लागू करके ऐसा संदेश दिया है कि किस प्रकार की संवेदनशील और सर्वस्पृशी सरकार किसानों के लिए इस हरियाणा

प्रदेश में काम कर रही है। यह अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है कि जिस योजना को केन्द्र सरकार लागू करने की सोच रही है ऐसी बड़ी योजना का हरियाणा से परिचालन किया गया है उसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को बहुत—बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं अधिक कुछ न कहते हुये आपका धन्यवाद करना चाहूंगा कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। मैं दो लाइन कह कर अपनी वाणी को विराम देना चाहूंगा:—

“समर में घाव खाता है जो, उसी का मान होता है,

छिपा हर वेदना में, अमर बलिदान होता है,

सृजन में चोट खाता है, जो छैनी और हथौड़े की,

वही पथर कहीं मंदिर में भगवान होता है।”

हम लोगों को हरियाणा के महान निवासियों ने हरियाणा प्रदेश की सेवा करने का मौका दिया और हमारी सारी सरकार के लोग हमेशा 24 घंटे इसी प्रक्रिया में लगे हैं कि किस प्रकार से इस हरियाणा प्रदेश को एक नम्बर बनाया जाये और हरियाणा—एक, हरियाणवी एक के नारे को किस प्रकार से आगे बढ़ाया जाये। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर अपनी बात रखने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत—बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: अगर सदन की सहमति हो तो पहले बिल पास करवा लिये जायें उसके बाद बजट पर डिस्कशन कर ली जायेगी।

आवाजें: ठीक है, जी।

विधान कार्य

(i) दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन(नम्बर-1) बिल, 2018

श्री अध्यक्ष: अब वित्त मंत्री हरियाणा विनियोग(संख्या 1) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करेंगे और वह यह भी प्रस्ताव करेंगे कि इस पर तुरन्त विचार किया जाए।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विनियोग(संख्या 1) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करता हूं। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं—

कि हरियाणा विनियोग(संख्या 1) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा विनियोग(संख्या 1) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि हरियाणा विनियोग(संख्या 1) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्षः अब सदन विधेयक पर क्लॉज-बाई-क्लॉज विचार करेगा ।

क्लॉज-2

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि क्लॉज-2 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज-3

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि क्लॉज-3 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

शिड्यूल

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि शिड्यूल विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज-1

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि क्लॉज-1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

इनैकिटंग फार्मूला

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि इनैकिटंग फार्मूला विधेयक का इनैकिटंग फार्मूला हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाईटल

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि टाईटल विधेयक का टाईटल हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्षः अब वित्त मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए ।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(विधेयक पारित हुआ)

.....

**(ii) दि हरियाणा क्लीनिकल इस्टैब्लिसमैंट(रजिस्ट्रेशन एंड रैगुलेशन) ऐडोप्शन बिल,
2018**

श्री अध्यक्ष : अब स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अंगीकरण विधेयक, 2018 प्रस्तुत करेंगे तथा वह यह भी प्रस्ताव करेंगे कि इस बिल पर तुरन्त विचार किया जाए ।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अंगीकरण विधेयक, 2018 प्रस्तुत करता हूं तथा यह भी प्रस्ताव करता हूं –

कि हरियाणा नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अंगीकरण विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अंगीकरण विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि हरियाणा नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण और विनियमन) अंगीकरण विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन बिल पर क्लॉज-बाई-क्लॉज विचार करेगा ।

सब क्लॉज-3 ऑफ क्लाज-1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज-3 ऑफ क्लॉज-1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

सब क्लॉज-2 ऑफ क्लाज-1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज-2 ऑफ क्लॉज-1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज-2

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज-2 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज-3

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज-3 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

सब क्लॉज-1 ऑफ क्लाज-1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज-1 ऑफ क्लॉज-1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

इनैविटंग फॉर्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैविटंग फॉर्मूला विधेयक का इनैविटंग फॉर्मूला हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाईटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाईटल विधेयक का टाईटल हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब स्वास्थ्य मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए ।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं –
कि इस विधेयक को पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक को पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

(विधेयक पारित हुआ)

.....

(iii) दि हरियाणा डिवैलपमैंट एंड रैगुलेशन ऑफ अर्बन एरियाज (अमैंडमैंट) बिल, 2018

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन(संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करेंगे तथा वह यह भी प्रस्ताव करेंगे कि इस बिल पर तुरन्त विचार किया जाए ।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन(संशोधन), प्रस्तुत करता हूं तथा

यह भी प्रस्ताव करता हूं –

कि हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन(संशोधन) पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन(संशोधन) पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन(संशोधन) पर तुरन्त विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज-बाई-क्लॉज विचार करेगा ।

क्लॉज-2

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज-2 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज-3

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज-3 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज-1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज-1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

इनैकिटिंग फॉर्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैकिटिंग फॉर्मूला विधेयक का इनैकिटिंग फॉर्मूला हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाईटल विधेयक का टाइटल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ –

कि इस विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि –

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

(विधेयक पारित हुआ)

.....

(iv) दि मोटर व्हीकल्ज (हरियाणा अमैडमेंट) बिल, 2018

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब परिवहन मंत्री मोटर यान (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करेंगे तथा वह यह भी प्रस्ताव करेंगे कि इस पर तुरन्त विचार किया जाए।

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार): अध्यक्ष महोदय, मैं मोटर यान (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करता हूँ तथा यह भी प्रस्ताव करता हूँ –

कि मोटर यान (हरियाणा संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि मोटर यान (हरियाणा संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि मोटर यान (हरियाणा संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

श्री अध्यक्षः अब सदन बिल पर क्लॉज बाई क्लॉज विचार करेगा।

क्लॉज 2

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि क्लॉज-2 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लॉज 1

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

इनैकिटंग फॉर्मूला

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि इनैकिटंग फॉर्मूला विधेयक का इनैकिटंग फॉर्मूला बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

टाईटल

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि टाईटल विधेयक का टाईटल बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

श्री अध्यक्ष: अब परिवहन मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री कृष्ण लाल पंवार: अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ—

कि विधेयक को पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि विधेयक को पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न है—

कि विधेयक को पारित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(विधेयक पारित हुआ)

(v) दि हरियाणा सिविल सर्विसिज (ऐंजीक्यूटिव ब्रांच) एंड अलाइड सर्विसिज एंड अदर सर्विसिज कॉमन/कंबाइंड एंजामिनेशन (अमेंडमेंट) बिल, 2018

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री, हरियाणा सिविल सेवाएं (कार्यकारी शाखा) तथा समवर्गी सेवाएं तथा अन्य सेवाएं सामूहिक/संयुक्त परीक्षा (संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करेंगे तथा वह यह भी प्रस्ताव करेंगे कि इस पर तुरन्त विचार किया जाए।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा सिविल सेवाएं (कार्यकारी शाखा) तथा समवर्गी सेवाएं तथा अन्य सेवाएं सामूहिक/संयुक्त परीक्षा (संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करता हूँ तथा यह भी प्रस्ताव करता हूँ—

कि हरियाणा सिविल सेवाएं (कार्यकारी शाखा) तथा समवर्गी सेवाएं तथा अन्य सेवाएं सामूहिक/संयुक्त परीक्षा (संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि हरियाणा सिविल सेवाएं (कार्यकारी शाखा) तथा समवर्गी सेवाएं तथा अन्य सेवाएं सामूहिक/संयुक्त परीक्षा (संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि हरियाणा सिविल सेवाएं (कार्यकारी शाखा) तथा समवर्गी सेवाएं तथा अन्य सेवाएं सामूहिक/संयुक्त परीक्षा (संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव पारित हुआ

श्री अध्यक्षः अब सदन विधेयक पर क्लॉज बाई क्लॉज विचार करेगा।

क्लॉज 2

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि क्लॉज 2 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

क्लॉज 1

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

इनैकिटंग फॉर्मूला

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि इनैकिटंग फॉर्मूला विधेयक का इनैकिटंग फॉर्मूला बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

टाईटल

श्री अध्यक्षः प्रश्न है—

कि टाईटल विधेयक का टाईटल बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

श्री अध्यक्षः अब संसदीय कार्य मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ—

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रस्तुत हुआ—

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न है—

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(विधेयक पारित हुआ)

(vi) दि हरियाणा प्राइवेट युनिवर्सिटीज (अमैडमैट) बिल, 2018

श्री अध्यक्ष : अब शिक्षा मंत्री हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करेंगे तथा वह यह भी प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करता हूँ। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ—

कि हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ —

कि हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —

कि हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज-बाई-क्लॉज विचार करेगा ।

क्लॉज 2

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि –

क्लॉज 2 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज 1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि –

क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

इनैकिटंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैकिटंग फार्मूला विधेयक का इनैकिटंग फार्मूला बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाइटल विधेयक का टाइटल बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब शिक्षा मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(विधेयक पारित हुआ)

.....

(vii) दि हरियाणा मोटर व्हीकल्स टैक्सेशन (अमैंडमैंट) बिल, 2018

श्री अध्यक्ष : अब परिवहन मंत्री हरियाणा मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करेंगे तथा वह यह भी प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक, 2018 प्रस्तुत करता हूँ । मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ – कि हरियाणा मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि हरियाणा मोटर यान कराधान (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज बाई क्लॉज विचार करेगा ।

सब क्लॉज 2 ऑफ क्लॉज 1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज 2 ऑफ क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉजिज 2 से 7

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉजिज 2 से 7 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

सब क्लॉज-1 ऑफ क्लॉज-1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज 1 ऑफ क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।
इनैकिटंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैकिटंग फार्मूला विधेयक का इनैकिटंग फार्मूला बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाइटल विधेयक का टाइटल बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब परिवहन मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(विधेयक पारित हुआ)

सामान्य बजट पर चर्चा का स्थगन

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : आदरणीय अध्यक्ष जी, मेरा निवेदन है कि बजट पर जो बाकी चर्चा होनी है उसे आप कल तक के लिए डैफर कर दें।

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति है तो बजट पर बाकी की चर्चा कल के लिए डैफर की जाती है।

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब बजट पर बाकी की चर्चा कल पुनः शुरू की जाएगी ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सदन दिनांक 13 मार्च, 2018 प्रातः 10:00 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है ।

(तत्पश्चात् सभा मंगलवार, दिनांक 13 मार्च, 2018 प्रातः 10:00 बजे तक के लिए *स्थगित हुई।)

* 17:43 बजे